वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15

(हिन्दी पाठ)

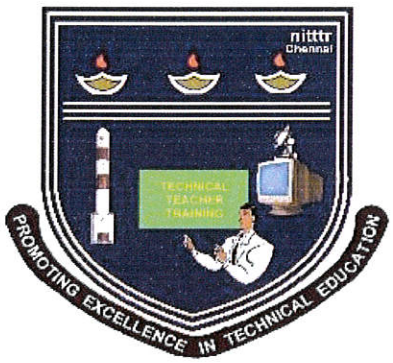

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
चेन्नई - 600 113

निदेशक की तरफ से

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई - रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई वर्ष 2014-15 के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के जरिए तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता की तलाश में संस्थान के सामूहिक प्रयास पर प्रबंध प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। हमारे संकाय सदस्यों की समर्पित सेवा से तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण (पॉलिटेकनीक और इंजीनियरिंग कालेज) अनुसंधान, पाठ्यचर्या विकास, समुद्रपार प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अन्य विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धि को यह प्रतिवेदन प्रतिबिंबित करता है। इस रिपोर्ट में संस्थान का भविष्य निरूपण, मिशन एवं लक्ष्य और उसके प्रकार्य, राज्य, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के निकायों से समन्वय और विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं के अधीन संस्थान द्वारा लिए गए कार्यकलापों का भी समावेश है।

हम सदा उन प्रोद्योगिकी विकासों का लाभ उठाने का प्रयत्न करते हैं जो हमारे प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और राष्ट्र भर के हमारे शिक्षकों को सुलभ बना सके। हम स्वीकार करते हैं कि सभी संकाय सदस्यों के लिए प्रोद्योगिकी विश्वसनीय रूप से सुगम नहीं हो सकती। अत: हम अद्यतन प्रोद्योगिकी विकासों का अपने प्रशिक्षण में समावेश करने और उसे किसी को अगम्य और असमर्थ न होने के प्रति सावधान रहते हैं। प्रयोगशाला और अनुदेशात्मक सुविधाओं में सतत सुधार प्रतिभागियों को लाभप्रद अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करते हैं और सजावट द्वारा पर्यावरण में परिवर्तन अधिक सुखद अधिगम अनुभव प्रदान करता है।

2014-15 का यह वर्ष विस्तार और विकास का काल रहा। इस वर्ष के दौरान

- *उद्योगों से तकनीकी 2555 शिक्षकों और कार्मिकों का प्रशिक्षण*
- *8 समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 42 देशों से 122 शिक्षकों, नीति विर्माताओं और शिक्षा प्रशासकों का प्रशिक्षण*
- *44 उम्मीदवार डॉक्टोरल और मास्टर्स कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।*
- *कर्नाटक राज्य पालिटेकनीक कालेजों के लिए 250 पाठ्यक्रमवाले 35 कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या का पुनरीक्षण किया गया।*
- *46 अनुदेशात्मक संसाधनों का विकास (मुद्रित सामग्रीयाँ और वीडियो)*
- *एक करोड़ रुपए की सात अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को पूरा करना*

यद्यपि सारी दुनिया में कई हजारों व्यक्तियों की आवश्यकताएँ हम पूरी करते हैं, सबसे अधिक संतोष तब होता है जब हमारे संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से उनकी राय सुनते हैं। वे चर्चाओं में भाग लेते हैं और हमारे संकाय सदस्यों को ई-मेल भेजते हैं। उनके अमूल्य समर्थन से हम अपने भावी कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्धता और विस्तृत भविष्य निरूपण तैयार करते हैं।

संस्थान ने शासक मंडल के अध्यक्ष डॉ. अल्लम अप्पा राव, अध्यक्ष, शासक मंडल के अन्य श्रेष्ठ सदस्यों और साथ ही भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव, निदेशक, उप शिक्षा सलाहकार तथा अन्य अधिकारियों से अनवरत अभिप्रेरण प्राप्त किया है। मैं इस अवसर पर उनके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। इस वर्ष के दौरान प्रभावी शिक्षण के लिए तकनीकी शिक्षकों को तकनीकी शिक्षण के माध्यम से सिद्धहस्त बनाकर तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की हमारी खोज में जिन्होंने हमें प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया उन सभी को मैं धन्यवाद अर्पित करता हूँ। मैं आशा करता हूँ और आश्वासन देता हूँ कि आनेवाले वर्षों में संस्थान उच्चतर स्तर की उपलब्धियाँ प्राप्त करता रहेगा।

निदेशक

विषय वस्तु सारणी

भाग - I

कार्यकलाप रिपोर्ट

1.0 प्रस्तावना 1

2.0 लक्ष्य 2

3.0 **2014-15** के दौरान कार्यकलापों का केन्द्र बिन्दु 3

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम 5

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 6

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम 6

आ) एम.टेक (मा.सं.वि.) कार्यक्रम 7

इ) समुद्रपार प्रशिक्षार्थी पाठ्यक्रम 8

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम 14

अ) पॉलिटेक्नीक कॉलेज कार्यक्रम 14

आ) इंजीनियरिंग कॉलेज कार्यक्रम 19

4.3 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/संचालित कार्यशालाएँ 20

5.0 पाठ्यचर्या विकास 27

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास 27

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास 27

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ 27

9.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम 28

10.0 पॉलिटेकनिक के जरिए समुदास विकास योजना 29

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक मुख्य धारा में एकीकृत करना 31

12.0 आभासी रा.त.शि.प्र.अ.सं. 33

13.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन 34

14.0 अंत: रा.त.शि.प्र.अ.सं. खेल प्रतियोगिता 35

15.0 संकाय समाचार 36

16.0 आभार प्रदर्शन 38

17.0 बोर्ड और उपसमितियाँ 38

भाग - II

लेखो पर रिपोर्ट

1. भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 52
2. वार्षिक लेखा 58

31.03.2015 को तुलनपत्र 59

31.03.2015 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा 60

अनुसूची - 1 आधार भूत / पूँजी निधि 61

अनुसूची - 2 नामोद्दिष्ट / उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ..... 62

अनुसूची - 2A धर्मस्व निधि 63

अनुसूची - 3 चालू देयताएँ और प्रावधान 64

अनुसूची - 3 (अ) प्रायोजित परियोजनाएँ 66

अनुसूची - 3 (आ) प्रायोजित अधिसदस्यता और छात्रवृत्तियाँ 67

अनुसूची - 3 (इ) यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान 68

अनुसूची - 4 अचल परिसंपत्तियाँ 70

अनुसूची - 4 अ योजना 71

अनुसूची - 4 आ गैर - योजना 72

अनुसूची - 4 इ - अगोचर परिसंपत्तियाँ 73

अनुसूची - 4 (इ) (i) पेटेन्ट और कॉपीराइट 74

अनुसूची - 4 (ई) अन्य 75

अनुसूची - 5 : धर्मस्व निधियों/उद्दिष्ट निधियों से निवेश 76

अनुसूची - 5 (अ) : धर्मस्व निधियों/से उद्दिष्ट निधियों से निवेश (निधिवार) 77

अनुसूची - 6 - निवेश - अन्य 78

अनुसूची - 7 - चालू संपत्तियॉ 79

अनुबंध - अ 80

अनुसूची - 8 - ऋण, अग्रिम और जमा राशियाँ 81

अनुसूची - 9 - शैक्षिक प्राप्तियाँ 84

अनुसूची - 10 - प्राप्त अनुदान/आर्थिक सहायताएँ (वसूलीयोय अनुदान) 86
अनुसूची - 11 - निवेशों से आय 87
अनुसूची - 12 - उपचित ब्याजँ 88
अनुसूची - 13 - अन्य आय 89
अनुसूची - 14 - पूर्वावधि-आय 91
अनुसूची - 15 - स्टाफ अदायगियाँ एवं लाभ (स्थापना व्यय) 92
अनुसूची - 15-अ - स्टाफ अदायगियाँ एवं लाभ (स्थापना व्यय) 93
अनुसूची - 16 - शैक्षिक व्यय 94
अनुसूची - 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय 95
अनुसूची - 18 - परिवहन व्यय 96
अनुसूची - 19 - मरम्मत और अनुरक्षण 97
अनुसूची - 20 - वित्त लागत 98
अनुसूची - 21 - अन्य व्यय 99
अनुसूची - 22 - पूर्वावधि व्यय 100
अनुसूची - 23 101
अनुसूची - 24 - उल्लेखतीय लेखाकरण नीतियाँ 102
अनुसूची - 25 - लेखे पर टिप्पणी 103
उपयोगिता प्रमाण पत्र गैर - योजना (वेतन) 104
उपयोगिता प्रभाव पत्र गैर-योजना (सामान्य) 105
उपयोगिता प्रमाण पत्र योजना (सामान्य) (आवर्ती) 106
उपयोगिता प्रमाण पत्र (योजना पूँजीगत आस्त्यिाँ अनावर्ती) 107
31.03.2015 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा..... 109

3. सा.भ.नि.और न.पें.यो. लेखा

मार्च 31, 2015 को तुलनपत्र..... 112
31.03.2015 को समाप्त आय व्यय लेखा..... 114
वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए प्राप्त्यिाँ और अदायगी लेखा..... 115

4. एनपीएस टियरा-I लेखा
मार्च 31, 2015 को तुलन पत्र 116
वित वर्ष 2014-15 के लिए आय-व्यय लेखा 117
वित्त वर्ष 2014-15 के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा 118

5. समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेखा
31.03.2015 से तुलन पत्र 120
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा 121
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ 122

6. परियोजना लेखा
31.03.2015 को तुलन पत्र 124
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा 125
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ 126

7. आधारभूत निधि लेखा
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा 127
31.03.2015 को समाप्त प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखाँ 128

1.0 प्रस्तावना

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (रा.त.शि.प्र.अ.सं.) चेन्नै भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्वायत्त संस्थान के रूप में सन् 1964 में स्थापित किया गया ताकि भारत में विशेषकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) प्रणाली की गुणता में सुधार हो। इस अधिदेश को ध्यान मे रखते हुए संस्थान समुचित विधि द्वारा आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम प्रदान करने की और पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक संसाधन विकसित करने की पहल कर रहा है। वह इंजीनियरिंग शिक्षा के अंतर्विषयी क्षेत्र में अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहन भी देता है और इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों, व्यावसायिक संस्थाओं, उद्योग सेवा क्षेत्र और व्यापक रूप से समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए परामर्श एवं विस्तार सेवा प्रदान करता है।

उक्त अधिदेश के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में रुचि रखनेवाले और या लाभान्वित होनेवाले राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों, अभिकरणों को सहयोग देता है।

भविष्य दृष्टि

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै का भावी दृष्टिकोण यह है कि वह तकनीकी शिक्षा संस्थाओं, उद्योग और समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिगम संसाधनों, अनुसंधानात्मक अध्ययनों और विस्तार सेवाओं की योजना, अभिकल्पना, विकास कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (टी वी ई टी) की श्रेष्ठता वर्धन में अग्रणी संस्थान के रूप में रहे।

हमारा लघु भविष्य दृष्टि कथन:

"तकनीकी शिक्षा में श्रेष्ठता को बढ़ावा देना"

मिशन

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नै भारत में, खासकर दक्षिण क्षेत्र में तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टी वी ई टी) के गुणसुधार के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित एक संसाधन संगठन है।

मिशन के निम्नलिखित अंश हैं जिनके लिए संस्थान प्रतिबद्ध है:

- विभिन्न विधाओं में, जिनमें वेब आधारित विधा भी शामिल है, तकनीकी शिक्षकों के लिए उच्च गुणवत्ता, लचीला, सुसंगत तथा लागत प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- उद्योग और समुदाय की परिवर्तनशील आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गतिशील, अग्रगण्य कार्यक्रम चलाकर नेतृत्व का प्रदर्शन करना।
- तकनीकी शिक्षकों को प्रभावशाली व सक्षम सेवा प्रदान करने के लिए मानित विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होना।
- इंजीनियरिंग और शिक्षा की समस्याओं को अनुसंधान और विस्तार कार्यकलापों सुलझाने में सहायता देना।
- देश में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए कटिबद्ध उद्योग प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य अभिकरणों के साथ सहयोग स्थापित करना और पोषण करना।

आभ्यांतरिक मूल्य

शिक्षकों और परिणामस्वरूप छात्रों को हमारी सेवा के आभ्यंतरिक मूल्य के शीर्षक निम्न प्रकार है।

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण
- टीम कार्य
- अनवरत अधिगम के लिए कर्मचारी विकास
- खुलापन और पारदर्शिता
- अग्रगामी फोकस
- सामाजिक उत्तरदायित्व

2.0 लक्ष्य

संस्थान के लक्ष्य निम्नांकित है:

- ✓ सेवार्थी प्रणाली के अनुसार क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेक्नीको व्यावसायिक और प्रबंधन शिक्षा संस्थाओं सहित सभी संस्थाओं का समावेश करते हुए शिक्षकों को गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ सहकारी शिक्षा योजना द्वारा तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
- ✓ तकनीकी शिक्षा प्रशिक्षण प्रणाली तथा उसके प्रबंधन के विकास के लिए अनुसंधान जानकारी प्रदान करने हेतु क्रमबद्ध अनुसंधान कार्य करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में शिक्षण व अध्ययन के पर्यावरण को सुधारने के लिए नवीन नवप्रवर्तित पद्धति, प्रक्रिया तथा अभ्यासों के विकास पर अनुसंधान कार्य करना और मार्गदर्शन करना।

- ✓ बहुमाध्यमिक अध्ययन सामग्री के उत्पादन के लिए नयी अनुदेशात्मक प्रणाली तथा कौशल का अभिकल्प बनाना।
- ✓ शैक्षिक व्यावसायिक संस्थाओं तथा अन्य संगठनों के लिए पाठ्यपुस्तकें, प्रयोगशाला पुस्तिका, वीडियो कार्यक्रम, कंप्यूटर पर आधारित प्रशिक्षण तथा मल्टीमीडिया पेकेजों का विकास तथा प्रसार।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों के लिए दूरस्थ शिक्षा द्वारा अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी का प्रयोग कर कार्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा के शिक्षकों को विशेषकर सार्क व आशियान देशों की मांग के लिए उपयुक्त कार्यक्रम व पाठ्यक्रम प्रदान करना।
- ✓ अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार तथा पदक प्रवर्तित एवं प्रदान करना।
- ✓ समुदाय एवं उद्योग को सतत व अनौपचारिक व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन करने और विस्तार एवं परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए सहयोग देना।
- ✓ उद्योग, तकनीकी संस्थाओं / संगठनों के लिए परामर्श और विस्तार कार्य करना।
- ✓ प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारत सरकार के अनुमोदन से विभिन्न राज्यों में संस्थान के विस्तार केंद्रों की स्थापना करना।
- ✓ तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली से संबंधित भारत सरकार की सेवाओं और मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय समय पर सौंपे गए कार्यों की समर्थित सेवा प्रदान करना।
- ✓ पूर्णत: या अंशत: संस्था के समान उद्देश्य वाले विश्व के किसी भाग के शैक्षिक या अन्य शैक्षिक संस्थओं को परस्पर शिक्षकों का विनिमय तथा उनके सामान्य उद्देश्य के लिए सहायक अन्य आवश्यक कार्यक्रमों व सेवाओं का आयोजन।

3.0 2014-2015 के दौरान कार्यकलापों का केंद्रबिंदु

एक गतिशील संस्थान के रूप में अपने कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों को अति विनिर्दिष्ट रुप से समय समय पर पुन: अभिमुख किया जाता है जिससे सेवार्थी तंत्रों की बदलती मांगों की पूर्ति अग्रगामी रूप से की जा सके। 2014-2015 के दौरान संस्थान ने कार्यक्रमों, परियोजनाओं और कार्यकलापों को निम्नलिखित पाँच प्रमुख क्षेत्रों के अधीन ग्रहण किया है। यथा (i) संकाय विकास, (ii) पाठ्यचर्या परिवर्धन, (iii) अनुदेशात्मक संसाधन विकास, (iv) अनुसंधान व विकास, (v) विस्तार व परामर्श सेवाएं।

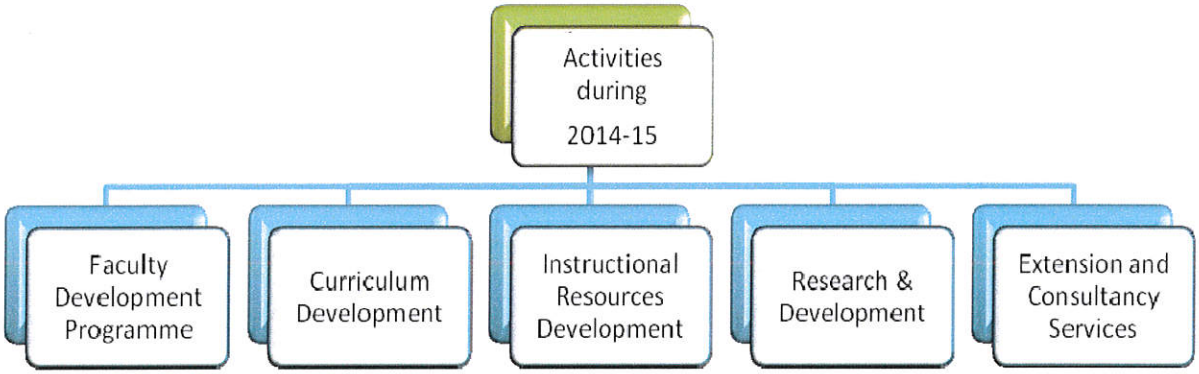

सन् 2014-2015 में निम्नलिखित कार्यकलापों पर संस्थान ने ध्यान केन्द्रीकृत किया:

1. इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और उद्योग के कार्मिको और पेशेवारों को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान, अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, प्रत्यायन, शैक्षिक प्रबंधन, संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास, पाठ्यचर्या विकास और उद्यमवृत्ति विकास जैसे क्षेत्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम द्वारा प्रशिक्षण देना।
2. तकनीकी संस्थाओं के संकाय सदस्यों के लिए बुनियादी एवं उच्च स्तरीय शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में वेब आधारित प्रशिक्षण।
3. शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ चलाना।
4. इंजीनियरी कालेजों, पॉलिटेकनिकों के शिक्षकों और उद्योग के कार्मिकों को अंत: शास्त्रीय अनुसंधान कार्यों द्वारा अनुसंधान क्षमता बढ़ाना जिससे उनको पी एच डी उपाधि मिले।
5. एम.टेक. (मा सं वि) जैसे दीर्धकालीन कार्यक्रमों द्वारा इंजीनियरींग कालेजों, पॉलिटेकनिकों और अन्य संस्थाओं के शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
6. विदेशी प्रतिभागियों को विशेष रूप से अभिकल्पित कार्यक्रमों द्वारा विशेषज्ञ मत प्रदान करना।
7. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पाठ्यचर्याओं का विकास और वर्तमान के पाठ्यचर्याओं का पुनरीक्षण।
8. पॉलिटकेनीक और इंजीनियरिंग कॉलेज की पाठ्यचर्या के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण संसाधनों (सामग्री व माध्यम) का विकास।
9. तकनीकी शिक्षा प्रणाली के लिए संगत अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लेना।
10. तकनीकी शिक्षको और उद्योग के पेशेवरों के प्रशिक्षण के किए आभासी अधिगम कार्यक्रम विकसित करना और प्रदान करना।
11. निम्नलिखित योजनाओं / परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और परिवीक्षण के लिए विस्तार व परामर्श सेवायें प्रदान करना।

अ. पॉलिटेकनिक के जरिए सामुदायिक विकास योजना

आ. पालिटेकनिक के लिए उप मिशन

- वर्तमान पालिटेकनीकों की आंतरिक संरचना का कोटि उन्नयन

इ. विकलांगों के लिए परियोजना

ई. आई सी टी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन

उ. शिक्षकों और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन

ऊ. प्रत्यायन के अनुमोदन को सुकर बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति का भ्रमण

ऋ. इंजीनियरिंग / प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी और परामर्श सेवा।

ए. उद्योगों, सरकारी विभागों और सेवा संगठनों के लिए आवश्यकता पर आधारित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम और परियोजनाएँ।

4.0 संकाय विकास कार्यक्रम

इंजिनीयरिंग कालेजों तथा पॉलिटेकनीक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम ही संस्थान का प्रमुख कार्यक्षेत्र है। इसे ध्यान में रखते हुए संस्थान में पालिटेकनीकों, इंजीनियरिंग कालेजों तथा विदेशी शिक्षकों के लिए उनके अपने खास कार्यक्षेत्र में प्रवीणता हासिल करने योग्य विविध अल्पावधि व दीर्घावधि कार्यक्रमों की योजना बनाई गई और संचालन किया गया।

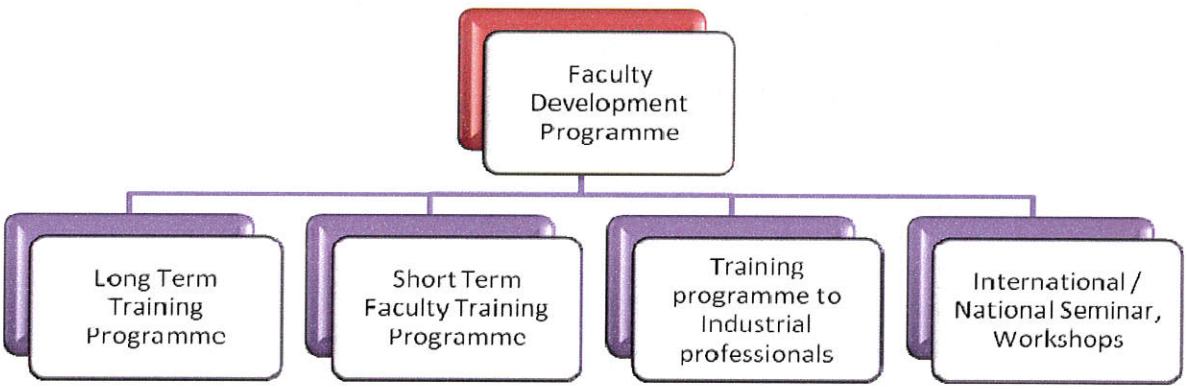

4.1 दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अ) डाक्टर की उपाधि संबंधी अनुसंधान कार्यक्रम

संस्था ने शिक्षा अनुसंधान कार्यक्रम के विकास के लिए अपना प्रबल प्रयास जारी रखा और साथ ही इंजीनियरी शिक्षा (अंत: शास्त्रीय) क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए उद्योगों और अन्य शिक्षा क्षेत्रों के तकनीकी शिक्षकों और कार्मिकों को प्रोत्साहित किया। इस संस्थान को मद्रास विश्वविद्यालय और अण्णा यूनिवर्सिटी, चेन्नई ने मान्यता प्राप्त डॉक्टरल अनुसंधान केंद्र माना है।

आज तक कुल 40 छात्र संस्था के पी एच डी कार्यक्रम में कार्यरत है। सूची के अनुसार सात अनुसंधान विद्वानों को इस वर्ष के दौरान मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग शिक्षा में पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई।

सारणी 1: जिन्होने डिग्री पूरी की है उन शोधकर्ताओं के विवरण

क्रम. सं.	नाम और उम्मीदवार का संस्थागत संबंधन	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
1.	श्री एस. राजशेखर, अनुसंधान सहायक शिक्षा विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - 113	इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों की गैर तकनीकी सक्षमताओं पर अध्ययन	डॉ. बी. मुखोपाध्याय, भूतपूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक प्रबंधन और अनुप्रयुक्त मनो विज्ञान विभाग	24.06.2014
2.	श्री एस. नटराजन प्रो.एम बी ए विभाग, साईराम इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई	अण्णा विश्वविद्यालय के एमबीए कार्यक्रम की मानव संसाधन पाठ्यचर्या का मूल्यांकन	डॉ. डी. बृहदीश्वरन, भूतपूर्व प्रोफेसर और नीति योजना और शैक्षिक अनुसंधान विभाग के विभागाध्यक्ष	06.08.2014
3.	श्री बी. मरुदु कण्णन पूर्णकालिक अनुसंधान सहायक शिक्षा विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - 113	पूर्व स्नातक आटोमोबाइल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए वेब समर्थित सहयोगी अधिगम	डॉ. बी.जी. बर्की, भूतपूर्व प्रोफेसर और शिक्षा के विभागाध्यक्ष	01.09.2014
4.	श्री बी.वी. मेत्यु प्रो. सिविल इंजी. विभाग, एस जे सी ई टी, कोट्टयम, केरल।	निर्माण प्रोद्योगिकी और प्रबंधन चतुर्वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पर लचीला उधाराश्रित आदर्श पाठ्यचर्या विभाग	डॉ. वी. तणिकाचलम, भूतपूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष पत्राचार विभाग पाठ्यक्रम	10.10.2014
5.	श्री एस. सुब्बराज पूर्णकालिक अनुसंधान सहायक, पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई - 113	अभिकल्पना के विशिष्ट संदर्भ में वर्तमान यांत्रिक इंजीनियरिंग पाठ्यचर्याओं की प्रभवात्मक्ता का अध्ययन	डॉ. वी. तणिकाचलम, भूतपूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष पत्राचार विभाग पाठ्यक्रम	10.10.2014
6.	कु. अनीता इंदु पूर्णकालिक अनुसंधान सहायक, शिक्षा विभाग, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई -113	विशिष्ट रूप से समर्थ छात्रों के कौशल विकास के लिए आई सी टी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव के मूल्यांकन का अध्ययन	डॉ. बी.जी. बर्की, भूतपूर्व प्रोफेसर और शिक्षा के विभागाध्यक्ष	23.02.2015

क्रम. सं.	नाम और उम्मीदवार का संस्थागत संबंधन	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
7.	श्री ए.एन. परमेश्वरन डीन, आईआईआईसी एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई	तमिल नाडु में इंजीनियरिंग संस्थाओं में शिक्षा की गुणवत्ता पर संस्थान-उद्योग के सहयोग की प्रभावात्मकता	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश प्रो. व अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग	25.03.2015

सारणी 2: नामांकित अनुसंधान छात्रों के विवरण

क्रम. सं.	उम्मीदवार के नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	दाखिले की तिथि
1.	श्री मुत्तमिळ मुरुगन	मानकीकरण के लिए डीजीसीए की निर्देशक रेखा के संदर्भ में आई ए एफ मे वायुयान अनुरक्षण तकनीशियन पाठ्यक्रम का मूल्यांकन	डॉ. एस. धनपाल, प्रभारी निदेशक, प्रो. व अध्यक्ष पाठ्यचर्या विकास केंद्र	17.02.2015

अब तक कुल 66 छात्रों को पी.हेच डी उपाधि दी गई है।

आ) एम. टेक (मानव संसाधन विकास) कार्यक्रम

चार सत्रों वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सक्षम संसाधन विकास कर्ताओं को उत्पन्न करना। अध्ययन कार्यक्रम में 13 मूल पाठ्यक्रम शोध प्रबंध (दो मृदु कौशल पाठ्यक्रम और शिक्षु अध्यापन शामिल हैं।

कार्यक्रम के मूल विषय है- प्रबंधन सिद्धांत, संगठनात्मक व्यवहार, औद्योगिक समाज विज्ञान, औद्योगिक मनो विज्ञान, मा.सं.वि. में अनुसंधान प्रणाली विज्ञान, मा.सं.वि. के लिए सूचना प्रोद्योगिकी, संगठनात्मक विकास, मानव संसाधन प्रबंधन में विधिक पहलू मानव संसाधन, मानव संसाधन प्रबंधन, मृदु कौशल 1 और 2 मानव संसाधन विकास, अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन प्रशिक्षण और विकास और वित्तीय प्रबंधन इस कार्यक्रम के अंतर्गत आते हैं। छात्रों को अनेक वैकल्पिक विषय प्रदान किए गए है यथा संस्थागत मूल्यांकन और विकास, प्रबंधन सूचना प्रणाली, मा.सं.वि. के लिए वीडियो कार्यक्रमों की योजना और निष्पदान, परियोजना प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, उद्यम संसाधन योजना निष्पादन प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन और समग्र गुणता प्रबंधन। अनिवार्य अपेक्षा के रूप में शिशिक्षु अध्यापक शामिल किया गया है और द्वितीय सत्र के ग्रीष्मावकाश में कार्यान्वित किया जाना है।

दसवें बैच में इस वर्ष के दौरान 4 उम्मीदवार एम.टेक (मा.सं.वि.) के कार्यक्रम में अध्ययन कर रहे हैं।

इ) समुद्रपार प्रशिक्षार्थी पाठ्यक्रम

वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान ने आई टी ई सी कार्यक्रम और उसका उप निगमन स्काप (विशेष राष्ट्र मंडल अफ्रीका सहायता कार्यक्रम) के तहत समुद्रपार प्रतिभागियों के लिए आठ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एशिया, पूर्व यूरोप (पूर्व यू.एस.एस.आर. सहित), मध्य एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, करीबियन, पैसफिक और छोटे द्वीप देशों के 158 देशों से असैनिक व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार से पूरी निधि प्राप्त है। पिछले 33 वर्षों से आई टी ई सी और एस सी ए ए पी योजना के अधीन रा त शि प्र अ सं., चेन्नई विशेष अभिकल्पित प्रशिक्षण कार्यक्रम सक्रिय रूप से चलाने में लगा है। रा त शि प्र अ सं., चेन्नई द्वारा प्रदत्त सक्षमता और सेवा के बारे में अन्य देशों में अधिक दृश्यता और बढ़ती अभिज्ञा उत्पन्न हो गई है। इन वर्षों के विदेश मंत्रालय के तकनीकी और आर्थिक सहायता कार्यक्रमों ने विकासशील देशों में सर्वाधिक सद्भावना और यथेष्ट सहयोग उत्पन्न किया है। अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र विषय समन्वयकों के साथ कार्यक्रम का समन्वय करता है।

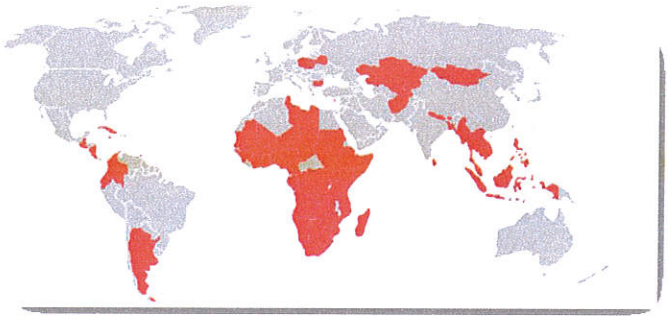

सारणी 3: 2014-15 के दौरान अष्ट सप्ताही ओ टी सी कार्यक्रम

पाठ्यक्रम	विषय समन्वयक
पाठ्यचर्या अभिकल्पन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास	डॉ. एस. धनपाल
संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन	डॉ. जी. जनार्दनन
वैश्विक संवृद्धि पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा का विकास करना	डॉ. टी. जगदरक्षकन तथा डॉ. आर. शान्तकुमार
तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण	डॉ. एस. रेणुकादेवी
आधुनिक पुस्तकालय पद्धति प्रबंधन	डॉ. आर. रविचंद्रन
जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि	डॉ. जी. जनार्दनन
शिक्षा और प्रशिक्षण में सूचना और संचार	डॉ. वी. षण्मुगनीति
ग्रामीण योजना और प्रबंधन के लिए स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश तथा श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार

सारणी 4: राष्ट्र द्वारा नामांकन: 2014-15

देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या	देश	नामांकित प्रतिभागियों की संख्या
अफगानिस्तान	4	जोर्डन	1	रूस	1
अल्जीरिया	3	केन्या	2	सेनेगल	1
बांग्लादेश	8	किर्गिजस्तान	1	श्रीलंका	1
भूटान	7	लाओस	1	दक्षिण आफ्रिका	2
केमरून	1	लिथुआनिया	2	सूडान	4
कोलंबिया	1	मेडागास्कर	4	सीरिया	2
मिस्त्र	4	मलावी	1	स्वाजीलैण्ड	1
ईथोपिया	8	मॉरीशस	10	तंजानिया	12
फिजी	4	मास्को-एसटीपी	1	थाईलैण्ड	2
गाम्बिया	1	म्यांमार	8	युगाण्डा	2
घाना	4	नेपाल	2	उज्बेकिस्तान	1
ग्वाटेमाला	1	नाइजीरिया	1	वियतनाम	1
इन्डोनेशिया	1	पेरू	2	जाम्बिया	2
कोटे द आइवरी	1	फिलीपीन्स	1	जिम्बाब्वे	5
				कुल उम्मीदवार	**122**

i. "पाठ्यचर्या आयोजन और अनुदेशात्मक सामग्री विकास" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है पाठ्यचर्या अभिकल्प के लिए आवश्यक क्षमता विकसित करना और समुचित अनुदेशात्मक सामग्री का विकास करना। इस पाठ्यक्रम के 33वें बैच का संचालन इस संस्थान के पाठ्यचर्या विकास केंद्र द्वारा 1 अक्तूबर से 25 नवंबर 2014 तक किया गया। बारह देशों से पन्द्रह प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया; यथा- बांग्लादेश, फिजी, ग्वाटेमाला, म्यांमार, नेपाल, थाईलैण्ड, मॉरीशस, स्वोजीलैण्ड, तंजानिया, केन्या, मलावी और इन्डोनेशिया। अब तक संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 581 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

ii. **"संधारणीय विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सकरात्मक समाजगत सूचना और संधारणीय भविष्य के लिए अपेक्षित मूल्यों, व्यवहारों और जीवन शैलियों को मन में बैठाना है। योग्यता प्रदायक लक्ष्य हैं:

अ. संघारणीय पर्यावरणीय विकास और सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं के परस्पर संबंध को समझने के लिए विधियों और अभिगमों के प्रति बोध उत्पन्न कराना।

आ. पर्यावरण पर विकासात्मक परियोजना के प्रभाव के मूल्यांकन की विधि प्रदान करना और उचित सुधारात्मक उपाय सुझाना।

इ. संघारणीय विकास के लिए शिक्षा में शिक्षण और अधिगम की वर्धित गुणवत्ता को बढ़ावा देना।

इस पाठ्यक्रम का पाँचवॉ बैच पर्यावरण प्रबंधन केंद्र ने 3 दिसंबर 14 से 27 जनवरी 2015 तक संचालन किया। 11 देशों के सत्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- मिस्र, मेडागास्कर, जोर्डन, सूडान, अल्जीरिया, भूटान, म्यांमार, पेरू, तंजानिया, दक्षिण आफ्रिका और लाओस ।

अब तक (पाँचवॉ बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 96 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

iii. **वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तकनीकी शिक्षा के विकास पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र ने 3 दिसंबर 2014 से 27 जनवरी 2015 तक चौथे बैच का आयोजन किया। 9 देशों से ग्यारह प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- बांग्लादेश, सिरिया, कोटे द आइवरी, सूडान, ईथोपिया, मॉरीशस, केमरून, दक्षिण आफ्रिका और जिम्बाब्वे। इस कार्यक्रम का मुख्य केन्द्र बिंदु कौशल कामगारों से लेकर इंजीनियरों / प्रोद्योगिकों / प्रबंधकों तक विकासशील उद्योगों की मानव संसाधन आवश्यकतों का मूल्यांकन करना था। सार्वजनिक निजी प्रतिभाग के माध्यम से समर्थकों के प्रतिभाग और दिशा निर्देश द्वारा से तकनीकी शिक्षा संस्थानो के गठन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विकास पर परिणाम केंद्रित रहा। अब तक (चौथे बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 70 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

iv. आधुनिक पुस्तकालय पद्धति प्रबंधन पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सू प्रो. ज्ञान आधारित ई एक्सस की सुविधा प्रदान करने के लिए सक्षमता का विकास करना तथा पुस्तकालय प्रक्रिया को सरल और कारगर बनाना, उपयोगकर्ताओं में पढ़ने की अभिरुचि को प्रोत्साहित करना और बढ़ाना - संग्रह, सेवाएँ और सुविधाएँ संचालित और विकसित करना। इस पाठ्यक्रम का संचालन इस संस्थान के संसाधन केंद्र द्वारा 30 जुलाई से 23 सितंबर 2014 तक किया गया। 12 देशों से तेईस प्रतिभागी इस पाठ्यक्रम में उपस्थित रहे यथा- बांग्लादेश, ईथोपिया, सूडान, अफगानिस्तान, भूटान, तंजानिया, जाम्बिया, मॉरीशस, नेपाल, युगाण्डा, गाम्बिया और फिजी। अब तक (सातवें बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 157 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

v. "तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर उच्चस्तरिय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का अभिकल्प स्त्रियों में सही रूप से अपने अपने देशों में स्त्री सशक्तिकरण बढ़ाने में सही रण नीति को अपनाने के लिए तथा अपने देश में इसी रण नीति का उपयोग करने के लिए अभिकल्प तैयार किया गया। इसके आठवें बैच का संचालन इस संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 30 जुलाई से 23 सितंबर 2014 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल 10 अभ्यर्थियों ने छे: देशों से भाग लिया; यथा- श्रीलंका, घाना, जिम्बाब्वे, तंजानिया, केन्या और मॉरीशस। अब तक (आठवें बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 88 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

vi. **"जल गुणवत्ता विश्लेषण: प्रयोगशाला विधि" पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है उन्नत निगरानी, अच्छी प्रयोगशाला अभ्यास तकनीक, प्रभावी प्रयोग और विधिक प्रवर्तन और संस्थागत व्यवस्था के जरिए जल गुणवत्ता के क्षेत्र में नव प्रवर्तनकारी और अनुक्रियात्मक विकास प्रदान करना। इस पाठ्यक्रम का पाँचवॉ बैच संस्थान के पर्यावारण प्रबंधन केंद्र 4 फरवरी से 31 मार्च 2015 तक चलाया गया। 14 देशों के उन्नीस प्रत्यशियों ने भाग लिया; यथा - कोलम्बिया, मिस्र, ईथोपिया, फिजी, लिथुआनिया, मेडागास्कर, मास्को-एसटीपी, थाईलैण्ड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, मॉरीशस, नाइजीरिया, तंजानिया और जाम्बिया। इस पाठ्यक्रम को 12 पाठ्यचर्या माड्यूल वाली तीन प्रमुख इकाइयों में संरचित किया गया। पूर्व स्थित संबंधित पाठ्यक्रमों में (पाठ्य और भाषण टिप्पणी आधारित क्षेत्र) और प्रयोगशाला का संयोजित भाषणों के साथ यह पाठ्यक्रम उचित मिश्रण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने संसाधन विकास, प्रभाव और प्रबंधन के माध्यम से विषय का समन्वेषण किया। अब तक (पाँचवॉ बैच सहित) संस्थान ने इस पाठ्यक्रम द्वारा कुल 74 समुद्रपार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

vii. **शिक्षा और प्रशिक्षण में सूचना और संचार प्रोद्योगिकी पर उच्च स्तरीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**

इस पाठ्यक्रम का दूसरा बैच शिक्षा प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया केंद्र द्वारा 4 फरवरी से 31 मार्च 2015 तक चलाया गया। 10 देशों से चौदह प्रतिभागियों ने भाग लिया; यथा- अफगानिस्तान, ईथोपिया, किर्गिजस्तान, मेडागास्कर, म्यांमार, फिलीपीन्स, रूस, सेनेगल, मॉरीशस और जिम्बाब्वे। शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूचना और संचार प्रोद्योगिकी (आई सी टी) अधिगम, ई-कन्टेन्ट विकास, प्रदान को प्रोद्योगिकी को एकीकृत होने देती है और प्रोद्योगिकी एकीकरण में नेतृत्व प्रदान

करती है। कार्यक्रम के लक्ष्य प्रशिक्षण और प्रशासन के क्षेत्र में सू.प्रो. अनुप्रयोग की संकल्पना को समझना, आंकडा संचय प्रबंध पद्धति का पर्याप्त ज्ञान प्रदान करना, ई-लर्निंग प्रोद्योगिकियों के उपयोग का महत्व समझना अधिगम प्रबंधन पद्धति (एल एम एस) के सिद्धांतों को समझना और सूचना सुरक्षा और सूचना प्रतिनयन है। इस पाठ्यक्रम द्वारा 30 समुद्रपार प्रशिक्षार्थी परिक्षित हुए।

viii. **ग्रामीण योजना एवं प्रबंधन के लिए स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी**

इस पाठ्यक्रम के प्रथम बैच का संचालन सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 27 अक्टोबर से 19 दिसंबर 2014 तक किया गया। 8 देशों से तेरह प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। यथा- ईथोपिया, म्यांमार, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, मॉरीशस, घाना और जिम्बाब्वे।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- जी आई एस की संकल्पना को खूब समझना।
- उचित माप पर प्रदत्त नक्शे को अंकस्प देना।
- उपग्रह प्रतिमावली से या क्रमवीक्षण द्वारा किसी क्षेत्र का नक्शा रेखा पुंज प्रारूप में प्राप्त करना।
- नक्शों को रेखा पुंज प्रारूप से सदिश प्रारूप में परिवर्तित करना।
- यथार्थता स्तर के सुधार के लिए नक्शे में सशोधन लाना।
- उचित प्रक्रिया सामग्री का उपयोग करते हुए आवश्यक प्रतीक ऑकड़े उत्पन्न करना।
- समुचित पैकेजों का उपयोग करते हुए भौगोलिक एवं प्रतीक ऑकड़े को जोड़ना।
- प्रदत्त पैकेज में समुचित जी आई एस स्थान विज्ञान का सृजन करना।
- निर्णय लेने के लिए अभिनिर्धारित प्रश्नो का प्रचालन।
- जी आई एस प्रतिरुपण के साथ काम करना।
- जी आई एस में मनक एवं वृित स्त्रोत प्रक्रिया सामग्री के साथ काम करने की सक्षमता विकसित करना।
- मल्टीमीडिया का उपयोग करते हुए समुचित प्रारूप में परिणाम प्रस्तुत करना।
- ग्रामीण योजना और प्रबंधन के विभिन्न, अनुप्रयोग के लिए जी आई एस आकड़ा संचय विकसित करना।

यह कार्यक्रम भू प्रबंधन, सिविल इंजीनियरिंग, जल संरक्षण, यातायात प्रबंधन, ग्रामीण योजना, निर्माण एवं सूचना प्रोद्योगिकी का एकीकरण करता है और प्रतिभागियों को भौगोलिक सूचना की दिशा में वृत्तिपरक अनुप्रयोग प्रदान करता है।

समुद्रपार शिक्षक पाठ्यक्रम के मुख्य कार्यक्रम

→ भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग योजना (ITEC) और विदेश मंत्रालय के विशेष राष्ट्रमंडल आफ्रिका सहायता कार्यक्रम (SCAPP) और भारत सरकार के वित्त मंत्रलाय की कोल्म्बो योजना की तकनीकी निगम योजना (TCS) द्वारा प्रतिभागियों की प्रतिनियुक्ति की गई।

→ इस कार्यक्रम में 42 देशों से कुल 122 व्यक्तियों ने (शिक्षक व प्रशासकगण) इस कार्यक्रम में भाग लिया।

→ संगोष्ठियों व व्यक्तिगत परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनीव्यक्तिगत प्रस्तुति पेश की।

→ यात्रा के जरिए प्रतिभागी भारत की संस्कृति तथा परंपरा से परिचित हुए।

→ कार्यक्रमों की प्रभावात्मकता और प्रासंगिकता के बारे में सकारात्मक प्रतिपुष्टि प्रभावोत्पादक एवं लाभदायक रही है।

→ वापस जाने पर जो क्षमता उन्होंने अर्जित की है उसका स्वदेश में अपने काम में पूरा-पूरा उपयोग करने का आश्वासन।

4.2 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

अ) पॉलिटेकनिक कालेज कार्यक्रम

इस संस्थान ने भारत सरकार की 'योजना गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' (QIP) का कार्यान्वयन जारी रखा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यही है कि अपेक्षकृत कम समय में अधिक संख्या में एक से दो सप्ताहों के अंतर्गत लघुअवधि कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम द्वारा अधिक संख्या में शिक्षकों की योग्यता बढाना। अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों का ज्ञान बढ़ाने और अद्यतन प्रोद्योगिकी से परिचित कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक से दो सप्ताहों की अवधि के लिए प्रशिक्षण-पुन: प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का लगातार पुनरीक्षण, संशोधन, पुन: अभिकल्पन किया जाता है ताकि शिक्षिकों की सदा विकास शील एवं परिवर्ती आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

प्रत्येक दक्षिण राज्य के पॉलिटेकनिक के शिक्षकों की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को यथा अनुकूलित कार्यशालाओं के जरिए पहचाना गया। प्रत्येक राज्य एक के हिसाब से ऐसी चार कार्यशालएँ चलाई गई। इन पाठ्यक्रमों के विवरण, समयावधि, स्थान आदि का निर्णय कार्यक्रम विकास समिति बैठक में लिया गया जिसमें तकनीकी शिक्षा निदेशालय के प्रतिनिधियों तथा चयनित पालिटेकनीक्स के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया था। इस बैठक से यह सुनिश्चित किया गया कि ऐसे नियोजित अभिकल्पित और संचालित कार्यक्रम शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकता पूरा कर सके। ये कर्मचारी विकास पाठ्यक्रम संस्थान, उसके विस्तार केंद्रों तथा चयनित पालिटेकनिक्स में आयोजित किए गए। उद्योगों और आई आई टी जैसे प्रसिद्ध संस्था के विशेषज्ञों, सी एस आई आर प्रयोगशालाओं

की प्रतिभागिता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभावात्मकता बढ़ा दी। अधिकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्योग केंद्रों में जाना एक अनिवार्य अंग रहा।

इस वर्ष निम्न विषयों से संबंधित पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी में विषय वस्तु को अद्यतन बनाना
- अनुदेशात्मक अभिकल्पना और प्रस्तुति प्रणाली (मूल भूत एवं उच्चस्तरीय शिक्षा शास्त्र)
- छात्रों के निष्पादन का मूल्यांकन
- मार्गदर्शन एवं परामर्श देना
- संचार कौशल
- इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए अनुदेशात्मक विषय वस्तु विकास
- मुक्त एवं विवृत्त स्रोत प्रक्रिया सामग्री
- शिक्षकों के लिए आई सी टी उपकरण
- अनुसंधान प्रणाली विज्ञान
- उद्योग में टीक्युएम प्रणालियाँ
- डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या का पुनरीक्षण।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इस क्षेत्र का निष्पादन बहुत प्रभावी रहा है। इसके अंतर्गत 93 पाठ्यक्रम को चलाये गये तथा कुल **1982** अभ्यर्थियों ने पालिटेकनीक से भाग लिया (पुरुष: **1491**, स्त्री: **491**) थे। इस प्रकार अब तक **3687 पाठ्यक्रमों** के माध्यम से **69,107 शिक्षक प्रशिक्षित** हुए हैं।

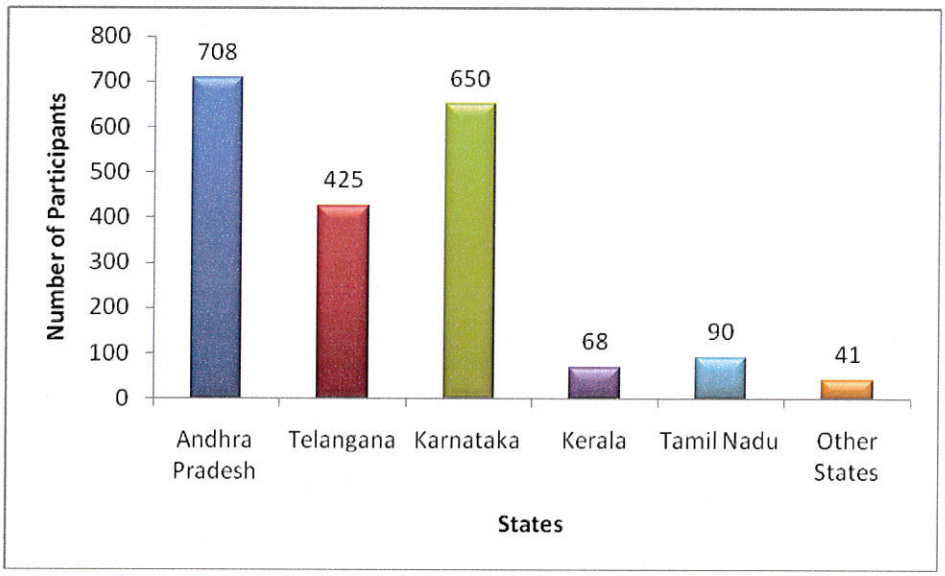

वर्ष 2014-15 कें दौरान प्रशिक्षित संकाय संख्या

सारणी 5 : पालिटेकनीक पाठ्यक्रमों में नामांकन : 2014-15

क्रम.सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	भा.मा. 800-2007 के अनुसार इस्पात संरचना की सीमा स्थिति अभिकल्पना	22
2.	8051 सूक्ष्म नियंत्रक और उसका अंतरापृष्ठन	25
3.	सीएनसी मशीन	25
4.	मल्टीसिम का उपयोग करते हुए योजनाबद्ध एवं अनुकृति	20
5.	आटोकैड का उपयोग करते हुए कम्प्यूटर सहाय आलेखन	24
6.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुपुर्दगी पद्धति	29
7.	कंप्यूटर सहाय अभिकल्पना और विनिर्माण	26
8.	मृदु कौशल	28
9.	उच्चस्तरीय विनिर्माण तकनीक	21
10.	टोटल स्टेशन और जीपीएस का उपयोग करते हुए आधुनिक सर्वेक्षण	15
11.	शिक्षुकों के लिए शैक्षिक प्रोद्योगिकी उपकरण	17
12.	पर्यावरणीय इंजीनियरिंग प्रयोगाशाला अभ्यास-एक्साइट कार्यक्रम (सिविल इंजीनियरिंग शिक्षण में उत्कृष्टता)	17
13.	सिविल इंजीनियरिंग में मुक्त एवं विवृत्त प्रक्रिया सामग्री	15
14.	विशेष मशीन और वैद्युत मोटर नियंत्रण	21
15.	मल्टीमीडिया विकास अधिगम	29
16.	द्रव इंजीनियरी और वातिल इंजीनियरी	19
17.	कम्प्यूटर सहाय विनिर्माण और माप विज्ञान	23
18.	निर्माण तकनीक और प्रबंधन	17
19.	अनुसंधान प्रणाली विज्ञान	37
20.	कोर जावा के लिए ई-कन्टेन्ट विकास	18
21.	नए भर्ती शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	37
22.	अनौपचारिक ऊर्जा स्रोत	23
23.	ओआरसीएडी का उपयोग करते हुए पीएसपीआईसीई में योजनाबद्ध एवं अनुकृति	32
24.	अनुदेशात्मक आलेखीय अभिकल्पना	29
25.	सिविल और वास्तुकला शाखा के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो निर्माण कार्यशाला	15
26.	संरचनाओं की मरम्मत और नवीयन	24
27.	वेल्डन और विनिर्माण में प्रगति	21
28.	एनईटी के ढाँचे का उपयोग करते हुए वेब पोर्टल अभिकल्पना	24
29.	वैद्युत एवं इलेक्ट्रानिक कार्यशाला अभ्यास	24
30.	सिविल इंजीनियरिंग में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	15
31.	एआरएम नियंत्रक एलपीसी 2148 और उसका अंतरापृष्ठन	32
32.	शिक्षण-भूतकनीकी इंजीनियरिंग (एक्साइट कार्यक्रम)	17

क्रम.सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
33.	तापन वातायन और वातानुकूलन	32
34.	उद्योग में टीक्यूएम प्रणाली	16
35.	पीएलसी और स्कडा	20
36.	ई-कन्टेन्ट के लिए मूल्यांकन मदों की तैयारी	22
37.	अनुदेशात्मक अभिकल्पना और सुफर्दगी पद्धति	17
38.	उद्योग में टीक्यूएम प्रणाली	16
39.	उद्योग में टीक्यूएम प्रणाली (ए-दृश्यरीति)	46
40.	मार्गदर्शन एवं प्ररामर्श	29
41.	भूकंप रोधी संरचना की अभिकल्पना	23
42.	पवन एवं सौर ऊर्जा अनुप्रयोग में वैद्युत और इलेक्ट्रानिक, पद्धति	22
43.	ऑन लाइन पाठ्यक्रमों के लिए अनुदेशात्मक कार्यनीति	23
44.	फ्लिप्ड़ कक्षा को समझना	5
45.	प्रबंधन पद्धतियॉ सीखना	10
46.	पौद्या घर संकल्पना और स्थायी विकास	22
47.	एआरएम नियंत्रक एलपीसी 2148 और उसका अंतरापृष्ठन	21
48.	शैक्षिक सामाजिक मीडिया	16
49.	रेफ्रिजरेशन	14
50.	रेफ्रिजरेशन और वातानुकूलन	22
51.	स्थायी विकास के लिए शिक्षा	12
52.	यांत्रिक एवं संबद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो उत्पादन कार्यशाला	13
53.	वेब साइट अभिकल्पना और परिनियोजन	12
54.	ई-कन्टेन्ट के लिए मूल्यांकन मद तैयार करना	18
55.	प्रबंधन पद्धति सीखना	14
56.	पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन	14
57.	8051 सूक्ष्म नियंत्रक और उसका अतरापृष्ठन	18
58.	उष्मा उपचार और वेल्डन में प्रगति	13
59.	तकनीकी शिक्षा में लिंग समस्या	13
60.	अनुदेशात्मक श्रव्य दृश्य अभिकल्पना	16
61.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला (वाणिज्यिक रीति, अनुप्रयुक्त विज्ञान, अनुप्रयुक्त गणित, अंग्रेजी और संबद्ध शाखएँ)	38
62.	कंप्यूटर सहाय अभिकल्पना और निर्माण	12
63.	ठोस कचरा प्रबंधन	14
64.	ई-कन्टेन्ट प्रकाशन	12
65.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला (कम्प्यूटर विज्ञान, वैद्युत और इलेक्ट्रानिक और संबद्ध शाखाएँ)	27

क्रम.सं.	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
66.	नए भर्ती हुए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	54
67.	अपारंपरिक मशीन और अविनाशक परीक्षण	22
68.	परियोजना प्रबंधन में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	21
69.	औद्योगिक मापयंत्रण और स्वचालन	29
70.	ई-लर्निंग प्रोद्योगिकी में विकासशील प्रवृत्तियॉ	12
71.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला (मुद्रण और संबद्ध शाखाएँ)	19
72.	नानो प्रोद्योगिकी और अनुप्रयोग	21
73.	स्वास्थ्य एवं व्यायाम शिक्षा	28
74.	शिक्षकों के लिए आईसीटी उपकरण	17
75.	ऊर्जा स्रोत प्रबंधन	19
76.	रेविट वास्तुकला का उपयोग करते हुए भवन निर्माण सूचना निदर्शन	15
77.	अंत:स्थापित तंत्र	25
78.	कम्प्यूटर विज्ञान और संबद्ध शाखाओं के शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीडियो फिल्म निर्माण कार्यशाला	18
79.	परिपथ और मापन प्रयोगशाला पद्धति	29
80.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला (यांत्रिक और संबद्ध शाखाओं और कनिष्ठ तकनीकी स्कूलों के लिए)	40
81.	नए भर्ती हुए शिक्षकों के लिए परिचय कार्यक्रम	52
82.	संचार कौशल	34
83.	औद्योगिक स्वचालन के लिए रोबोटिक्स और मेकाट्रॉनिक्स	14
84.	संरचनात्मक इंजीनियरिंग में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	13
85.	जल गुणवत्ता आंकड़ा विश्लेषण और व्याख्या	5
86.	सामरिक योजना और संस्थागत विकास	11
87.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण के लिए कार्यशाला (इलेक्ट्रॉनिक्स और संबद्ध शाखाओं के लिए)	25
88.	नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोग	22
89.	या.मा. 800-2007 के अनुसार इस्पात संरचना की सीमा स्थिति अभिकल्पना	15
90.	परिपथ शाखा शिक्षकों के लिए शैक्षिक वीड़ियो फिल्म निर्माण कार्यशाला	17
91.	आरसी संरचनाओं की सीमा स्थिति अभिकल्पना	13
92.	पाठ्यचर्या पुनरीक्षण कार्यशाला (सिविल एवं संबद्ध शाखाओं के लिए)	24
93.	ऊष्मीय विद्युत इंजीनियरिंग	5
	Total	1982

आ) इंजीनियरिंग कालेज कार्यक्रम

इस संस्थान ने इंजिनीयरिंग कॉलेज के शिक्षकों के प्रशिक्षण द्वारा इंजीनीयरिंग कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि के लिए अपने क्रिया कलापों को केंद्रित किया। इस योजना के अंतर्गत **12** लघु अवधि पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कुल **573** प्रतिभागियों ने (पुरुष: 379, स्त्री: 326) भाग लिया। इस शिक्षा वर्ष में कार्यक्रम की प्रभावान्मकता को मापने के लिए ऑनलाइन मूल्यांकन भी प्रारंभ किया गया है।

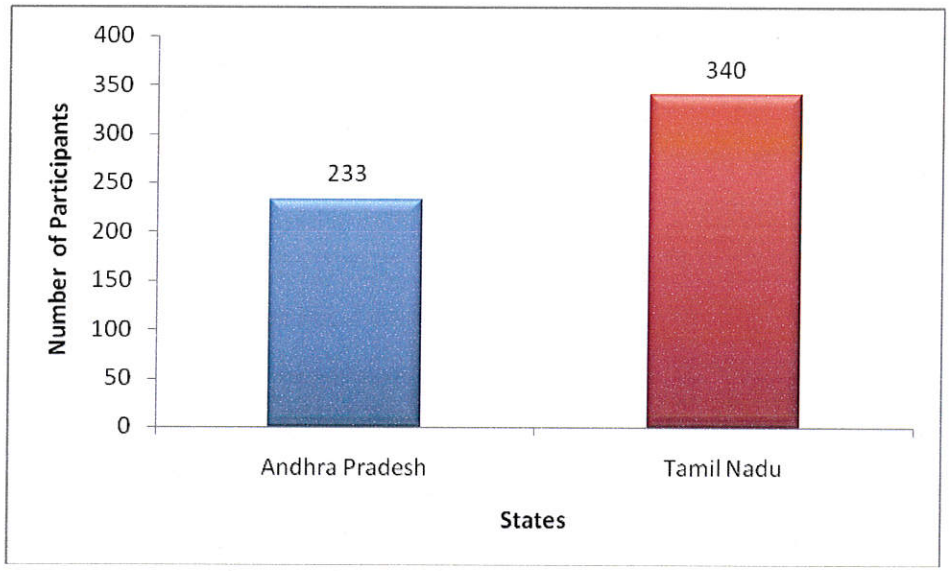

इस प्रकार आज की तारीख तक पिछले चौदह वर्षों के दौरान **581** पाठ्यक्रमों के माध्यम से **23,067** शिक्षक प्रशिक्षित हुए।

सारणी 6: इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नामांकन - 2014-15

क्रं.सं.	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
अनुदेशात्मक अभिकल्प और सुपुर्दगी प्रणाली (आई डी डी एस)		
1	श्री वासवी इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी संस्थान, मछलीपट्टनम	50
2	जेबी इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी संस्थान, आँध्र प्रदेश	50
3	प्रियदर्शिनी इंजीनियरिंग कालेज, वाणियम्बाड़ी	51
4	मदनपल्ली प्रोद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, मदनपल्ली	33
5	केसीजी प्रोद्योगिकी कालेज, चेन्नई	40
6	आरवीएस इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी कॉलेज, कोयंबत्तूर	55
7	विशाखा इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी कॉलेज, विशाखपट्टनम	46
8	एसएनएस इंजीनियरिंग कालेज, कोयंबत्तूर	55
9	जी पुल्ला रेड्डि इंजीनियरिंग कालेज, कर्नूल	54

क्रं.सं.	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
10	गणादिपथी तुलसी जैन इंजीनियरिंग कालेज, वेललूर, त.ना.	34
11	एमएनएम जैन कालेज, चेन्नई	55
शिक्षण प्रणाली विज्ञान		
12	श्री शास्ता इंजीनियिरंग प्रोद्योगिकी संस्थान, चेन्नई	50
	कुल	573

4.3 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ / संचालित कार्यशालाएँ

इस वर्ष के दौरान कुल पंद्रह संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ चलाई गई। इंजीनियरिंग कालेजों, पॉलिटेकनिक कालेजों, उद्योगों, सरकारी विभागों और पेशेवरों में से 1254 व्यक्तियों ने इनमें भाग लिया। प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

अ) अतिरिक्त शिक्षा नेतृत्व विकास कार्यक्रम पर यूकेआईईआरआई-एआईसीटीई

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चेन्नई अतिरिक्त शिक्षा यूकेआईईआरआई एआईसीटीई शिक्षा नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए वितारण भागीदार के रूप में काम करता था। इस कार्यक्रम में तकनीकी और व्यावसायिक संस्थाओं के नेतृत्व और प्रबंधन में प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों को पहचानने और छानबीन की दिशा में ध्यान दिया गया और प्रभावी नेतृत्व और प्रबंधन तकनीक के अनुप्रयोग और विभागीय और संस्थागत निष्पादन को परखा गया। इस प्रशिक्षण प्रमुख अधिगम लक्ष्य विभाग के लक्ष्य और वैश्विक मानक को प्रयोजनमूलक एवं इकाई दोनों स्तर को प्राप्त करने हेतु अग्रलक्षी अनुक्रिया के प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना था। इस कार्यक्रम के अधीन चार कार्यशालाएँ चलाई गई।

कोहार्ट - 1	
कार्यशाला – 1	एप्रैल, 28-30, 2014
कार्यशाला – 2	जून, 02-04, 2014
कार्यशाला - 3	दिसंबर, 01-03, 2014
कोहार्ट -2	
कार्यशाला – 1	दिसंबर, 03-05, 2014

प्रथम कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. अल्लम अप्पाराव, अध्यक्ष, शासक मंडल, रातशिप्रअसं., चेन्नई ने किया। उद्घाटन समारोह में भाषण देते हुए श्री कुमार जयंत भा.प्र.से., आयुक्त, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, तमिलनाडु सरकार ने 55% अनुत्तीर्णता प्रतिशत वाले चालू पॉलिटेकनीक से निम्नस्तर के उत्पादन का जिक्र किया। उन्होंने इस प्रकार के विकास कौशल कार्यक्रमों की आवश्यकता का समर्थन किया जिनका लक्ष्य अधिक जनतंत्रीकरण और कार्यगत प्रशिक्षण प्रदान करना हो। उद्घाटन समारोह में डॉ. के.पी.आइसक, सदस्य-सचिव एआईसीटीई ने कार्यक्रम का फिर से समर्थन किया और

व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में जो प्रभाव यह डाल सकता है उसको उजागर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति अध्ययन नमूनों, सुविधा प्रदत्त समूह चर्चा, सहभागी पथ प्रदर्शित पूर्ण प्रतिपुष्टि और नेतृत्व एवं प्रबंध प्रत्यायन अवसरों के समावेश से यह कार्यक्रम ठोस लाभ प्राप्त करेगा डड्ली कालेज, ब्रिटन के प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित यह प्रशिक्षण एआईसीटीई और यूकेआईईआरआई से संयुक्त रूप से निधि प्राप्त व्यापक नेतृत्व विकास कार्यक्रम का एक अंश है। इस कार्यक्रम में मुखोन्मुख प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, अनन्य एलएलएस सहित ऑनलाइन संसाथन विकास शामिल है। पूरे समारोह में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित और सशक्त किया गया कि वे प्रशिक्षण को अपनी ही संस्था के संदर्भ में देखें और उनके मूल्यांकन क्रियाकलाप उनके संगठन के भीतर अपने ही कौशल के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर आधारित हों।

आ) शिक्षण में एनएमईआईसीटी उत्पाद के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चेन्नई ने शिक्षण में एनएमईआईसीटी उत्पाद के प्रभावी उपयोग पर पाँच कार्यशालाएँ चलाई। दक्षिण राज्यों वे पाल्टिेकनीकों और इंजीनियरिंग के शिक्षकों के लिए कुल पाँच कार्यशालाएँ चलाई गई। प्रथम कार्यशाला जुलाई 7 और 8, 2014 को तमिलनाडु और पुदुचेरी राज्यों के लिए, दूसरी कार्यशाला जुलाई 24 और 25, 2014 को कर्नाटक राज्य के लिए, तीसरी कार्यशाला अगस्त 14, 2014 को पुदुच्चेरी के पालिटेकनीक शिक्षकों के लिए, चौथी कार्यशाला अगस्त 14, 2014 को पुदुच्चेरी राज्य के इंजीनियरिंग कालेज के संकाय सदस्यों के लिए और पाँचवीं कार्यशाला सितंबर 25 और 26, 2014 को केरल के पालिटेकनीक शिक्षको के लिए चलाई गई।

एनएमईआईसीटी संवेदीकरण से संबंधित इन पाँच कार्यशालाओं में कुल 346 संकाय सदस्य प्रशिक्षत हुए जिनमें पालिटेकनीक और इंजीनियरिंग संस्थाओं के 54 प्रधानाचार्य शामिल है। सर्व श्री प्रवीण प्रकाश, सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रलाय, डॉ. एस. मोहन, निदेशक, रा.त.शि.प्र.अ.सं., कु.श्यामा, बोलचाल अनुशिक्षण, प्रो.मंगल सुंदर, एनपीटीईएल और प्रो.कवि आर्या, ई-यंत्र परियोजना, प्रो.कमल बिजलानी, अमृता विश्वविद्यालय ने कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति थे।

इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को एनएमसीईआईसीटी के उत्पादों की उपलब्धता के संबंध में अंतदृष्टि प्रदान की। हर एक ने यह उत्सुकता प्रकट की कि वे अपने कक्षा प्रशिक्षण में इस का उपयोग करके इसे आगे बढ़ाएँगे।

इ) जेन्डर समानता के प्रोत्साहन में इंजीनियरिंग शिक्षा की भूमिका

जेन्डर समानता के प्रोत्साहन में इंजीनियरिंग शिक्षा की भूमिका पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई ने श्री रामकृष्णा इंजीनियरिंग कालेज, कोयंबत्तूर के सहयोग से 4 सितंबर, 2014 को एक अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई। संगोष्ठी के स्थूल उद्देश्य थे (i) इंजीनियरिंग शिक्षा में जेन्डर मेन्स्ट्रीमिंग पद्धति को समझना (ii) जेन्डार समानता के प्रोत्साहन में पेश आनेवाली

समस्याएँ और मार्ग। विभिन्न देशों से 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया यथा मॉरीशस, केन्या, घाना, तंजानिया, श्रीलंका और जिम्बाब्वे और साथ ही भारतीय प्रतिनिधि। (1) डॉ. लक्ष्मी प्रभा, प्रधानाचार्य, गवर्नमेण्ट कालेज आफ टेकनोलोजी, कोयंबत्तूर, (2) डॉ. एस. रेणुकादेवी, प्रो. और अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, रातशिप्रअसं, चेन्नई, (3) श्री विल्लियम निजियोकी कामु, वरिष्ठ अर्थशास्त्री, अंतरण एवं योजना, जेन्डर निदेशालय, नाइरोबी, केन्या, (4) डॉ. के. चित्रा, निदेशक, प्रबंध अध्ययन, श्री रामकृष्ण इंजीनियरिंग कालेज, कोयंबत्तूर, (5) श्री मोहम्मद वालिद अल जसीम सैराली और श्रीमती अरुणा घुनोवा, जेन्डर समानता, शिशु विकास और परिवार कल्याण मंत्रालय, मॉरीशस, (6) श्रीमती दिव्या सीतापति, प्रबंधक, आईएमएफएम, प्रिसिशन विनिर्माण सुविधा, भारी इंजीनियरिंग आई सी, लार्सन और टूब्रो, कोयंबत्तूर, (7) डॉ. एस. मरगदम, डीन, इंजीनियरिंग संका, अविनाशीलिंगम इन्स्टिट्यूट आफ होम साइन्स और हैयर एज्युकेशन फॉर विमन यूनिवर्सिटी, कोयंबत्तूर और (8) श्रीमती रोसमेरी विल्फ्रेड ओगोनडिक, मिगोम्बानी सेकण्डरी स्कूल, तंजानिया ने संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी से प्रतिभागी जेन्डर मेनस्ट्रीमिंग को समझ सके और आशा की जाती है कि श्री रामकृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, कोयंबत्तूर में जेन्डर मेनस्ट्रीमिंग में सुधार लाएँगे।

ई) ज्ञानार्जन और विभाजन में आईसीटी-पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चेन्नई ने पी.ए. इंजीनियरिंग और प्रोद्योगिकी कालेज, पोल्लाच्ची के सहयोग से 17 सितंबर, 2014 को ज्ञानार्जन और विभाजन मं आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चलाई। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का स्थूल उद्देश्य था (अ) सभी स्तरों के ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा; (आ) आईसीटी के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता

सुधारना; (इ) आईसीटी का उपयोग करते हुए जीवनपर्यन्त अभिगम बढ़ाना; (इ) आईसीटी आधारित शिक्षप और अभिगम पद्धति विकसित करना। आईसीटी क्षेत्र में काम करनेवाले प्रतिष्ठित वक्ताओं को अपने अपने विशेष अभिरुचि क्षेत्र में भाषण देने के लिए आमंत्रित किए गाए। लगभग 80 प्रतिभागियों ने जिनमें 23 विदेशी प्रतिभागी शामिल हैं भाग लिया यथा तंजानिया, भूटान, जिम्बाब्वे, मॉरीशस, फिजी द्वीप समूह, सूडान और बांग्लादेश और राष्ट्रीय स्तर के 57 प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया।

उ) भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करते हुए सुव्यवस्थित (स्मार्ट) नगर योजना पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करते हुए सुव्यवस्थित नगर योजना पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा पीएसएनए इंजीनियरिंग कालेज, नामक्कल के सहयोग से 10 दिसंबर, 2014 को पीएसएनए इंजीनियरिंग कालेज में चलाई गई। संगोष्ठी के उद्देश्य थे:

I. सुव्यवस्थित नगर योजना के महत्व को समझना
II. सुव्यवस्थित ऊर्जा, सुव्यवस्थित पर्यावरण, सुव्यवस्थित भवन, सुव्यवस्थित परिवहन, सुव्यवस्थित नगर योजना के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करना।
III. ग्रामीण योजना और प्रबंध में एससीपी लागू करना।

सुव्यवस्थित नगर एक विकसित ग्रामीण क्षेत्र है जो मानवीय पूँजी, सामाजिक पूँजी और आइसीटी आंतरिक संरचना के विकास के द्वारा पर्यावरण, जनता का जीवन स्तर, गतिशीलता एवं अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करके स्थायी आर्थिक विकास और उच्च जीवन दशा का सृजन करता है। स्थानिक सूचना प्रोद्योगिकी, बेतार जालक्रम, वेब और मोबाइल अनुप्रयोग जैसे प्रोद्योगिकी के प्रयोग से सुव्यवस्थित नगर साकार हो रहे है। कुल 70 प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

संगोष्ठी में चर्चा के विषय थे:

I. सुव्यवस्थित नगर योजना में सुदूर संवेदन जीपीएस, जीआईएस और सुव्यवस्थित प्रतिबिम्ब प्रक्रमण
II. सुव्यवस्थित भवन और पर्यावरण
III. एससीपी के लिए सुव्यवस्थित ऊर्जा
IV. सुव्यवस्थित नगर योजना में जल, अपशिष्ट जल और मलक जल प्रबंध
V. सुव्यवस्थित नगर योजना के लिए आपदा प्रबंध

ऊ) लाटेक्स प्रक्रिया सामग्री बोलचाल अनुशिक्षण

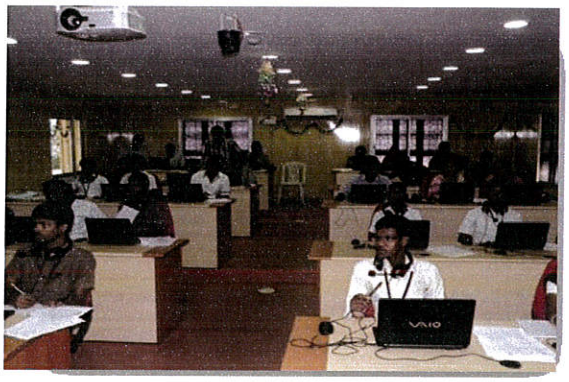

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और बोलचाल अनुशिक्षण, आईआईटी मुंबई ने लाटेक्स प्रक्रिया सामग्री पर 15 नवंबर 2014 को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई जिसका उद्देश्य संकाय सदस्यों का संचार और वैज्ञानिक प्रलेखों के संचार एवं प्रकाशन के लिए विवृत स्रोत प्रक्रिया सामग्री सं, सशक्त करना था। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था (अ) लाटेक्स का बोलचाल अनुशिक्षण से सीखना, (आ) लाटेक्स का उपयोग करते हुए अपनी ही प्रस्तुति और प्रस्तुति तैयार करना, (इ) गणितीय और रासाथनिक समीकरण का सृजन करना, (ई) कक्षा अध्यापन में प्रोद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहन देना। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आईआईटी मुंबई के बोलचाल अनुशिक्षण टीम के सहयोग से आइसीटी, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन के अंश के रूपमें संचालित किया गया। लाटेक्स एक प्रकार का टंकण उपकरण है जिसका उपयोग किसी भी क्षेत्र के वैज्ञानिक प्रलेखों के संचार एवं प्रकाशन के लिए किया जाता है। इसका शिक्षा क्षेत्र में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और रसका उपयोग एक मात्र प्रलेख तैयारी प्रणाली के रूप में किया जा सकता है। लाटेक्स की पुस्तकों और लेखों की तैयारी और प्रकाशन में, जिसमें जटिल बहुभाषीय विषय या गणितीय सूत्र या दोनों हों, मुख्य भूमिका है।

कुल 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें मालिटेकनीक और इंजीनियरिंग संस्थाओं के संकाय सदस्य और छात्र थे।

ऋ) सुव्यवस्थित नगर और स्थायी विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

सुव्यवस्थित नगर और स्थायी, विकास पर एक संगोष्ठी राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा पेरियार मणियम्मै विश्वविद्यालय, वल्लम, तंजऊर के साथ पेरियार मणियम्मै विश्वविद्यालय, वल्लम, तंजाऊर में 8 और 9 जनवरी 2015 को चलाई गई।

सुव्यवस्थित नगार का प्रतिरुप ऊर्जा, जल पर्यावरण सूचना और संचार प्रोद्योगिकी और परिवहन सहित संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं में सहयोग के लिए अवसर और चुनौतियाँ प्रदान करता है। सुव्यवस्थित नगार का मुख्य लक्षण धारणीयता है। सुव्यवस्थित नगर में यह क्षमता होनी चाहिए कि वह जल

स्वच्छता विश्वसनीय उपयोगिता परक सेवाएँ, स्वास्थ्य की देखरेख आकर्षित कर सके, पारदर्शी

प्रक्रियाएँ जो वाणिज्यिक कार्यकलाप सुगम कर सके, अनुमोदन प्राप्त करने के लिए सरल और ऑन लाइन प्रक्रियाएँ, नागरिकों की सुरक्षा और खुशी के लिए नागरिक केंद्रित सेवाएँ प्रदान कर सकें। त्वरित शहरीकरण की सुविधा के लिए सरकार ने देश में 100 नए सुव्यवस्थित शहरों के निर्माण की संकल्पना की है। सरकार आशा करती है कि सुव्यवस्थित नगरों में बेहतर सुविधाएँ, बेहतर संयोजकता और बेहतर पर्यावरण होगा। भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2014-15 में 100 नए सुव्यवस्थित नगर और वर्तमान शहरों के अनुषंगी नगर बनाने के लिए 1.2 बिलियन US$ नियत किए है।संगोष्ठी में प्रतिष्ठित विद्वानों के भाषण हुए जिन्होंने धारणीय विकास और सुव्यवस्थित नगर योजना के क्षेत्र में काम किया है। कुल 152 प्रतिभागियों ने जिनमें विभिन्न देशों के 17 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल है चर्चा में भाग लिया और धारणीय विश्व के निर्माण पर विचार व्यक्त किए यथा: मिस्र,तंजानिया,मेडागास्कर,सूडान,जोर्डान,अल्जीरिया,भूटान,म्यांमार,पेरू,दक्षिण आफ्रिका, लाओस आदि।

ए) जल और धारणीय विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्व जल दिवस की स्मृति में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और पेरियार मणियम्मै विश्वविद्यालय, वल्लम, तंजाऊर ने संयुक्त रूप से 23 और 24 मार्च, 2015 को पेरियार मणियम्मै विश्वविद्यालय, वल्लम, तंजाऊर में जल और धारणीय विकास पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य थे:

i. जल और धारणीय विकास से जुड़ी चुनौतियों को उजागर करना और इन चुनौतियों का सामना करने के लिए समनुगत योजना अपनाना और विकसित करना

ii. जल और धारणीय विकास प्रतिरूप बनाना और संबंधित प्रोद्योगियों और समाधानों का संवर्धन करना और जिसका उद्देश्य और पर्यावरण पर विशेष ध्यान देना है

iii. जल और धारणीय विकास पर विशेष ध्यान देते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख संस्थाओं और विशेषज्ञों से चर्चा का प्रोत्साहन करना ताकि सहयोग के सामान्य क्षेत्रों का अभिज्ञान और कार्य क्षेत्रों का संवर्धन हो सके

और जल संसाधन इंजीनियरिंग और प्रबंध क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख वक्ताओं के के भाषण शामिल थे। विभिन्न देशों के 19 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित कुल 160 प्रतिभागियों ने चर्चा में भाग लिया यथा बांग्लादेश, कोलम्बिया, ईथोपिया, फिजी, लिथुआनिया, मेडागास्कर, मास्को-एसटीपी, थाइलैण्ड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, मॉरीशस,नाईजीरिया, तंजानिया, जाम्बिया आदि।

5.0 पाठ्यचर्या विकास

संस्थान का पाठ्यचर्या विकास केंद्र विस्तार शील भारतीय अर्थ व्यवस्था की सतत परिवर्तनशील तकनीकी मानव संसाधनों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पालिटेकनीकों के नए कार्यक्रमों के लिए वर्तमान कार्यक्रमों कर पुनरीक्षण और नए कार्यक्रमों के विकास के लिए सन 1970 में स्थापित हुआ। इस उद्देश्य के साथ-साथ संस्थान ने पाठ्यचर्या विकास प्रतिरुप तैयार किया है जिसमें तकनीशियन दक्षता का ध्यान में रखते हुए तकनीशियन प्रोफाइल को विकसित करने के लिए पाठ्यचर्या विकसित करना जिसमें कार्य विश्लेषण शामिल है। उसका लक्ष्य अधिगम परिणाम को सूत्रबद्ध करना है जो ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति को प्रतिबिंबित करे, विषय वस्तु को एकत्रित और अनुक्रमित करे और समुचित मूल्यांकन योजना की अभिकल्पना करे। पाठ्यचर्या की प्रासंगिकता और समुचितता पाठ्यचर्या विकास की प्रत्येक अवस्था में पालिटेकनीक के शिक्षकों, औद्योगिक प्रतिनिधियों और उच्च शिक्षा संस्थानों के संकायों को मनोयोग से सुनिश्चित हो जाती है। वर्ष 2014-15 के दौरान केरल राज्य के डिप्लोमा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या के विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। 250 पाठ्यक्रमवाले 35 कार्यक्रमों की पाठ्यचर्या का कर्नाटक राज्य के पालिटेकनीक कालेजों के लिए पुनरीक्षण किया गया।

6.0 अनुदेशात्मक सामग्री विकास

वर्ष 2014-15, में विभिन्न इंजिनीयरिंग विषयों, शिक्षा शास्त्र तथा प्रबंधन की 28 पाठ्यक्रम सामग्रियों को तकनीकी संस्थान के शिक्षकों के उपयोग के लिए संस्थान ने अद्यतन बनाया।

7.0 अनुदेशात्मक मीडिया विकास

वीडियो कार्यक्रम

इस संस्थान ने इन वर्षों में तकनीकी शिक्षा तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक वीडियो कार्यक्रम उत्पन्न करने के लिए बढ़िया सुविधाएँ विकसित की हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के इस कार्यक्रम के दौरान कुल 18 वीडियो कार्यक्रमों का उत्पादन तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के लिए किया गया।

8.0 अनुसंधान तथा विकास और विस्तार एवं परामर्श सेवाओं से संबंधित परियोजनाएँ

वर्ष 2014-15 के दौरान विविध एजेन्सियों से प्रवर्तित 7 परियोजना कार्यक्रमों को संस्था के संकाय ने पूर्ण किया जो निम्न प्रकार है:

सारणी 7: चालू अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का विवरण

क्रं. सं.	परियोजना का शीर्षक	प्रवर्तक अभिकरण	समन्वयक / सदस्य	आबंटित निधि
i.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का एकीकरण करके तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के मुख्य क्षेत्र में लाना	मा सं वि मं	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. रेणुका देवी	2700000
ii.	प्रोद्योगिकी के औद्योगिक रूप से संगत राष्ट्रीय संकाय विकास केंद्र	एआईसीटीई	डॉ. एस. मोहन डॉ. एस. धनपाल	2000000
iii.	नगर पलिका ठोस कचडों के खुले क्षेपण स्थल के प्रबंधन के लिए पर्यावरणीय के रूप से ठोस प्रोद्योगिकी का प्रदर्शन और नियंत्रित भू भराव की ओर पारगमन	टी एन पी सी बी	डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	716950
iv.	अत्तिप्पट्टु साइट के लिए टोटल स्टेशन और जी पी एस का उपयोग करते हुए आयतन का अभिकलप	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	146068
v.	तमिलनाडु सड़क क्षेत्रक परियोजना प्रशिक्षण कार्यक्रम	टी एन आर एस पी राजमार्ग, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	2372000
vi.	फेस II और फेस III भूयरण के डिजाइन की जाँच और निगरानी	टी एन डब्ल्यू एम एल चेन्नई	डॉ. जी. जर्नादनन	800000
vii.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण जैव मापक आइडेन्टिटी कैप्चर स्लम एमआईएस स्थलाकृतिक सर्वेक्षण, आरएवाई के तहत तिरुनेलवेली में चार नगरों में जीआईएस आधारित स्लम मानचित्रण।	टी एन एस सी बी, चेन्नई	डॉ. एस. मोहन डॉ. जी. जर्नादनन इं. के.एस.ए. दिनेश कुमार	2600000
			कुल	11335018

9.0 राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम

मूलाधार

भारत की अर्थ व्यवस्था के अखंड विकास के लिए अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कुशल श्रमिक बल की आवश्यकता है। जिसमें विनिर्माण, निर्माण और सेवा सम्मिलित है। अर्थ व्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में कौशल की कमी स्पष्ट है। राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन का लक्ष्य प्रशिक्षित और कुशल श्रमिकबल का सृजन करना है जो अन्य क्षीयमाण अर्थ व्यवस्था में कौशल की कमी की पूर्ति के लिए अधिक व्यवस्था के साथ तेज विकसित अर्थ व्यवस्था की घरेलू आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त हो ताकि भारत अपने प्रतियोगी लाभ का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सके और जन संख्यीय वृद्धि को काम में ला सके।

भारत सरकार के पास प्रति वर्ष 10 मिलियन युवकों को कौशल प्रशिक्षण देने की महत्वाकांक्षी योजनाएँ है और विस्तृत सर्वेक्षण और प्राथमिकताकरण प्रक्रिया के जरिए 21 प्राथमिकता के क्षेत्र का चयन किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रलाय ने विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थाओं को समाविष्ट करते हुए कौशल विकास प्रदान करे की प्रमुख भूमिका निभाने का भार उठाया है।

भारत में 15 और 35 वर्ष की आयु के बीच 350 मिलियन से अधिक युवक हैं। वर्तमान में भारत के पास केवल लगभग 2% युवकों को औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण और 8% को अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की क्षमता है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पहल के रुप में संस्थान ने राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के रुप में निम्नलिखित कार्यकलाप हाथ में लिए हैं।

- उद्योग और प्रशिक्षण संस्थानो के विशेषज्ञों की राय लेते हुए पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण माड्यूल का विकास करना।
- अभिज्ञात मास्टर ट्रेनरों के लिए प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का अत्याधुनिक उपकरणों सहित का प्रयास करना।
- एन वी ई क्यू एफ अनुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यचर्या और अनुदेशात्मक सामग्री प्रदान करना।
- डिप्लोमा या प्रमाण पत्र प्रदान करनेवाले प्रशिक्षण मॉड्यूलों के लिए श्रेय संचयन योजना हेतु व्यूह तैयार करना।

प्रथम चरण के रूप में प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अभिज्ञान और प्राथमिकताकरण का ट्रेड जिनके लिए पाठ्यचर्या तैयार करने का प्रक्रम पूरा कर लिया गया है।

निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों में कुल 76 ट्रेडों के लिए पाठ्यचर्या तैयार कर ली गई है:

क्षेत्रों के नाम

i) वस्त्र और पहनावा
ii) स्वास्थ्य रक्षक सेवा क्षेत्र
iii) इलेक्ट्रानिक्स और सू.प्रो. यंत्र सामग्री
iv) चर्म और चर्म के माल
v) आटो / आटो ऐन्सिलरी क्षेत्र

10.0 पालिटेकनिक के जरिए समुदाय विकास योजना

प्रत्यक्ष केंद्रीय सहायता योजना के रूप में मा.सं.वि.मं. भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित पालिटेक्नीक के जरिए समुदाय विकास (सीडीटीपी) योजना फरवरी 2009 से दक्षिण क्षेत्र में 190 पालिटेकनिकों में कार्यान्वित की जा रही है।

सीडीटीपी योजना का प्रत्येक राज्य में कार्यान्वयन करनेवाले पालिटेकनिकों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है:

आँध्रप्रदेश	तेलंघाना	कर्नाटक	केरल	तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	योग
28	19	55	31	56	1	190

योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवकों स्कूल छोड़े छात्रों, गरीबों और दलितों का उत्थान करना आदि था।

कार्यकलाप:

योजनाधीन कार्यकलापों के प्रमुख क्षेत्र है:

- आवश्यकता मूल्यांकन
- कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- समुचित तकनीकों का प्रसार और प्रयोग
- तकनीकी और सहायक सेवाएँ
- अभिज्ञा कार्यक्रम

रा त शि प्र अ सं की भूमिका

अपने अपने क्षेत्रों में योजना के कार्यान्वयन से संबंधित परियोजना कार्मिकों को सक्षम बनाने के लिए संस्थान का धारणीय विकास केंद्र (सी एस डी) संसाधन केंद्र के रुप में सेवा करता है। वह अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम, राज्यवार कार्यशालाएँ, योजना की वार्षिक संवीक्षएँ और विषय से संबंधित लघु पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाता है। इसके अलावा सीएसडी, विभिन्न प्रगति रिपोर्टो और व्यय से संबंधित मामलों की जाँच और तैयारी में मा.सं.वि.मं. की सहायता करता है।

वर्ष 2014-15 के दौरान दक्षिण क्षेत्र में पालिटेकनीक द्वारा प्रस्तुत सीडीटीपी के प्रचालन योजना के प्रस्तावों की जाँच की गई और अनुमोदित की गई। वर्ष 2013-14 के लिए पालिटेकनीक द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाणपत्र (UC's) लेखा विवरण (SOA's) और वस्तुगत उपलब्धि रिपोर्ट (PAR) की जाँच की गई और मंत्रालय को भेजी गई।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2013-14 के लिए क्षेत्र के प्रत्येक पालिटेकनीक की व्यय रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई और मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

2014-15 के दौरान कर्नाटक तमिलनाडु और केरल के केंद्रक अधिकारियों की कौशल विकास कार्यकलापों के आधार पर प्राप्त सफलता की रिपोर्ट तैयार करने के लिए पृथक रूप से बैठक बुलाई गई। कुल चौवन व्यक्ति बैठकों में उपस्थित रहे। पालिटेकनीक कालेजों द्वारा तैयार की गई सफलता की रिपोर्ट में सीडीटीपी के अधीन कौशल विकास प्रशिक्षण, प्रोद्योगिकी अंतरण और तकनीकी सेवाँओं कार्यकलाप निहित हैं। जिन्होंने स्वनियोजन नवोद्यम, प्रारंभ किए हैं, जिनको समुद्दमों मे नौकरी मिली है और जिन्हें विदेशों में नौकरी लगी है वे सब इस कार्यक्रम में शामिल किए जाएँगे।

11.0 अपंग व्यक्तियों को तकनीकी और व्यावसायिक मुख्य धारा में एकीकृत करना

अशक्त व्यक्ति अधिनियम - 1995 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारत सरकार ने अशक्त व्यक्तियों को एकीकृत करके मुख्य धारा की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा में लाने के निमित्त चयनित पॉलिटेकनीक के कोटि उन्नयनार्थ केंद्रित रूप से प्रवर्तित योजना को लागू किया है।

योजना के उद्देश्य

- अशक्त व्यक्तियों को मुख्य तकनीकी, व्यवसायिक शिक्षा और कार्यकुशलता के विकास कार्यक्रम में लाने के लिए विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा एवं कार्यक्रमों का आयोजन।
- पॉलिटेकनीक के उपयुक्त भौगोलिक कैचमेन्ट में पी डब्ल्यूडी की पहचान करना।
- अशक्त अशिक्षित युवको के लिए अनौपचारिक कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष बल देते हुए अशक्त व्यक्तियों के योग्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहचान करना ताकि उनको ज्यादा मजदूरी मिल सके अथवा यथासंभव अपने ही यहॉ या निवास स्थान पर स्वनियोजन का अवसर मिले।
- अशक्त व्यक्तियों की योग्यता के अनुरूप आवश्यकता और सक्षमता आधारित पाठ्यचर्या तैयार करना।
- कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उचित संसाधनों की तैयारी करना/प्राप्त करना/विकसित करना जिसमें भौतिक, मानवीय और अनौपचारिक स्रोत शामिल है।
- आवश्यकतानुसार योजना के विभिन्न चरणों के लिए प्रतिमान और मानदंड का विकास करना।
- स्त्रोत संस्थानों और अन्य संगठनों से नेट वर्किंग व सहयोग प्राप्त करना और जन शक्ति प्रशिक्षण उचित मार्गदर्शन और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उनकी सहायता लेना।
- प्रशासकों, नियोजकों, संकाय के सदस्यों और छात्रों और व्यापक रुप से समुदाय को अशक्त व्यक्तियों की समस्याओं और क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाना और पॉलिटेक्स में उचित वातावरण बनाना।
- नव प्रवर्तित शिक्षण तकनीक और दृष्टि कोण का विकास करना जिससे अशक्त युवाओं को उचित शिक्षा प्रशिक्षण और पुनर्वास मिले।
- मजदूरी और स्व नियोजन के अवसर के लिए अशक्त युवकों को मार्गदर्शन, परामर्श और नियोजन प्रदान करने में सहायता के लिए पॉलिटेकनीक के वर्तमान नियोजन कक्ष को सशक्त करना।
- योजना के परिवीक्षण के लिए उपर्युक्त विधियाँ और पद्धतियाँ बनाना।

योजना को कार्यान्वित करनेवाले दक्षिण क्षेत्र के पॉलिटेकनिक

- डॉ. धर्माम्बल सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, चेन्नई
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक कालेज, कोयम्बटूर
- अरसन गणेशन पॉलिटेकनीक कालेज, शिवकाशी
- महिला पॉलिटेकनीक लासपेट, पाण्डिचेरी
- सरकारी पॉलिटेकनीक, कोट्टयम
- श्री रामा सरकारी पॉलिटेकनीक, त्रिप्रायार
- श्रीमती एल वी सरकारी पॉलिटेकनीक, हासन
- सरकारी महिला पॉलिटेकनीक, मंगलौर
- सरकारी पॉलिटेकनीक, बेलगाम

उपलब्धियाँ

2014-15 में प्रशिक्षण प्राप्त अशक्त छात्रो का विवरण निम्नवत् है:

प्रशिक्षित अशक्त छात्र	
औपचारिक डिप्लोमा कार्यक्रम (प्रविष्टी)	अनौपचारिक पाठ्यक्रम (प्रशिक्षित)
50	234

निम्न क्षेत्रों में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाए गए:

- थैली बनाना
- बुनियादी कम्प्यूटर कौशल
- सेल फोन सेवाई
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग
- कम्प्यूटर यंत्र सामग्री समन्वायोजन और सेवाई
- डेस्क टॉप पब्लिशिंग
- ड्रेस मेकिंग
- गारमेन्ट विनिर्माण और एफडीडीएम
- कुर्सियों पुनः बेंत लगाना और पुनः बुनना
- मृदु खिलौना बनाना
- सिलाई और कढ़ाई
- टंकण

संबंधित परियोजना पालिटेकनीक के अधिकारियों से अन्योन्य क्रिया करके योजना के कार्यान्वयन की निगरानी द्वारा की गई।

12.0 आभासी रा त शि प्र अ सं

आभासी विधा के जरिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना संस्थान की प्राथमिकता का क्षेत्र है। संस्थान ने ई-लर्निंग का लाभ पहुचाने के लिए आईसीटी और कम्प्यूटर नेटवर्क की संगतता की समर्थता के समुपयोजन का काम जारी रखा। अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संस्थान आभासी रा त शि प्र अ सं की संकल्पना के आधार पर आन लाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। संस्थान के शैक्षिक प्रोद्योगिकी और मल्टीमीडिया (ET&MM) विभाग ने स्वाध्याय पैकेज (SLPs), मल्टीमीडिया लर्निंग पैकेज (MMLPs) कंप्यूटर आधारित अनुशिक्षता के रूप में डिजिटल संसाधनों के विकास के लिए तरह तरह की पहल का मिशन मोड पर अपना लिया है।

लक्ष्य

आभासी रा त शि प्र अ सं का लक्ष्य ऑन लाइन आभासी मोड के माध्यम से तकनीकी शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना और बदले में प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा छात्रों को प्रभावी ढंग से सीखने देना है।

समर्थनकारी लक्ष्य है:

- ई-लर्निंग पर्यावरण विकसित करना जो तकनीकी शिक्षकों को ऑन लाइन लर्निंग प्रदान करने के लिए इंटरनेट और मल्टीमीडिया की क्षमताओं का समुपयोजन करता है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अपने कार्य वातावरण में तकनीकी शिक्षकों को सतत अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थाओं से प्रशिक्षण का विस्तार करना।
- शिक्षा शास्त्र क्षमताओं, कक्षा प्रबंधन मार्गदर्शन और परामर्श और विषय वस्तु से संबंधित क्षेत्रों में अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षण देना।
- ग्रामीण और पिछडे क्षेत्रों के छात्रों को भी उचित कालावधि के भीतर ई-लर्निंग अवसर प्रदान करना।
- वर्तमान परिस्थिति में संकायों की कमी को देखते हुए ई-लर्निंग पर्यावरण द्वारा प्रशिक्षण अवसर का उपयोग करने में शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी संस्थाओं को सुविधाएँ प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग कालेजों और पॉलिटेकनिकों में पढनेवाले छात्रों को इंजीनीयरिंग पाठ्यक्रम में ई-लर्निंग संसाधन प्रदान करना।
- समुद्रपार देशों से समुदाय एवं शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों के लिए ऑन लाइन कार्यक्रम प्रदान करना।

परियोजना का परिणाम

ई-कन्टेन्ट विकास ज्ञान सृजन और प्रसार की आवश्यकता पूरी करता है जो मिशन के सारभूत लक्ष्य का समर्थन करता है। निम्नलिखित परिणाम निकले:

- तकनीकी शिक्षकों, छात्रों और समाज को आजीवन-अधिगम प्रदान करना और साथ ही शिक्षा के लिए ऐसी संभाव्यता प्रदान करता है जो केंद्रीकृत शिक्षा संस्थाओं से शिक्षकों / छात्रों के द्वार तक पहुँचे।
- अधिक व्यक्तियों तक पहुँचना; तुरंत नहीं तो शीघ्र और पूर्णत: दूरी और समय तत्व का उन्मूलन।
- बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिवियुक्ति की समस्या कम करना।
- तकनीकी संस्थाओं में संकाय की कमी की वर्तमान स्थिति में गुणवत्तागुक्त विषय सहित अधिगम अवसर प्रदान करना।
- डिजिटल डिवाइड न्यूनतम करना।

अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षक को प्रशिक्षण देने के लिए अगले वर्ष वेब अधारित पाठ्यक्रम/वेब प्रसारण आयोजित करने की योजना है। समुचित अंत: संरचना युक्त तकनीकी संस्थाओं का पता लगाया जा रहा है ताकि वे वेब प्रसारण के लिए नोडल केंद्र के रुप में काम कर सके।

13.0 हिन्दी भाषा के प्रयोग का कार्यान्वयन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के विचार के अनुसार संस्थान ने हिन्दी के प्रगति के लिए कई कार्यक्रम चलाए। इस वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) मा.सं.वि.मं. (रा.भा.) उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली प्रति वर्ष उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए राजभाषा शील्ड के पात्र कार्यालय का चयन करता है। तदनुसार वर्ष 2013 के किए राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई का चयन किया गया। प्रो.डॉ.एस. मोहन, श्री वी.वीरासामी, परामर्शदाता (प्रशा.) और श्री जे. रमेश कुमार ने मा.सं.वि.मं. (रा.भा.) नई दिल्ली को तत्वावधान में दि.22 और 23 मई, 2014 को गीतम विश्विद्यालय, विशाखापट्टणम में हुई अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी में शीलड प्राप्त किया।

(ii) संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.27/05/2014 को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई जिसमें 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(iii) संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.22/08/2014 को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई जिसमें 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(iv) दि. 09/09/2014 को चेन्नई के आसपास के स्कूली बच्चों के लिए सामाजिक मीडिया वरदान या अभिशाप शीर्षक पर चित्रकारी, भाषण और निबंध प्रतियोगिता चलाई गई। 12 स्कूलों से 140 छात्रों ने भाग लिया। दि. 18/09/2014 को हिन्दी दिवस के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

(v) दि. 9 से 11 सितंबर 2014 तक संस्थान हिन्दी पखवाड़ा और 18 सितंबर 2014 को हिन्दी दिवस संस्थान में मनाया गया। विभिन्न प्रतियोगिताएँ - निबंध लेखन, सुलेखा (ग्रूप डी के लिए) और हिन्दी अंताक्षरी और हिन्दी वाक्स्पर्धा - संस्थान के कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों के लिए चलाई गई। डॉ. निर्मला एस.मौर्या, विभागाध्यक्ष, उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, टी.नगर, चेन्नई-17 समारोह की मुख्य अतिथि रही।

(vi) संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.20/10/2014 को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई जिसमें 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(vii) संस्थान के हिन्दी कक्ष ने दि.31/03/2015 को एक दिवसीय कार्यशाला चलाई जिसमें 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

14.0 अंत: रा त शि प्र अ सं. खेल प्रतियोगिता

खेल और सांस्कृतिक सहभागिता रा त शि प्र अ सं के बीच भातृभाव का सभी स्तरों में विकास होता है। जिससे रा त शि प्र अ सं तंत्र के संपूर्ण विकास के लिए वांछित भाई चारा और टीम भावना का विकास होता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2005 से चक्रवृत्ति आधार पर चंडीगढ़, भोपाल, कोलकता और चेन्नई में प्रतिवर्ष चलाया जा रहा है। अब तक हमने ग्यारह खेल प्रतियोगिताएँ सफलता पूर्वक आयोजित की है। ग्यारहवां अंतर रा त शि प्र अ सं., खेल प्रतियोगिता - 2015, 11 से 14, फरवरी 2015 तक रा त शि प्र अ सं. कोलकाता में आयोजित हुई। हमारे संस्थान से कुल 95 से अधिक प्रतिभागियों और कर्मचारियों ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया और रा त शि प्र अ सं. चेन्नई से 17 प्रतिभागियों ने अंतर रा त शि प्र अ सं. खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

15.0 संकाय समाचार

इस संस्थान के अधिकांश सदस्यों ने विभिन्न विशेष समितियों में बतौर सदस्य भाग लिया जिसका गठन एआईसीटीई, मा.सं.वि.मं., आईएसटीई, तकनीकी शिक्षा निदेशालयों, विश्वविद्यालयों और दक्षिण क्षेत्र के स्वशासी कालेजों ने किया।

सम्मिलित प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ:

1. डॉ. षण्मुगनीदि 25.06.2014 से 27.06.2014 आईबीएम पुणे में क्लाउड कम्प्यूटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
2. श्री के.एस.ए. दिनेशकुमार 07.07.14 से 12.07.14 तक भुवनेश्वर में स्मार्ट मेटीरियल्स पर एक सप्ताहीय अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।
3. डॉ. एस. सोमसुंदरम 07.07.14 से 13.07.2014 तक ट्राइडेन्ट अकाडमी आफ टेकनोलोजी, भुवनेश्वर में रीसेन्ट एड्वान्सेस इन स्मार्ट मेटीरियल्स पर एक सप्ताहीय आईएसटीई एसटीटीपी में उपस्थित रहे।
4. डॉ. आर. रविचंद्रन 05.08.14 से 07.08.14 तक नई दिल्ली में द आरटीआई एक्ट 2005 - ए फोकज्ड एनालिसिस आफ द ला आफ इन्फार्मेशन और चैलेन्ज बिफोर पीआईओ व्हाइल इम्प्लिमेन्टिंग द एक्ट पर तकनीकी कार्यशाला में उपस्थित रहे।
5. डॉ. जी. जनार्दनन 16-08-2014 को आईआईटी, चेन्नई में लिक्विड लिमिट एण्ड डिमाण्ड पर एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थिति रहे।
6. श्री एम. सेंतिल कुमार दि.12.11.2014 को नेशनल इन्स्टिट्यूट आफ विण्ड एनर्जी, चेन्नई में सोलार रिसार्स एसेसामेन्ट पर यू.एस. ऊर्जा विभाग और एमएनआरई द्वारा संचालित एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।
7. श्री डी.वी. सूर्यनारायण 05.01.15 से 06.01.15 को सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली में दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।
8. डॉ. पी. शिवशंकार 09.02.15 से 13.02.15 तक रा त शि प्र अ सं. चंडीगढ़ में ब्लू ओशन स्ट्रेटेजीज़ इन टीवीईटी पर सीपीएससी इन-कन्ट्री ट्रेनिंग प्रोग्राम में उपस्थिति रहे।
9. डॉ. एस. धनपाल और डॉ. आर. नागेंद्र राव 24.02.2015 को इंडिया हेबिटेट सेन्टर, नई दिल्ली में एसएआर एण्ड अक्रेडिटेशन सिस्टम एण्ड प्रेक्टीसेस पर एनबीए कार्यशाला में उपस्थिति रहे।
10. डॉ. एस. धनपाल और डॉ. आर. नागेंद्र राव 25.02.2015 को इंडिया हेबिटेट सेन्टर, नई दिल्ली में वालंटियर ट्रेनिंग फिलासोफी, प्रोसेस एण्ड बेस्ट प्रैक्टीसेज पर एक दिवसीय कार्यशाला में उपस्थिति रहे।

सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र

1. सेंतिल कुमार, एम. (2014, एप्रल) नवीकरणीय संसाधनो का उपयोग करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों को प्रोद्योगिकी का अंतरण। 21.04.2014 से 22.04.2014 तक अण्णा विश्व विद्यालय, तिरुच्चिरापल्ली परिसर में एड्वान्समेन्ट एण्ड फ्यूचरिस्टिक ट्रेन्डस इन मेकानिकल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. रति.जी.ए. (2014, अगस्त) कम्पेरिटिव स्टडी आफ ई-कन्टेन्ट डिजाइन यूसिंग रिवाइज्ड ब्लूम्स टैक्सोनोमी एण्ड डेविड मेरिल्स फर्स्ट प्रिन्सिपिल्स आफ इन्स्ट्रक्शन भारतीदासन यूनिवर्सिटी तिरुच्चीरापल्ली में 23 से 24 अगस्त 2014 तक रीसेन्ट एडवेंसस इन एज्युकेशनल टेकनोलोजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
3. सेंतिल कुमार, एम. (2014, दिसंबर) हरित पर्यावरणीय संघारणीयता के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रोद्योगिकी अंतरण। 05.12.2014 से 06.12.2014 तक अण्णा युनिवर्सिटी तिरुच्चिरापल्ली परिसर में संघारणीय भविष्य के लिए हरित इंजीनियरिंग और प्रोद्योगियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. सुरेश ई.एस.एम. और सिमी लॉरेन्स (2014, दिसंबर) सुव्यवस्थित नगर योजना-एक विहंगावलोकन 10.12.2014 को रा त शि प्र अ सं. पीएसएनए इंजीनियरिंग कालेज, दिंडिकल में भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करते हुए सुव्यवस्थित नगर योजना पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
5. दिनेश कुमार, के.एस.ए. और जनार्दनन, जी. और रविचंद्रन, आर. (2014 दिसम्बर) स्लम फ्री सिटी प्लान - ईरोड़ कार्पोरेशन पेपर प्रसेन्टेड्ड इन द इंटरनेशनल सेमिनार आन स्मार्ट सिटी प्लानिंग यूसिंग जीयोग्रेफिकल इंफारमेशन सिस्टम आट पीसीएनए कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, दिंडिकल में 10.12.2014 को प्रस्तुत किया।
6. सुरेश, ई.एस.एम. और हेमबाला.जे (2015, मार्च) वीडियो पाठों का उपयोग करते हुए मोबाइल अधिगम की प्रभावात्मकता और स्नातक पूर्व इंजीनियरिंग छात्रों के निष्पादन का विश्लेषण। 15.03.2015 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अनुसंधान प्रोद्योगिकी इंजी. निभरिंग विज्ञान और प्रबंधनपर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखे

1. सुरेश ई.एस.एम. और पुरुषोत्तमन, पी. (2014) रिफ्लेक्टिंग ऑन पेडगॉगिकल इशूस आफ ई-डब-बा-ए ऑफ सुमेरिया लिंकिंग टु अवर प्रेसेन्ट टाइम्स, जर्नल आफ इंजीनियरिंग साइन्स एण्ड मेनेजमेन्ट एज्युकेशन वा.7, इशूयू 2, पीपी।
2. दिनेशकुमार, के.एस.ए. और मोहन.एस. और रामकृष्णन, एस.एस. (2014) सॉचा खनन के कारण भू जल पर प्रभावी का मूल्यांकन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ एप्लाइड एन्विरन्मेन्टल साइन्स, वा.7, इशूयू 2, पीपी 2827 से 2854
3. दिनेशकुमार, के.एस.ए. और मोहन.एस. और रामकृष्णन, एस.एस. (2014) भू जल प्रतिरूपण द्वारा तटीय बेसिन के प्रबंध व्यूह। इन्टरनेशनल जर्नल आफ एप्लाइड इंजीनियरिंग अनुसंधान वा.10, इशूयू 7, पीपी 16637 से 16653

संस्थान के संकाय ने एआईसीटीई, आईएसीटीई, एमहेचआरडी, डीओटीई, मानित विद्यालय और स्वायत्त इंजीनियरिंग कालेज और पाल्टिकनीक के विशेषज्ञ समितियों के सदस्यों या कार्यशालाओं के संसाधन व्यक्तियों के रूप में व्यावसायिक सहायता के अलावा दक्षिण क्षेत्रों के स्वायत्त पालिटेकनीक कालेजों और इंजीनियरिंग कालेजों के लिए संसाधन वित्रयों के रूप में काम किया है।

16.0 आभार प्रदर्शन

संस्थान निम्नलिखित को अपना आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता है:

- भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग) को सभी कार्यक्रमों और कार्यकलापों में सतत समर्थन के लिए।
- शासक मंडल और उसकी उपसमितियों को संस्थान के कार्य संचालन में योगदान के लिए।
- ऑन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के राज्य सरकारों को और संघ शासित राज्य क्षेत्र पुदुचेरी को संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करने में सहयोग और सहायता के लिए।
- विभिन्न उद्योगों और उनके प्रबंधन विभागों को संस्थान के कार्यक्रमों के प्रभावात्मक संचालन के लिए सहयोग और सहायता के लिए।
- संस्थान के संकाय और स्टाफ को रिपोर्टाधीन वर्ष को महत्व पूर्ण बनाने में कठिन परिश्रम और समर्पण भावना के लिए।
- समाचार पत्रों, आकाशवाणी और दूरदर्शन को संस्थान के कार्यक्रमों और कार्यकलापों के प्रचार और समर्थन के लिए।

17.0 बोर्ड और उपसमितियाँ

बोर्ड के शासक मंडल वित्त समिति और विभिन्न समितियों का गठन परिशिष्ट (i), (ii) और (ii) में दिया गया है।

परिशिष्ट

परिशिष्ट I

(31.03.2015 को)

रा.त.शि.प्र.अ.सं. चेन्नई सोसाइटी और शासक मंडल

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. अल्लम अप्पा राव

अध्यक्ष - शासक मंडल, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई
निदेशक,
सी आर राव गणित सांख्यिकी और कम्प्यूटर विज्ञान उच्च स्तरीय संस्थान,
हैदराबाद विश्विद्यालय परिसर,
केंद्रीय विश्वविद्यालय डाक घर, हैदराबाद-500 046, आ.प्र., भारत

सदस्य-सचिव

प्रो. डॉ. एस. मोहन

निदेशक (03.11.2014 तक)

प्रो. डॉ. एस. धनपाल

प्रभारी निदेशक (03.11.2014 से)
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

सदस्य

भारत सरकार के शिक्षा तथा वित्त विभागों से मनोनीत प्रतिनिधि	**संयुक्त सचिव (टी ई एल)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
	वित्त सलाहकार (म.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
तकनीकी शिक्षा के पाँच निदेशक	1. **तकनीकी शिक्षा आयुक्त** तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार चेन्नै - 600 025
	2. **निदेशक** तकनीकी शिक्षा निदेशालय ऑन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार 5 वाँ और छठा तल, बी.आर.के.आर. भवन टैंक बंड रोड, हैदराबाद-500 063

3. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
केरल राज्य सरकार
त्रिवेन्द्रम, केरल - 695 023

4. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
महाराष्ट्र राज्य सरकार
३, महापालिका मार्ग
मुंबई-400 001
महराष्ट्र राज्य

5. **निदेशक**
तकनीकी शिक्षा निदेशालय
ओडीशा राज्य सरकार
किल्ला मैदान, बक्सी बाजार,
कट्टक-753 001, ओडीश राज्य सरकार
(1 से 5 - 21.02.2015 तक)

अ.भा.त.शि.प. का प्रतिनिधि

डॉ. अविनाश एस पंत
उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
7वाँ तल, चंदरलोक बिल्डिंग,
जनपथ, नई दिल्ली - 110 001

विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि

उप कुलपति, अण्णा विश्वविद्यालय, चेन्नई - 600 025
(21.02.2015 तक)

मा.सं.वि.मं. द्वारा नामित दो उद्योगपति / तकनीकी पेशेवर

1. **श्री करुमुत्तु टी. कण्णन**
प्रबंध निदेशक
त्यागराजर मिल्स (प्र) लि.,
मदुरै-625 008

2. **डॉ. एस.एस. वरप्रसाद**
अध्यक्ष
अनुराग ग्रूप आफ इंजीनियरिंग कालेजस
वेंकटपुर (वी), घटकेसर - 501 301
आर.आर. जिला (आ.प्र.)
(1 से 2 - 21.02.2015 तक)

संकाय प्रतिनिधि

डॉ. एस. रेणुकादेवी
प्रोफेसर और प्रभारी अध्यक्ष
शिक्षा विभाग
रा.त.शि.प्र.अ.सं., चेन्नई - 600 113

वित्त समिति

अध्यक्ष	**प्रो. डॉ. अल्लम अप्पा राव** अध्यक्ष - शासक मंडल, एन आई टी टी टी आर, चेन्नई निदेशक, सी आर राव गणित सांख्यिकी और कम्प्यूटर विज्ञान उच्च स्तरीय संस्थान, हैदराबाद विश्विद्यालय परिसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय डाक घर, हैदराबाद-500 046, आ.प्र., भारत
सदस्य	**अपर सचिव (टीइल)** उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार शास्त्री भवन नई दिल्ली - 110 001
	वित्त सलाहकार (मा.सं.वि.) एकीकृत वित्त प्रभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशालय तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - 600 025 (21.02.2015 तक)
सदस्य-सचिव	**प्रो. डॉ. एस. मोहन** निदेशक (03.11.2014 तक)
	प्रो. डॉ. एस. धनपाल प्रभारी निदेशक (03.11.2014 से) राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - 600 113

बोर्ड की उप समितियॉ

1. कर्मचारी चयन समिति

[ए आई सी टी ई के मानदंड के अनुसार]

सदस्य	अध्यक्ष शासक मंडल रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - 600 113
	निदेशक रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - 600 113
	विभागाध्यक्ष प्राचार्य स्तर के रा त शि प्र अ सं, चेन्नई - 600 113
	प्रचार्य स्तर मे मद्रास विश्वविद्यालय से नामित
	विषय के दो विशेषज्ञ

2. भवन निर्माण समिति

अध्यक्ष	तकनीकी शिक्षा आयुक्त तकनीकी शिक्षा निदेशाल्य तमिलनाडु राज्य सरकार गिण्डी, चेन्नई - 600 025
सदस्य	अधीक्षक अभियन्ता के.लों.नि.वि., चेन्नई - 600 006
	अधीक्षक अभियन्ता (तकनीकी शिक्षा डिवीज़न) लोक निर्माण विभाग तमिलनाडु राज्य सरकार सरदार पटेल रोड चेन्नई - 600 025
सदस्य / सचिव	निदेशक रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - 600 113

3. विभागीय पदोन्नति समिति

अध्यक्ष

डॉ. एस. धनपाल
प्रोफेसर और प्रधान
पाठ्यचर्या विकास केंद्र
रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - 600 113

सदस्य

श्री ए. अय्याकण्णु
निदेशक
शिक्षुत प्रशिक्षण बोर्ड
सीआईटी कैम्पस, तरमणि, चेन्नई - 600 113

श्री के. कुमरप्पन
सहायक रजिस्ट्रार
आईआईटी मद्रास, चेन्नई - 600 025

डॉ. जी. जनार्दनन
एसोसिएट प्रोफेसर
सीईएम विभाग
रा त शि प्र अ सं., चेन्नई - 600 113

1. अकादमीय परिषद

अध्यक्ष	निदेशक राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नई - 600 113
सदस्य	सभी प्राचार्य / विभागाध्यक्ष
	दो एसोसियेट प्रोफेसर
	दो सहायक प्रोफेसर
	तकनीकी शिक्षा क्षेत्र से दो सुविज्ञ व्यक्ति

2. सभी शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए अध्ययन बोर्ड

1.	डॉ. एस. धनपाल	-	अध्यक्ष
2.	डॉ. सी. आर. नागेन्द्र राव	-	सदस्य सचिव
3.	डॉ. एस. धनशेखरन	-	सदस्य
4.	डॉ. वी.के. नटराजन	-	सदस्य
5.	डॉ. एस. रेणुका देवी	-	सदस्य
6.	डॉ. टी. जगतरक्षकन	-	सदस्य
7.	डॉ. ई.एस.एम. सुरेश	-	सदस्य
8.	डॉ. आर. रविचंद्रन	-	सदस्य
9.	डॉ. जी.ए. रति	-	सदस्य
10.	डॉ. वी. षण्मुखनीति	-	सदस्य
11.	डॉ. पी. मल्लिका	-	सदस्य
12.	डॉ. जी. जनार्दनन	-	सदस्य

शिकायत निवारण समिति

डॉ. वी.के. नटराजन प्रोफेसर और प्रधान ग्रामीण विकास केंद्र	**अध्यक्ष**
डॉ. टी. जगद्रक्षकन प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान अंतर्राष्ट्रीय कार्य केंद्र (सीआईए)	सदस्य
डॉ. जी.ए. रति सहायक प्रोफेसर विद्यूत इंजी. विभाग	सदस्य

लोक सूचना अधिकारी

डॉ. आर. रविचंद्रन
व. पुस्तकालयाध्यक्ष
संसाधन केंद्र

कार्यस्थल पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के निवारण के लिए समिति

डॉ. एस. रेणुका देवी शिक्षा के प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान	अध्यक्ष
डॉ. एस. धनपाल प्रभारी निदेशक	सदस्य
श्रीमती आर. वनजाकुमारी निदेशक के वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक	सदस्य

समिति की बैठकों के विवरण

	सं.	
शासक मंडल	30th	28.04.2014
	31st	12.11.2014
रा त शि प्र अ सं, चेन्नै सोसाइटी	11th	12.11.2014
वित्त समिति	29th	28.04.2014
	30th	12.11.2014

संकाय और कर्मचारी गण सूची

प्रभारी निदेशक	**डॉ.एस. धनपाल, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.**
पर्यावरण प्रबंधन केन्द्र	**डॉ. जी. जनार्दनन, एम.ई., पी हेच.डी. (यू एस ए)** एसोसियेट प्रोफेसर
संधारणीय विकास केंद्र	**डॉ. वी.के. नटराजन, एम.ए., एम.ए., पी हेच.डी.,** प्रोफेसर व अध्यक्ष
	डॉ. के.एस. गिरिधरन, बी.ई., एम.टेक., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर
अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र	**डॉ. टी. जगदरक्षकन, बी.ई. (आनर्स), एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर सिविल इंजी. व प्रभारी अध्यक्ष सीआईए
सिविल अभियांत्रिकी	**डॉ. ई.एस.एम. सुरेश, बी.ई., एम.ई., पी हेच.डी.** प्रोफेसर, सिविल इंजी. और अध्यक्ष
	डॉ. आर. शान्तकुमार, एम.ई., पी हेच.डी. एसोसियेट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग
	श्री के.एस.ए. दिनेश कुमार, एम.ई. सहायक प्रोफेसर
पाठ्यक्रम विकास केन्द्र	**डॉ.एस. धनपाल, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर
	श्री डी.वी. सूर्यनारायण, बी.ई., प्रोग्रामर
शिक्षा	**डॉ. एस. रेणुका देवी, बी. एस सी., एम.सी.ए., एम.फिल., पी हेच.डी.** शिक्षा के प्रोफेसर और प्रभारी प्रधान
	डॉ. एस. राजशेखर, बी.ई. एम.टेक (मा सं वि) अनुसंधान सहायक, शिक्षा
शैक्षिक मीडिया केंद्र	**डॉ. पी. मल्लिका, बी.ई., एम.एस., पी हेच.डी.** वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट

शैक्षिक प्रोद्योगिकी व मल्टीमीडिया	**डॉ. वी. षण्मुगनीदि, एम.ई., पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर
	श्री ए.पी. फेल्क्सि आरोग्यराज, बी. एस सी., एम.एस सी., डी.एफ. टेक. सहायक प्रोफेसर
विद्युत इंजीनियरिंग	**डॉ. जी.ए. रति, एम.ई., पी जी डी सी ए, पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर
इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. धनशेखरन, बी.ई., एम.एस सी. (इंजि.), पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष
	श्री पी. शिवशंकर, एम.ई., पी हेच.डी. सहायक प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, बैंगलौर	**डॉ. पी. अरुण कुमार, एम.एस सी., एम.एङ, पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष
	श्री वी. शिवकुमार, एम.ई., सहायक प्रोफेसर
विस्तार केंद्र, हैदराबाद	**डॉ. सी.आर. नागेन्द्र राव, बी.टेक.एङ, एम.टेक., पी जी डी टी सी ए, पी हेच.डी.** प्रोफेसर व अध्यक्ष
	श्री यू.एस. साहु, बी.ई., एम.टेक., एसोसियेट प्रोफेसर
विस्तार केन्द्र, कलमसेरी	**श्री फिलिप कुरियन, एम.एस सी. (इंजि.)** एसोसियेट प्रोफेसर व प्रभारी प्रधान
यांत्रिक इंजीनियरिंग	**डॉ. एस. सोमसुन्दरम, एम.ई., पी हेच.डी.** सहायक प्रोफेसर
	श्री एम. सेंतिल कुमार, बी.ई., एम.टेक. सहायक प्रोफेसर
संसाधन केंद्र	**डॉ. आर. रविचंद्रन, एम.एस.सी., एम.एल.ऐ.एस., एम.एड़, एम.बी.ए., पी हेच.डी.,** वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष

होस्टल

वार्डन	**डॉ.एस. धनपाल** प्रभारी निदेशक
उप वार्डन	**डॉ. पी. मल्लिका** वरिष्ठ सिस्टम एनालिस्ट शैक्षिक मीडिया केंद्र
सहायक वार्डन	**डॉ. वी. षण्मुगनीदि,** सहायक प्रोफेसर शैक्षिक प्रोद्योगिकी व मल्टीमीडिया विभाग
	डॉ. आर. रविचंद्रन (अतिथि गृह) वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष संसाधन केंद्र
चिकित्सा अधिकारी (पार्ट-टाइम)	**डॉ. एन.बी. आनंद, एम.डी. डी.एम.आर.डी.,**

भाग - II

2014-15 साल का
लेखा विवरण

लेख परीक्षा
महा निदेशक (केन्द्रीय),
चेन्नई

31 मार्च 2015 को अंत होनेवाले वर्ष के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक (कर्तव्य शक्ति और सेवाशर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2015 पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के संलग्न तुलनपत्र और उस तिथि में समाप्त आय व्यय लेखा / प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा की लेखा परीक्षा की है। वर्ष 2017-18 की अवधि तक लेखा परीक्षा सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपनी राय अभिव्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा रीति की अनुरुपता के संबंध में लेखा प्रणाली, लेखा प्रणाली मानक, प्रकटन प्रतिमान आदि पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ हैं। विधि, नियम और विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-निष्पादन पहलू आदि, यदि कुछ हो, के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियाँ पृथक रूप से निरीक्षण रिपोर्ट / सी ए जी लेखा परीक्षा रिपोर्ट के जरिए दर्शायी गयी है।

3. भारत में सामान्यत: या स्वीकृत लेखा परीक्षा मानक के अनुसार हमने लेखा परीक्षा की है। ये मानक यह अपेक्षा करते है कि हम लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें कि हमें यह उचित आश्वासन प्राप्त हो जाए कि वित्तीय विवरण तात्विक गलत विवरण से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में परीक्षण तौर पर लेखों का समर्थन करनेवाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों की जाँच सम्मिलित है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट कथन और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i हमें अपनी लेखा परीक्षा के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए।

ii इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति और अदायगी लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार बनाए गए हैं।

iii हमारी राय में बहियों की हमारी जाँच के अनुसार खाता बही और अन्य संगत अभिलेख परिशिष्ट में सम्मिलित हमारी टिप्पणी के अधीन राष्ट्रीय तकनीक शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा उचित रूप के रखे गए है।

iv आगे हम रिपोर्ट करते हैं कि:

अ. **तुलन पत्र**

निधियों के स्त्रोत

आधार भूत/पूँजीगत निधि-अनुसू.1-20.51 करोड़ रुपए।

निधियों के अनुप्रयोग

अचल आस्तियाँ-अनुसू.1-16.79 करोड़ रुपए।

31.03.2014 तक अचल आस्तियों पर कुल मूल्यह्रास के लिए किया गया प्रावधान 1,55,20,646/- रु. था और चालू वर्ष के लिए (2014-15) 55,08,065/-रु. था। चालू वर्ष के सिर्फ 0.55 करोड़ रुपए के मूल्य है। व्यय के रूप में लेखाकरण करने के बदले संस्थान ने 2.10 करोड़ रुपए की राशि को आय व्यय लेखे में मूल्यह्रास के रूप में लेखाकृत किया है जिसमें पिछले वर्ष प्रावधान की गई 1.55 करोड़ रुपए की राशि का मूल्यह्रास भी शामिल है। अत: मूल्यह्रास के गलत लेखाकरण के कारण तुलनपत्र में आय-व्यय लेखे में व्यय का अतिकथन और अचल आस्तियों और पूँजीगत निधि का 1.55 करोड़ रुपए तक अवकथन हो गया है।

2. **निधिया का अनुप्रयोग**

अचल आस्तियाँ (अनुसू.4) क्रियमाण पूँजीगत कार्य 7,16,68,545/-

निर्माण अवधि के दौरान किन्हीं अचल आस्तियों पर किये गए व्यय राशि का लेखीकरण पूँजीगत कार्य के अधीन किया जाना चाहिए और समापन वर्ष में क्रियमाण पूँजीगत कार्य के अधीन प्रकटीकृत राशि संबंधित अचल आस्ति को अंतरित की जानी चाहिए। चालू वर्ष में संस्थान ने वर्तमान क्रियमाण पूँजीगत कार्य से 1,15,40,955/- रु. की राशि को निकाल दिया किंतु केवल 1,52,282/- रु. की राशि ही भवन खाते में अंतरित का गई। 1,13,88,673/- रु. की शेष राशि के लिए अचल आस्ति में कोई जोड़ नहीं था इस अंतर का समाधान किया जाए।

3. **निधि के स्त्रोत**

आधार भूत निधि - रु. शून्य।

निधियों का अनुप्रयोग

चालू आस्तियाँ - (अनु.सू.7) - रोकड़ और बैंक शेष - बैंक शेष - 2.34 करोड़ रुपए

संस्थान की उपविधि के अनुसार प्रति वर्ष वसूल किये गये प्रशिक्षण शुल्क का एक अंश आधार भूत निधि नामक पृथक निधि के रूप में अलग रखा जाता है। 31.03.2015 को इस निधि में उपलब्ध कुल राशि 15,78,844/- रु. थी। फिर भी संस्थान के खाते में इस निधि को शामिल नहीं किया गया और एनआईटीटीटीआर के वित्तीय विवरण में प्रदर्शित नहीं किया गया। आधारभूत निधि के लिए केवल पृथक प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा वित्तीय विवरण में शामिल किया गया है। परिणाम स्वरूप एनआईटीटीटीआर की आधारभूत निधि और तुलनपत्र के बैक शैष का 15.78 लाख रु. तक अवकथन हो गया है।

4. निधियों का अनुप्रयोग

अचल आस्तियाँ (अनु.सू.4) - अगोचर आवितयाँ - 2,976/-

ऋण, अग्रिम और जमा राशियाँ (अनु.सू.8) - पूर्वदत्त व्यय - आ) ई-जर्नल अभिदान - 4,50,615/- रु.

चालू वर्ष के दौरान ई-जर्नल अभिदान के लिए 6,00,820/- रु. की राशि दी गई किंतु केवल 1,50,205/- रु. ही अचल आस्तियों के हिस्से में लिए गए। शेष 4,50,615/- रु. की राशि गलती से पूर्वदत्त व्यय के रूप में हिसाब में दिखाए गए। चूकि ई-जर्नल के लिए अभिदान अचल आस्ति माना गया, सारा व्यय अचल आस्ति के अधीन हिसाब में लिया जाना चाहिए। परिणाम स्वरूप अचल आस्ति में अवकथन और ऋण और अग्रिम का 4.50 लाख रु. तक अतिकथन हो गया।

आ. आय-व्यय लेखा

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स.प्र.पा) लेखा

आय-बैंक पर ब्याज - 38,48,761/- रु.

तुलन पत्र

आस्तियाँ - अल्पावधि मीयादी जमा प्राप्तियाँ (एस.डी.आर.) - 2,80,00,000/- रु.

संस्थान ने अपनी सं.प्र.पा. निधि में से अल्पावधि मीयादी जमा किया था। वर्ष के दौरान अवधिपूर्ण जमा राशि पर अर्जित ब्याज 48,16,273/- रु. था। फिर भी वर्ष के दौरान अ.मी.ज पर प्राप्त ब्याज के रूप में केवल 31,85,875/- रु. हिसाब में लिए गए। परिणाम स्वरूप आय-व्यय लेखे और तुलनपत्र की चालू आस्तियों में 16,30,398/- रु. तक ब्याज से आय का अवकथन हो गया।

इ. सामान्य

1. अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान के संबंध में लेखाकरण मानक का अनुपालन।

संस्थान पिछले वर्ष तक मूल्यह्रासित बहीमूल्य विधि पर अचल आस्तियों परमूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता रहा है। चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास विधि का सीधी कटौती प्रणाली में परिवर्तन किया गया है और तदनुसार मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया। लेखाकरण मानक-6 के अनुसार मूल्यह्रास में रेसा परिवर्तन करते समय मूल्यह्रास आस्ति के उपयोग में ऑन की तिथि से नई प्रणाली के अनुसार पुनराकलित किया जाना है। नई प्रणाली के अनुसार मूल्यह्रास के पूर्व व्यापी पुनरभिकलन से मिलनेवाली न्यूनता या अधिकता का वर्ष में लेखे में समायोजन किया जाना है। फिर भी संस्धान द्वारा मूल्यह्रास का ऐसा कोई पुनररभिकलन नहीं किया गया। परिणाम स्वरूप लेखाकरण मानक का अनुपालन नहीं हो पाया।

ii) सीधी कटौती प्रणाली पर मूल्यह्रास का प्रावधान अचल आस्ति के मूल लागत पर किया जाना चाहिए। फिर भी पिछले साल निवल आस्ति मूल्य आस्ति का लागत माना गया और संस्थान ने चालू वर्ष के लिए सीधी कटौती प्रणाली पर मूल्यह्रास का प्रावधान किया।

2. वित्तीय विवरणों का प्रकटन संस्थान द्वारा स्वीकृत लेखाकरण नीति के अनुसार नही।

i) वित्तीय विवरणों में संलग्न महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति और लेखे पर टिप्पणी मे संस्थान ने उल्लेख किया है कि उसने वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए नकदी आधार पर लेखाकरण स्वीकृत किया है। फिर भी यह देखा गया कि भारत सरकार द्वारा संस्वीकृत 2014-15 के 20,48,09,000/- रु. के अनुदान में से केवल 15,39,42,000/- रु. 31.03.2015 तक संस्थान ने प्राप्त किए। 5,08,67,000/- रु. की शेष राशि तुलनपत्र में चालू आस्तियों के अधीन प्राप्य अनुदान के रूप में लेखाकृत की गई।

ii) इसी प्रकार कुछ बकाया व्यय-यथा देय वेतन, देय पेंशन, देय वाहन व्यय आय - के लिए प्रावधान किया गया और तुलनपत्र में चालू देयताओं के अधीन प्रकट किया गया।

इस प्रकार उक्त मदों पर संस्थान का वास्तविक लेखीकरण संस्थान द्वारा कथित लेखाकरण नीति के अनुसार नहीं था।

यह बताकर संस्थान को अपनी लेखाकरण नीति को बदलना चाहिए कि उसने वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए उपचय आधारित लेखाकरण स्वीकार किया है जैसा कि मा.सं.मं. के निर्धारित संरूप में अपेक्षित है।

3. एनपीएस तुलनपत्र के अधीन प्रकटित आस्तियों की यथातथ्यता सुनिश्चित नहीं हो सकी।

न.पें.यो तुलन पत्र (आस्ति पक्ष) और न.पे.यो. प्रा व अ लेखा (अदायगी पक्ष) में 14,69,721/- रु. की राशि सा.भ.नि उभयपक्षी के रूप में प्रकट की गई थी। इस लेनदेन के संबंध में लेखा परीक्षा को कोई विवरण नहीं दिया गया। अत: न पें यो के तुलनपत्र में प्रकटित 14.70 लाख रु.की आस्ति की यथातथ्यता सुनिश्चित नहीं की जा सकी।

4. न.पे.यो. प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा अग्रानीत पिछले साल से अग्रानीत बैंक इति शेष में अंतर।

2013-14 के लिए न.पे.यो.-प्रा.&अ. में बैंक इतिशेष 45,08549/- रु. था जब कि 2014-15 के न.पे.यो.-प्रा.व अ. लेखे मे अथ शेष के रूप से 59,78270/- रु. अग्रानीत किए गए। अंतर के कारण को लेखा परीक्षा को स्पष्ट न किया जा सकने के कारण न.पे.यो. बैंक शेष की यथातथ्यता सुनिश्चित नहीं की जा सकी।

5. बैंक समाधान विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया।

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (ओ टी सी) लेखा और परियोजना लेखों के संबंध में बैंक विवरण के अनुसार वित्तीय विवरणों और बैंक शेष में प्रकटित बैंक शेष में 13,16,924/- रु. और 3,25,494/- रु. में अंतर था। (इन दो लेखों के संबंध में) कोई बैंक समाधान विवरण प्रस्तुत न करने के कारण वित्तीय विवरण में प्रकटित बैंक समाधान की यथातथ्यता सुनिश्चित नहीं की जा सकी।

ई. लेखों पुनरीक्षण का प्रभाव

लेखा परीक्षा की टिप्पणियों के अधार पर राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के लेखों का पुनरीक्षण किया गया। इस पुनरीक्षण के कारण आस्तियाँ और देयताएँ 0.39 करोड़ तक घट गई और व्यय से अधिक आय जो 4.27 करोड़ थी वह व्यय से अधिक आय 2.35 करोड़ रुपए बन गई।

उ. सहायता अनुदान

वर्ष 2014-15 के लिए प्राप्त 20.48 करोड़ रु. के सहायता अनुदान में से जिसमें पिछले वर्ष की पी डब्लयु डी अव्ययित राशि 1.53 शामिल है, संस्थान केवल 14.97 करोड़ रु. खर्च कर सका जिसके कारण 31 मार्च 2015 को अव्ययित अनुदान के रूप में 7.04 करोड़ रु. की शेष राशि रह गई।

ऊ. प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में असम्मिलित कमियों का ध्यान राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई को पृथक रुप से प्रबंधन पत्र द्वारा आकर्षित किया गया ताकि उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

v पिछले अनुच्छेदों में हमारी टिप्पणी के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलनपत्र और आय-व्यय लेखा / प्राप्ति-अदायगी लेखा वही खातों से मेल जाते हैं।

vi हमारी राय और जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण लेखाकरण नीति और लेखा नोट सहित और उपरोक्त विशिष्ट मामलों के और इस रिपोर्ट में उल्लिखित अनुबंध के अधीन भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धातें के अनुरुप सही और स्पष्ट रूप प्रस्तुत करते हैं।

क. जहाँ तक तुलन पत्र का संबंध है 31 मार्च 2015 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई की परिस्थिति।

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त आय-व्यय लेखे के अधिशेष का संबंध है।

भारत के लेखा-नियन्ता और महालेखा-परीक्षक के लिए / की ओर से

ह/-

लेख परीक्षा महा निदेशक (केन्द्रीय), चेन्नई

स्थान : चेन्नई
दिनांक : 26.02.2016

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए अनुबंध

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान में आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की कोई व्यवस्था नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था है किंतु कोई अनुमोदित आंतरिक नियंत्रण नियम पुस्तिका उपलब्ध न होने से उसे सशक्त करने की आवश्यकता है।

(i) समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और परियोजना लेखे के संबंध में बैंक समाधान विवरण उपलब्ध नहीं है।

(ii) कोई आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है।

3. अचल आस्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली:

वर्ष 2014-15 के लिए नहीं किया गया।

4. माल सूचियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली:

वर्ष 2014-15 के लिए माल सूचियों का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया।

5. सांविधिक देय राशि की अदायगी में नियमितता:

वर्ष के दौरान वसूल की गई अतिरिक्त मूल्य कर और स्रोत पर काटे गए कर की राशि सरकार को प्रेषित नहीं की गई।

ह/-
निदेशक / सी ई

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

2014-15

का वार्षिक लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

31.03.2015 को तुलन पत्र

राशि रु.में

निधि के स्त्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
आधार भूत / पूँजी निधि	1	205061587.33	221508138.00
नामोद्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ	2	360151.00	1150674.00
चालू देयताएँ और प्रावधान	3	96211912.00	31691036.00
योग		301633650.33	254349848.00
निधियों का अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**गत वर्ष**
अचल परिसंपत्तियाँ	4	167902092.00	191099604.00
गोचर परिसंपत्तियाँ			
अगोचर परिसंपत्तियाँ			
क्रियमाण पूँजीकार्य			
उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश राशियाँ	5		
दीर्घकालीन			
अल्पकालीन			
निवेश - अन्य	6		
चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण	7	24252938.33	63250244.00
अग्रिम और जमाराशियाँ	8	109478620.00	
योग		301633650.33	254349848.00
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	23		
लेखे पर प्रासंगिक देयतायें तथा लेखे पर टिप्पणियाँ	24		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

31.03.2015 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रु.में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
आय			
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	1273300.00	1301150.00
अनुदान / आर्थिक सहायताएँ	10	140346291.00	15335049.00
निवेशों से आय	11	2493431.00	3069640.00
अर्जित ब्याज	12	42507.00	21136.00
अन्य आय	13	5881431.33	17130914.00
क्रियमाण कार्यो के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)			65955.00
पूर्वावधि आय	14	0.00	0.00
योग (अ)		150036960.33	36923844.00
व्यय			
कर्मचारी आदायगियाँ और लाभ (स्थापना व्यय)	15	116182235.00	123919943.00
शैक्षिक व्यय	16	0.00	0.00
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	9647433.00	14526757.00
परिवहन व्यय	18	214115.00	260581.00
मरम्मत और अनुरक्षण	19	2310330.00	2246351.00
वित्तीय लागत	20	0.00	33541.00
मूल्यह्रास	4	21028711.00	18621812.00
अन्य व्यय	21	0.00	14209074.00
पूर्वावधि व्यय	22	0.00	0.00
योजना सामान्य व्यय	23	24164056.00	0.00
योग (आ)		173546880.00	173818059.00
व्यय से ज्यादा आय की शेष राशि (अ-आ)			
नामोद्दिष्ट निधि को / से निधि स्थानांतरित			
भवन निधि			
अन्य (विनिर्दिष्ट करें)			
शेष राशि जो अधिशेष / (घाटा) है पूँजी निधि को अग्रानीत		-23509919.67	-136894215.00

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति 23
लेखे पर प्रासंगिक देयतायें तथा लेखे पर टिप्पणियाँ 24

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 1 आधार भूत / पूँजी निधि

राशि रु.में

	विवरण	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
	साल के प्रारंभ में शेष	221508138.00	221196005.00
जोड़िए:	आधार भूत / पूँजी निधि को अंशदान		
जोड़िए:	पूँजीगत व्यय के लिए प्रमुक्त सीमा तक यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान	9372154.00	7837267.00
जोड़िए:	उद्दिष्ट निधि से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ		
जोड़िए:	प्रायोजित परियोजनाओं खरीदी गई परिसंपत्तियाँ जिनका स्वामित्व संस्थान के पास है		644000.00
जोड़िए:	दान के रूप में प्राप्त परिसंपत्तियाँ / प्राप्त उपहार		
	योग	230880292.00	
घटाइए:	प्रारंभिक योजना सामान्य में लोप	-239945.00	
	प्राप्य आय जो बट्टे खाते में डाली गई	-2193640.00	
	आधार भूत निधि 10 और 20%	124800.00	469500.00
	योजना अनुदान राजस्व व्यय		814756.00
जोड़िए:	आय-व्यय लेखे से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	-23509919.67	-9453390.00
	योग	205061587.33	221508138.00
	(घटाइए) आय और व्यय लेखे से स्थानांतरित घाटा		
	वर्षान्त में शेष		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 2 नामोद्दिष्ट / उद्दिष्ट / धर्मस्व निधियाँ

राशि रु.में

विवरण				योग	
	लो.नि.वि.	एऐसीटी	राजीव गाँधी	चालू	गत
	योजना	एसडिपि	एन एफ/डब्लयू	वर्ष	वर्ष
अ.					
अ) अथशेष	293029.00	43100.00	24022.00	360151.00	360151.00
आ) वर्ष के दौरान जोड़					
इ) निधियों से बने निवेशों पर आय					
ई) निवेशो/अग्रिमों पर प्रोद्भूत ब्याज					
उ) बचत खाते पर ब्याज					
ऊ) अन्य जोड़ें (प्रकार को निर्दिष्ट करें)					
योग (अ)	293029.00	43100.00	24022.00	360151.00	360151.00
आ.					
निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय					
i) पूँजीगत व्यय					
ii) के.लो.वि.वि. को अग्रिम					
ii) राजस्व व्यय					
योग (आ)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्षान्त में इति शेष (अ-आ)	**293029.00**	**43100.00**	**24022.00**	**360151.00**	**360151.00**
द्वारा चित्रित					
रोकड़ और बैंक शेष					
निवेश					
प्रोद्भूत ब्याज किंतु देय नहीं					
योग					

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 2A

धर्मस्व निधि

तुलन पत्र के अश के रूप में उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियों अनुसूची में धर्मस्व निधियाँ खाने में ऑकडों के समर्थन के लिए उप अनुसूची को संरूप नमूना

राशि रु.में

1.क्रं.सं.	2. धर्मस्व का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान जोड़		योग		वर्ष के दौरान वस्ढ पर व्यय	इति शेष		योग (10+11)
		3	4	5	6	7	8	9	10	11	
		धर्मस्व	संचित ब्याज	धर्मस्व	ब्याज	धर्मस्व (3+5)	संचित ब्याज (4+6)		धर्मस्व	संचित ब्याज	
	योग										

टिप्पणी

1. तुलन पत्र के अंश के रूप में उद्दिष्ट निधियों की अनुसूची 2 में धर्मस्व निधियों खाने में के अथ शेष के रूप में खाने 3 और 4 का योग दर्शाया गया है।
2. धर्मस्व की वस्तु पर (धर्मस्व पीठ को छोड़कर) खर्च के लिए ब्याज का ही उपयोग करना चाहिए। इसलिए खाना 9 का योग आम तौर पर खाना 8 के योग से कम होना चाहिए।
3. आम तौर पर अनुसूची में कोई नामे शेष नहीं होना चाहिए। यदि निरले मामले में धर्मस्व निधियों का कोई नामे शेष हो।

नामे शेष तुलनपत्र के आस्ति पक्ष में अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 3 चालू देयताएँ और प्रावधान

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
अ. चालू देयताएँ		
1. कर्मचारियों से जमा		
कर्मचारी मकानों के लिए अवधान राशि	20,000.00	20,000.00
कर्मचारी मकान	39,400.00	37,535.00
2. छात्रों से जमा राशि		
पीहेचडी के लिए अवधान राशि	25,500.00	25,500.00
एमटेक के लिए छात्रवृत्ति-मा.सं.वि. जमा राशि	224,875.00	224,875.00
भोजन प्रभार - छात्रावास	42,480.00	42,480.00
अनुसंधान छात्र - एफआईपी	170,000.00	170,000.00
आविर्भावी क्षेत्र पाठ्यक्रम शुल्क वापसी योग्य	2,000.00	2,000.00
3. विविध लेनदार		
अ) माल और सेवार्थ		
काफमो उपस्कर	81,889.00	81,889.00
तमिलनाडु बुक हाउस	2,731.00	2,731.00
आ) अन्य	255,356.00	35,850.00
4. जमा राशियाँ-अन्य (ईएमडी, प्रतिभूति जमा)		
एआईसीटीडी यूकेआईईआरआई कार्यशाला	39,787.00	
बयाना जमा	1,336,754.00	565,316.00
समुदाय हाल जमा	29,565.00	29,565.00
कैंटीन के लिए अवद्यात राशि	6,000.00	6,000.00
इफाज़त राशि	511,684.00	679,684.00
जीएसएलआईएस	10,971.00	10,971.00
5. सांविधिक देयताएँ (जीपीएफ, टीडीएस डब्लयूसी कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)		
अ) अतिदेय		
आ) अन्य		
संपत्ति कर देय	130,382.00	130,382.00
शुल्क और कर	171,695.00	66,605.00

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
6. अन्य चालू देयताएँ		
अ) वेतन		
आ) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्तियाँ		
ओटीसी	7,235,005.00	
परियोजना लेखा 2013-14	8,214,248.00	8,214,248.00
इ) प्रायोजित अधि सदस्यता और छात्रवृत्तियाँ		
ई) अप्रयुक्त अनुदान	70,425,604.00	14,304,581.00
उ) अग्रिम अनुदान		
ऊ) अन्य निधियाँ : आधारभूत निधि	104,000.00	104,000.00
ए) अन्य देयताएँ		
योग (अ)	**89,079,926.00**	**24,754,212.00**
आ. प्रावधान		
1. कराधान के लिए		
2. उपदान		
3. अधिवर्षिता पेंशन		
4. संचित छुट्टी नकदीकरण		
5. व्यापार वारंटी/दावे		
6. बकाया व्यय:		
कर्मचारी वेतन	4,995,081.00	4,906,899.00
पेंशन भुगतान	1,963,778.00	1,962,701.00
वाहन अनुरक्षण	3,570.00	4,959.00
विद्युत अनुरक्षण	5,657.00	5,975.00
लेखापरीक्षा शुल्क	163,900.00	56,290.00
योग (आ)	**7,131,986.00**	**6,936,824.00**
योग (अ+आ)	**96,211,912.00**	**31,691,036.00**

टिप्पणी: अप्रयुक्त अनुदान 6 (ई) में अगले वर्ष अग्रिम रूप में प्राप्त अनुदान शामिल है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 3(अ) प्रायोजित परियोजनाएँ

राशि रु.में

1. क्रं.सं.	2. परियोजना का नाम	अथशेष		5. वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/वसूलियाँ	6. योग	7. वर्ष के दौरान व्यय	इति शेष	
		3. जमा	4. नामे				8. जमा	9. नामे
	योग							

1. प्रत्येक अभिकरण के लिए उपजोड़ सहित परियोजनाएँ अभिकरणवार सूचीबद्ध करें।

2. खाना-8 (जमा) का योग उक्त शीर्ष के अधीन तुलनपत्र के देय भाग पर दर्शाया जाएगा (अनुसूची 3)।

3. खाना-9 (नामे) का योग उक्त शीर्ष के अधीन अनुसूची 8 ऋण, अग्रिम और जमा राशि में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाएगा।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 3(आ) प्रायोजित अधिसदस्यता और छात्रवृत्तियाँ

राशि रु.में

1. क्रं.सं.	2. प्रायोजक का नाम	01.04.2014 को अथ शेष		वर्ष के दौरान लेन देन		31.03.2015 को इति शेष	
		3	4	5	6	7	8
		सी आर.	डीआर.	सी आर.	डीआर.	सी आर.	डीआर.
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग						
2	मंत्रालय.....						
3	अन्य (व्यष्टिश:निर्दिष्ट करें)						
	योग						

टिप्पणी:

1. खाना 7 (जमा) का योग तुलनपत्र के (अनुसूची-3) देय गाग में उक्त शीर्ष के अधीन दर्शाय गया है।

2. खाना 8 (नामे) का योग अनुसूची 8 (त्रण, अग्रिम और जमा) में देय के रूप में तुलनपत्र के परिसंपत्तियाँ भाग पर दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 3(इ) यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
अ. योजना अनुदान:भारत सरकार		
शेष अग्रानीत		
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्तियॉ		
योग (अ)		
घटाइए: घनवापसियॉ		
घटाइए: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
घटाइए: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त		
योग (आ)		
अप्रयुक्त अग्रानीत (अ-आ)		
आ. यूजीसी अनुदान : योजना		
शेष अग्रानीत		
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ		
योग (इ)		
घटाइए: घनवापसियॉ		
घटाइए: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
घटाइए: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त		
योग (ई)		
अप्रयुक्त अग्रानीत (इ-ई)		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
इ. यूजीसी अनुदान : गैर - योजना		
शेष अग्रानीत		
वर्ष के दौरान प्राप्तियॉ		
योग (उ)		
घटाइए: घनवापसियॉ		
घटाइए: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
घटाइए: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त		
योग (ऊ)		
अप्रयुक्त अग्रानीत (उ-ए)		
ई. राज्य सरकार से अनुदान		
शेष अग्रानीत		
वर्ष के दौरान प्राप्तियॉ		
योग (ऋ)		
घटाइए: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
घटाइए: पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त		
योग (ए)		
अप्रयुक्त अग्रानीत (ऋ-ए)		
***कुल योग** (अ+आ+इ+ई)		

टिप्पणी:-

- अप्रयुक्त अनुदान में पूँजीगत लेखे पर अग्रिम शामिल है।
- अप्रयुक्त अनुदान में अगले वर्ष के लिए प्राप्त अनुदान शामिल है।
- अप्रयुक्त अनुदान में बैंक शेष, बैकमें लद्यु अवधि जमा और पूँजीगत लेखे पर अग्रिम के रूप मे परिसंपत्ति ब्याज में दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4 अचल परिसंपत्तियाँ

योजना:

राशि रु.में

क्रं.सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	ग्रास ब्लाक				2014-15 वर्ष के लिए मुल्यह्रास				निवल ब्लाक	
		अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2015
1	भूमि : पूर्ण स्वामित्व	268500			268500				0	268500	268500
2	स्थल विकास				0				0	0	
3	भवन	74508807	1932765		76441572	8250396	1528831		9779227	66662345	74508807
4	सड़के और पूल				0				0	0	
5	नल कूप और जल पूर्ति				0				0	0	
6	वाहित मल और अपवाट				0				0	0	
7	विद्युत संस्थापन और उपस्कर	128798			128798	22729	6440		29169	99629	128798
8	संयंत्र और मशीनरी	15299692			15299692	2699946	764985		3464931	11834761	15299692
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपस्कर				0				0	0	
10	कार्यालय उपस्कर	2999280	942584		3941864	298170	273140		571310	3370554	2999280
11	श्रव्य दृश्य उपस्कर				0				0	0	
12	कम्प्यूटर एवं पेरिफेरल्स	4692698	4823413		9516111	2065152	1903222		3968374	5547737	4692698
13	फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग	4081362	1523187		5604549	451152	420341		871493	4733056	4081362
14	वाहन	402060			402060	70952	40206		111158	290902	402060
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	2942533			2942533	519271	294253		813524	2129009	2942533
16	स्मार्ट कक्षा	500268			500268	500268			500268	0	500268
17	अल्प मूल्य परिसंपत्तियाँ	1725538			1725538	302045	129415		431460	1294078	1725538
18	कक्षा निर्माण डबल्यू आई पी	83209500		11540955	71668545				0	71668545	83209500
	योग (अ)	190759036	9221949	11540955	188440030	15180081	5360833		20540914	167899116	190759036
17	क्रियमाण प्रधान कार्य (आ)										

क्रं.सं.	अगोचर परिसंपत्तियाँ	अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2014
18	कंप्यूटर प्रक्रिया सामग्री								-		340568
19	ई-जर्नल	340568	150205		490773	340565	147232		487,797	2976	
20	एकस्व								-		
	योग (इ)	340568	150205		490773	340565	147232		487,797	2976	340568
	कुल योग (अ+आ+इ)	191099604	9372154	11540955	188930803	15520646	5508065	0	21028711	167902092	191099604

टिप्पणी: कटौटियाँ खाने में अंक ग्रॉस ब्लॉक के अधीन क्रियमाण प्रधान कार्य के लिए अंतरण वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों में दर्शाया गया है।

ग्रॉस ब्लाक के अधीन वर्ष के दौरान जोड़ खाने में अंक में वर्ष के दौरान क्रियमाण कार्य 1 से 14 परिसंपत्तियों का अंतरण और वर्ष के दौरान और आगे के अधिग्रतण शामिल है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4अ योजना

राशि रु.में

क्रं.सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	ग्रास ब्लाक				2014-15 वर्ष के लिए मुल्यह्रास				निवल ब्लाक	
		अथ शेष 01.04.2015	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मुल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2015
1	भूमि : पूर्ण स्वामित्व										
2	स्थल विकास										
3	भवन										
4	सड़के और पुल										
5	नल कूप और जल पूर्ति										
6	वाहित मल और अपवाट										
7	विद्युत संस्थापन और उपस्कर										
8	संयंत्र और मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपस्कर										
10	कार्यालय उपस्कर										
11	श्रव्य दृश्य उपस्कर										
12	कम्प्यूटर एवं पेरिफेरल्स										
13	फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग										
14	वाहन										
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ										
16	अल्प मूल्य परिसंपत्तियाँ										
	योग (अ)										
17	क्रियमाण प्रधान कार्य (आ)										

क्रं.सं.	अगोचर परिसंपत्तियाँ	अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मुल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2015
18	कंप्यूटर प्रक्रिया सामग्री										
19	ई-जर्नल										
20	एकस्व										
	योग (इ)										
	कुल योग (अ+आ*+इ)										

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4आ गैर - योजना

राशि रु.में

क्रं.सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	ग्रास ब्लाक		2014-15 वर्ष के लिए मुल्यह्रास				निवल ब्लाक			
		अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मुल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कटौटियाँ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2015
1	भूमि : पूर्ण स्वामित्व										
2	स्थल विकास										
3	भवन										
4	सड़के और पुल										
5	नल कूप और जल पूर्ति										
6	वाहित मल और अपवाट										
7	विद्युत संस्थापन और उपस्कर										
8	संयंत्र और मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपस्कर										
10	कार्यालय उपस्कर				शून्य						
11	श्रव्य हश्य उपस्कर										
12	कम्प्यूटर एवं पेरिफेरल्स										
13	फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग										
14	वाहन										
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ										
16	अल्प मूल्य परिसंपत्तियाँ										
	योग (अ)										
17	क्रियमाण प्रधान कार्य (आ)										

क्रं.सं.	अगोचर परिसंपत्तियाँ	अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मुल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.2015	31.03.2015
18	कंप्यूटर प्रक्रिया सामग्री										
19	ई-जर्नल										
20	एकस्व				शून्य						
	योग (इ)										
	कुल योग (अ+आ+इ)										

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4 इ - अगोचर परिसंपत्तियाँ

राशि रु.में

क्रं. सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	ग्रास ब्लाक				मुल्यह्रास ब्लाक				निवल ब्लाक	
		अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मूल्यह्रास/परिशोधन अथ शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/ परिशोधन	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2015	31.03.2015
1	पेटेन्ट एवं कॉपीराइट					शून्य					
2	कंप्यूटर प्रक्रिया सामग्री										
3	ई-जर्नल										

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4(इ) (i) पेटेन्ट और कॉपीराइट

राशि रु.में

विवरण	अथ शेष	जोड़	ग्रास	परिशोधन	निवल ब्लाक 2014-15	निवल ब्लाक 2013-14
अ. पेटेन्ट प्रदत्त 1. 2008-09 में प्राप्त पेटेन्ट पत्र 31.03.14 को शेष (मूल मूल्य रु..../-) 2 2010-11 को प्राप्त पेटेन्ट 31.03.14 को शेष (मूल मूल्य रु..../-) 3 2012-13 में प्राप्त पेटेन्ट पत्र 31.03.14 को शेष (मूल मूल्य रु..../-) 4 चालू वर्ष के दौरान प्रदत्त पेटेन्ट			शून्य			
योग						

विवरण	अथ शेष	जोड़	ग्रास	पेटेन्ट स्वीकृत/अस्वीकृत	निवल ब्लाक 2013-14	निवल ब्लाक 2012-13
आ. आवेदित पेटेन्ट के संबंध में 1 2009-10 से 2011-12 बेक किए गए व्यय 2 2012-13 में किए गए व्यय 3 2013-14 में किए गए व्यय, अनिर्णीत पेटेन्ट			शून्य			
योग						

C. कुल योग (अ+आ)						

टिप्पणी: इसके अतिरिक्त भाग अ में (स्वीकृत पेटेन्ट) वर्ष के दौरान प्रदत्त अनुदानों की संख्या, आ से स्थानांतरित (खाना स्वीकृत / अस्वीकृत पेटेन्ट) दर्शाई गई है। वर्ष के दौरान अस्वीकृत अनुदान राशि आय व्यय लेखे में बट्टे खाते में डाली गई है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 4(ई) अन्य

राशि रु.में

क्रं.सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	ग्रास ब्लाक				..... वर्ष के लिए मुल्यह्रास				निवल ब्लाक	
		अथ शेष 01.04.2014	जोड़	कटौतियॉ	इति शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौतियॉ/ समायोजन	कुल मुल्यह्रास	31.03.15	31.03.2014
1	भूमि : पूर्ण स्वामित्व										
2	स्थल विकास										
3	भवन										
4	सड़के और पुल										
5	नल कूप और जल पूर्ति										
6	वाहित मल और अपवाट				शून्य						
7	विद्युत संस्थापन और उपस्कर										
8	संयंत्र और मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपस्कर										
10	कार्यालय उपस्कर										
11	श्रव्य हश्य उपस्कर										
12	कम्प्यूटर एवं पेरिफेरल्स										
13	फर्नीचर, फिक्सचर और फिटिंग										
14	वाहन										
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ										
16	अल्प मूल्य परिसंपत्तियाँ										
	योग:										
17	क्रियमाण प्रधान कार्य (आ)										
	कुल योग										

टिप्पणी: वर्ष के दौरान जोड़ में निम्न से जोड शामिल है

उपहार में दत्त	..
उद्दिष्ट निधियॉ	..
प्रायोजित परियोजनाऍ	..
अपनी निधियॉ	..
योग	

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 5 : धर्मस्व निधियों/उद्दिष्ट निधियों से निवेश

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1 केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में		
2 राज्य सरकार प्रतिभूतियों में		
3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियॉ		
4 शेयर		
5 ऋणपत्र और बंधपत्र		
6 बैंकों में मीयादी जमा राशियाँ		
7 अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)		
योग		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची - 5 (अ) : धर्मस्व निधियों/से उद्दिष्ट निधियों से निवेश (निधिवार)

राशि रु.में

क्रं.सं.	निधि	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1			
2			
3			
4			
5	धर्मस्व निधि निवेश		
	Total		

टिप्पणी: इस उप अनुसूची का योग अनुसूची 5 के योग से मेल खाएगा।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1 केंद्र सरकार प्रतिभूतियों में		
2 राज्य सरकार प्रतिभूतियों में		
3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियॉ		
4 शेयर		
5 ऋणपत्र और बंधपत्र		
6 अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)		
योग		

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 7 - चालू संपत्तियॉ

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1. स्टॉक:		
अ) भंडार और अतिरिक्त माल		
आ) खुले औजार		
इ) प्रकाशन		
ई) प्रयोगशाला रासायनिक, उपभोज्य और काँच की वस्तुएँ		
उ) निर्माण सामग्री	6,376.00	6,376.00
ऊ) विद्युत सामग्री	14,500.00	41,650.00
ऋ) लेखन सामग्री		
ए) जल पूति सामग्री		
ऐ) डाक व्यय	18,939.00	17,929.00
2. विविध देनदार:		
अ) छह महीने मे अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण		
आ) अन्य		
3. इति और बैंक शेष :		
अ) अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खाते		
मीयादी जमा खाते		
बचत खाते		
रोकड़ शेष में (स्थायी अग्रिम)	123,600.00	112,600.00
रोकड़ शेष में (अस्थायी अग्रिम)	709,752.00	321,500.00
बैंक शेष	23,352,935.33	56,852,370.00
बैंक शेष में (राजीव गाँधी राष्ट्रीय अधि सदस्यता)	4,100.00	4,100.00
बैंक शेष खेलकूद	22,736.00	22,736.00
आ) अननूसूचित बैंक		
मीयादी जमा खाता		
बचत खाता		
4. डाकघर - बचत खाते		
योग	24,252,938.33	57,379,261.00

टिप्पणी: अनुबंध अ बैंक खातों का विवरण दर्शाता है

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुबंध - अ

राशि रु.में

I. बचत खाता लेखा	
1 यूजीसी लेखे से अनुदान	
2 विश्वविद्यालय प्राप्तियाँ लेखा	
3 छात्रवृत्ति लेखा	
4. शैक्षिक शुल्क प्राप्ति लेखा	
5. विकास (योजना) लेखा	
6. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीबीटी) लेखा	
7. यूजीसी योजना अधिसदस्यता लेखा	
8. आधारभूत निधि लेखा (ईएमएफ)	
9. प्रायोजित परियोजना निधि	
10. प्रायोजित अधिसदस्यता लेखा	
11. धर्मस्व और पीठ लेखा (ईएमएफ)	
12. यूजीसी जेआरएफ अधिसदस्यता लेखा (ईएमएफ)	
13. हेचबीए निधि लेखा (ईएमएफ)	
14. सवारी लेखा (ईएमएफ)	
15. यूजीसी राजीव गाँधी राष्ट्रीय अधिसदस्यता लेखा (ईएमएफ)	
16. शैक्षिक विकास निधि लेखा (ईएमएफ)	
17. जमा खाता	
18. छात्र निधि लेखा	
19. छात्र सहायता लेखा	
20. विशिष्ट योजनाओं के लिए योजना अनुदान	
II. चालू खाता	
III. अनुसूचित बैंकों में मीयादी जमा	
योग	

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम और जमा राशियाँ

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1. कर्मचारियों का अग्रिम: (ब्याज सहित)		
अ) वेतन		
आ) त्यौहार	242,749.00	204,574.00
इ) चिकित्सा अग्रिम	14,533.00	
ई) अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)		
कम्प्यूटर अग्रिम	828,800.00	785,200.00
सवारी अग्रिम	606,090.00	718,459.00
बाढ़ ऋण अग्रिम	3,800.00	3,800.00
अशक्ततायुक्त व्यक्ति	13,893.00	13,893.00
2. दीर्घावधि अग्रिम कर्मचारियों को : (ब्याज सहित)		
अ) वाहन ऋण		
आ) गृह ऋण	266,593.00	390,465.00
इ) अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)		
3. नकद या माल का प्राप्य मूल्य के लिए प्राप्य अग्रिम या अन्य राशियॉ:		
अ) पूँजीगत लेखे पर		
आ) पूर्तिकर्ताओं के लिए		
इ) अन्य	53,258.00	

4. पूर्वदत्त व्यय		
अ) बीमा	46,607.00	51,856.00
आ) ई जर्नल चंदा	450,615.00	
इ) एएमसी प्रयो. एवं कार्यालय उपस्कर	186,913.00	
5. जमा राशियॉ		
अ) टेलीफोन	108,893.00	108,893.00
आ) फ्ट्टा किराया		
इ) विद्युत		
ई) एआईसीटीई (यदि लागूले)		
उ) अन्य (निर्दिष्ट किया जाना है)		
उद्योग में प्रतिभूति जमा	275.00	275.00
एमईएस से प्रतिभूति जमा	411,969.00	411,969.00
ईसी प्रतिभूति जमा	2,551.00	2,551.00
ईसीहेच जमा	1,000.00	1,000.00
अ.इ.के.लो.नि.वि. में जमा राशि	152.00	152.00
वाहन अनुरक्षण जमा राशि	20,000.00	20,000.00
के.लो.नि.वि. में जमा राशि	54,388,673.00	
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन. में जमा राशि	500.00	500.00
डाकघर में जमा राशि	100.00	100.00
ईंधन फर्म में जमा राशि	15,000.00	15,000.00
न्यायालय में जमा राशि	936,688.00	936,688.00
एमएलएनएन में जमा राशि	10,000.00	10,000.00
6. उपचित आय:		
अ) उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियों से निवेशों पर		
आ) निवेशों पर अन्य		
इ) ऋणों और अग्रिमों पर		
ई) अन्य (आयु अप्रयुक्त बाकी शामिल है)		
म कि भ उपचित ब्याज		239,822.00

7. अन्य - यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं पर प्राप्य चालू परिसंपत्तियाँ		
अ) प्रायोजित परियोजनाओं पर नामे शेष		
आ) प्रायोजित अधि सदस्यता और छात्रवृत्तियों में नामे शेष		
एआईसीटीई ग्रीष्मकालीन स्कूल		131,303.00
एआईसीटीई शीतकालीन स्कूल		522,332.00
शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड	1,968.00	1,968.00
एआईसीटीई प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम		146,686.00
इ) प्राप्य अनुदान	50,867,000.00	
ई) यूजीसी से प्राप्य अन्य राशि		
8. प्राप्य दावे		
परामर्श प्रभार प्राप्य		1,153,497.00
योग	109,478,620.00	5,870,983.00

टिप्पणी:

1. यदि मकन निर्माण कर्मचारियों को कंप्यूटर और वाहन अग्रिम की परिक्रामी निधियों का सृजन हुआ होता तो अग्रिम उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियों के अंश के रूप में दर्शाया जाएगा।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 9 - शैक्षिक प्राप्तियाँ

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
छात्रों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. पीहेचडी के लिए शुल्क	680,000.00	920,000.00
एमटेक के लिए शुल्क	425,400.00	120,000.00
2. पीहेचडी के लिए प्रवेश शुल्क	2,000.00	
एमटेक के लिए प्रवेश शुल्क	79,000.00	52,000.00
3. नामांकन शुल्क/पाठ्यक्रम शुल्क	24,100.00	25,250.00
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला और दस्तकारी शुल्क		
7. पंजीकरण शुल्क		
8. पाठ्यविवरण शुल्क		
योग (अ)	1,210,500.00	1,117,250.00
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	10,250.00	
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क		
3. अंक सूची, प्रमाण पत्र शुल्क		
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
योग (आ)	10,250.00	-

अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क		
2. जुर्माना/फुटकर शुल्क		
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क		
5. हास्टल शुल्क		
योग (इ)		
प्रकाशन बिक्री		
1. प्रवेश पत्र बिक्री		
2. पाठ्य विवरण और प्रश्न पत्र आदि की बिक्री		
3. प्रवेश पत्र सहित विवरण पत्रिका की बिक्री		
योग (ई)		
अन्य शैक्षिक प्राप्तियाँ		
1. कार्यशाला कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक स्टाफ कालेज)		
3. आईडीडीआई प्राप्तियाँ	52,550.00	183,900.00
योग (उ)	52,550.00	183,900.00
कुल योग (A+B+C+D+E)	1,273,300.00	1,301,150.00

टिप्पणी:

यदि प्रवेश पत्र, चंदा आदि सामग्रियाँ हों और पूँजीगत प्राप्तियों की प्रकृति के हों तो ऐसी राशि पूँजीगत निधि मानी जानी चाहिए। नहीं तो ऐसे शुल्क इस अनुसूची में समुचित रूप से समाविष्ट किए जाएँगे।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 10 - प्राप्त अनुदान/आर्थिक सहायताएँ (वसूलीयोय अनुदान)

राशि रु.में

विवरण	योजना भा.स.			कुल योजना	गैर योजना भा.स.			कुल गैर योजना	चालू वर्ष योग 2014-15	गत वर्ष योग 2013-14
	यूजीसी	योजना पूँजी	योजना सामान्य		यूजीसी	गैर योजना वेतन	गैर योजना सामान्य			
शेष अग्रानीत		790,523.00	239,945.00	1,030,468.00		5,420,616.00	8,883,965.00	14,304,581.00	15,335,049.00	25,268,619.00
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ		57,299,000.00	28,310,000.00	85,609,000.00		77,705,000.00	41,495,000.00	119,200,000.00	204,809,000.00	145,339,000.00
योग		58,089,523.00	28,549,945.00	86,639,468.00		83,125,616.00	50,378,965.00	133,504,581.00	220,144,049.00	170,607,619.00
घटाइए: यूजीसी को धन वापसी										
शेष		58,089,523.00	28,549,945.00	86,639,468.00		83,125,616.00	50,378,965.00	133,504,581.00	220,144,049.00	170,607,619.00
घटाइए: पूँजीगत व्यय (अ) के लिए प्रयुक्त		9,372,154.00		9,372,154.00				-	9,372,154.00	42,837,267.00
शेष		48,717,369.00	28,549,945.00	77,267,314.00		83,125,616.00	50,378,965.00	133,504,581.00	210,771,895.00	127,770,352.00
घटाइए: राजस्व व्यय (आ) के लिए प्रयुक्त			24,164,056.00	24,164,056.00		67,430,645.00	48,751,590.00	116,182,235.00	140,346,291.00	112,435,303.00
शेष अग्रनयित (इ)		48,717,369.00	4,385,889.00	53,103,258.00		15,694,971.00	1,627,375.00	17,322,346.00	70,425,604.00	15,335,049.00

A- वर्ष के दौरान पूँजीगत निधि और अचल संपत्तियाँ में जोड़ के रूप में दर्शया गया है।

B- आय-व्यय लेखे में आय के रूप में दर्शया गया है।

C- (1) तुलनपत्र में आय के रूप में दिखाया गया है और अगले अथ शेष बन जाएगा।
(2) परिसंपत्ति भाग में बैंक शेष, निवेश और अग्रिम के रूप में दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 11 - निवेशों से आय

राशि रु.में

विवरण	उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियाँ		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1. ब्याज				
अ. सरकारी प्रतिभूतियों पर				
आ. अन्य बंध पत्र / ऋण पत्र				
2. मीयादी जमा राशियों/एसएफडी पर ब्याज			2,493,431.00	3,068,597.00
3. उपचित ब्याज लेकिन मीयादी जमा राशियों/कर्मचारियों को दिए गए ब्याज सहित अग्रिमों पर बे बाकी पर नहीं				
4. बचत खाते लेखों पर ब्याज				
5. अन्य:				1,043.00
योग			2,493,431.00	3,069,640.00
उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियों को अंतरिक्त				
शेष	शून्य	शून्य		

टिप्पणी: उपचित ब्याज किंतु म.कि.भं. से मीयादी जमा, सवारी अग्रिम निधि और कम्प्यूटर अग्रिम निधि कर्मचारियों को दिए गए अग्रिमों पर बे बाकी पर नहीं जहाँ ऐसे अग्रिमों के लिए परिक्रामी निधियों (ईएमएफ) की व्यवस्था हो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 12 - उपचित ब्याज

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातो पर		
2. ऋणों पर		
अ. कर्मचारी/स्टाफ		
आ. अन्य : i) सवारी अग्रिम पर ब्याज	40,207.00	21,136.00
ii) कम्प्यूटर अग्रिम पर ब्याज	2,300.00	
3. देनदारों और अन्य प्राप्य राशियों पर		
योग	42,507.00	21,136.00

टिप्पणी:

1. अनुसूची 11 (प्रथम भाग) और अनुसूची 2 के मद 1 में बैंक लेखे से संबद्धित उद्दिष्ट/धर्मस्व निधि में उल्लिखित है।
2. मद 2(a) तभी लागू है जब परिक्रामी निधि ऐसे अग्रिमों के लिए गठित न हो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 13 - अन्य आय

विविध आय में शामिल भौतिक राशियों के मद पृथक रूपसे दिखाया जाना चाहिए

राशि रु.में

अ. भवन और भूमि से व्यय	**चालू वर्ष 2014-15**	**गत वर्ष 2013-14**
1. हॉस्टल कक्ष किराया	284,730.00	109,987.00
2. लाइसेन्स शुल्क	100,626.00	124,964.00
3. प्रेक्षागृह/बेल का मैदान/सम्मेलन केंद्र आदि के भाड़े		
4. प्राप्त विद्युत प्रभार		
5. वसूल किया गया जल प्रभार		
6. निविदा शुल्क	7,805.00	9,895.00
7. कर्मचारी मकान किराया	904,946.00	1,037,987.00
8. अतिथि गृह	3,619,110.00	2,425,448.00
9. संस्थान परिसर के लिए किराया	555,366.00	20,000.00
योग	5,472,583.00	3,728,281.00
आ. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		
1. किताबों और सीडीयों की बिक्री	20,852.00	8,550.00
इ. समारोह संचालन से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सा से सकल प्राप्तियाँ		
घटाइए: वार्षिक समारोह/खेल उत्सा पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय		
2. मेलों से प्राप्त सकल प्राप्तियाँ		
घटाइए: मेलों से प्राप्त सकल प्राप्तियाँ		
3. शैक्षिक दौरे के लिए सकल व्यय		
घटाइए: दौरे पर हुए व्यय प्रत्यक्ष व्यय		
4. अन्य		
संस्थान उपरि परियोजना	20,324.00	796,046.00
स.प्र.पा आय		11,829,388.00
आईडीडीएस	106,555.00	363,900.00
विविध राजस्व प्राप्तियाँ	22,135.00	119,416.00
योग	5,642,449.00	16,845,581.00

	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
ई. **अन्य**		
1. परामर्श से आय		
2. सूचना अधिकार शुल्क	180.00	
3. रायल्टी से आय	170,713.33	174,833.00
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)		
5. विविध आवतियाँ (निविदा फार्म, रद्दी आदि की बिक्री)		
6. आस्तियों की बिक्री/जिपटरि पर लाभ		
अ) स्वामित्ववाली आस्तियों		
आ) नि:शुल्क प्राप्त आस्तियों		
7. संस्थानों, निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान		
8. अन्य (निर्दिष्ट करे)		
छठा पीसीपी वेतन वसूली वेतन	68,089.00	110,500.00
योग	238,982.33	285,333.00
कुल योग (अ+आ+इ+ई)	5,881,431.33	17,130,914.00

अनुसूची 14 - पूर्वावधि-आय

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ		
2. निवेशों से आय		
3.अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय		
योग	-	-

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 15 - स्टाफ अदायगियाँ एवं लाभ (स्थापना व्यय)

शिक्षक, शिक्षकेतर, तदर्थ स्टाफ के लिए इसको पृथक रूप से वर्गीकृत किया जाएगा।
महँगाई यता बकाया, वेतन बकाया पृथक रूप से दर्शाया जाएगा।

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
अ) वेतन और मजदूरी	-	67,430,645.00	67,430,645.00		64,906,740.00	64,906,740.00
आ) भत्ते और बोनस (तदर्थ बोनस)		214,147.00	214,147.00		227,388.00	227,388.00
इ) भविष्य निधि के किए अंशदान			-			-
ई) अन्य निधि के किए अंशदान (निर्दिष्ट करें)			-			-
उ) कर्मचारी कल्याण व्यय			-			-
ऊ) सेवानिवृत्ति और सेवांत हितल			-			-
ऋ) छु या रि सुविधा		535,901.00	535,901.00		88,130.00	88,130.00
ए) चिकित्सा सुविधा/प्रतिपूर्ति		2,654,455.00	2,654,455.00		1,732,178.00	1,732,178.00
ऐ) संतान शिक्षाभत्ता		986,907.00	986,907.00			783,680.00
ओ) अन्य			-		28,175,874.00	28,175,874.00
औ) अन्य: व्यावसायिक विकास भत्ता		376,114.00	376,114.00		613,759.00	613,759.00
योग		72,198,169.00	72,198,169.00		95,744,069.00	96,527,749.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 15-अ - स्टाफ अदायगियाँ एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि रु.में

01.04.2014 को अथ शेष जोड:अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदानों का पूँजीकृत: मूल्य	पेंशन	उपदान	नकदीकरण	योग
योग (अ)				
घटाएँ: वर्ष के दौरान (आ) वास्तविक भुगतान	29,218,493.00	3,741,775.00	3,803,920.00	36,764,188.00
31.03 इ (अ-आ) को शेष				-
बीमांकक मूल्यांकन के अनुसार (ई) 31.03 को आवश्यक प्रावधान				-
अ. चालू वर्ष में (ई-इ) में आवश्यक प्रावधान				-
आ. नई पेंशन योजना के लिए प्रावधान	5,622,399.00			5,622,399.00
इ. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति				-
ई. सेवानिवृत्ति के बाद गृहनगर की यात्रा				-
उ. जमा संबंधित बीमा अदायगी				-
ऊ. पेंशन संराशीकरण	1,597,479.00			1,597,479.00
	36,438,371.00	3,741,775.00	3,803,920.00	43,984,066.00
योग (अ+आ+इ+ई+उ)				

टिप्पणी:

1. इस उप अनुसूची का योग (अ+आ+इ+ई+उ) अनुसूची 15 में सेवानिवृत्ति और सेवांत हितलाभ का अंक होगा।
2. मद आ इ ई और उ वास्तविक आधार पर लेखाकृत होगा और 31/3 को भुगतान के लिए बकाया से इतर प्रस्तुत बिल शामिल होंगे।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
अ) प्रयोगशाला व्यय						
आ) क्षेत्रकार्यों सम्मेलनों में प्रतिभागिता						
इ) संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर व्यय						
ई) आगत संकाय को अदायगी						
उ) परीक्षा						
ऊ) छात्र कल्याण व्यय						
ऋ) दाखिला व्यय						
ए) दीक्षांत समारोह व्यय						
ऐ) प्रकाशन						
ओ) वृत्तिका/जीविकासाधन सह योग्यता छात्रवृत्ति						
औ) चंदा व्यय						
अं) अन्य (निर्दिष्ट करें)						
योग		-	-		-	-

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

राशि रु.में

	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
अ आंतरिक संरचना			-			-
अ) विद्युत शक्ति		2,808,188.00	2,808,188.00		2,959,664.00	2,959,664.00
आ) जल प्रसार		714,033.00	714,033.00		1,167,749.00	1,167,749.00
इ) बीमा			-			-
ई) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)			-			-
संपत्ति कर		65,191.00	65,191.00		130,382.00	130,382.00
सेवा कर			-		640,186.00	640,186.00
जल कर		54,416.00	54,416.00		130,382.00	130,382.00
आ संचार			-			-
उ) डाक व्यय और लेखन सामग्री		63,414.00	63,414.00		84,277.00	84,277.00
ऊ) टेलीफोन फैक्स और इंटरनेट प्रभार		349,665.00	349,665.00		309,305.00	309,305.00
इ अन्य			-			-
ऋ) मुद्राडा और लेखन सामग्री (उपभोग)			-			-
ए) यात्रा और सवारी व्यय		215,116.00	215,116.00		439,301.00	439,301.00
ऐ) आतिथ्य			-			-
ओ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		256,600.00	256,600.00		136,310.00	136,310.00
औ) व्यावसायिक प्रभार विधिक प्रभार		1,690,900.00	1,690,900.00		2,219,900.00	2,219,900.00
अं) विज्ञापन और प्रचार		438,799.00	438,799.00		425,537.00	425,537.00
अः) मैगजीन और पत्रिकाएँ			-			-
एन) अन्य :			-			-
आकस्मिक व्यय		695,852.00	695,852.00		553,632.00	553,632.00
सुरक्षा प्रभार		2,295,259.00	2,295,259.00		1,448,926.00	1,448,926.00
विविध व्यय			-		1,340,733.00	1,340,733.00
योग		9,647,433.00	9,647,433.00		11,986,284.00	11,986,284.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1 वाहन (संस्थान के)			-			-
अ) परिचालन व्यय			-			-
आ) मरम्मत और अनुरक्षण		208,866.00	208,866.00		223,859.00	223,859.00
इ) बीमा व्यय		5,249.00	5,249.00		36,722.00	36,722.00
2 किराए/लीस पर लिए वाहन			-			-
अ) किटाया/लीस व्यय			-			-
3 वाहन (टेक्सी) भाड़ा व्यय			-			-
Total		214,115.00	214,115.00		260,581.00	260,581.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 19 - मरम्मत और अनुरक्षण

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
a) भवन			-			-
b) फर्नीचर और फिक्चर			-			-
c) संयंत्र और मशीनरी			-			-
d) कार्यालय उपस्कर			-			-
e) कम्प्यूटर			-			-
f) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपस्कर			-			-
g) श्रव्य हश्य उपस्कर			-			-
h) सफाई सामग्री और सेवाएँ		1,434,376.00	1,434,376.00		293,668.00	293,668.00
i) जिल्दसाजी व्यय			-			-
j) बाग बानी			-			-
k) संपदा अनुरक्षण			-			-
l) अन्य: अतिथिगृह व्यय		332,808.00	332,808.00		308,070.00	308,070.00
m) विद्युत अनुरक्षण		27,150.00	27,150.00		1,311,690.00	1,311,690.00
n) हॉस्टल व्यय		515,996.00	515,996.00		332,923.00	332,923.00
योग		2,310,330.00	2,310,330.00		2,246,351.00	2,246,351.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 20 - वित्त लागत

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
अ) बैंक प्रभार						
आ) अन्य सेवा कर पर ब्याज			-		33,541.00	33,541.00
योग					33,541.00	33,541.00

टिप्पणी:

यदि राशि अधिक नहीं हो तो बैंक प्रभार छोड़ा जा सकता है और अनुसूची 17 में प्रशासनिक व्यय के रूप में लिया जा सकता है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
अ) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान						
आ) अशोध्य शेष बट्टे खाते में डाला गया						
इ) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/आर्थिक सहायता						
ई) अन्य (निर्दिष्ट करें)						
योग	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:-

अन्य व्यय बट्टे खाते राशि, प्रावधान, विविध व्यय, निवेश बिक्री पर हानिअचल आस्ति हानि, अचल आस्ति बिक्री पर हानि आदि के रूप में वर्गीकृत है और तदनुसार प्रकट किए गए है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

अनुसूची 22 - पूर्वावधि व्यय

राशि रु.में

विवरण	चालू वर्ष 2014-15			गत वर्ष 2013-14		
	योजना	गैर योजना	योग	योजना	गैर योजना	योग
1 स्थापना व्यय						
2 शैक्षिक व्यय						
3 प्रशासनिक व्यय						
4 परिवहन व्यय						
5 मरम्मत और अनुरक्षण						
6 अन्य व्यय						
योग	-	-	-	-	-	-

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

तरमणि, चेन्नै - 600 113

क्रं.सं.		चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
23	योजना सामान्य व्यय		
	कर्मचारी विकास कार्यक्रम	8138287.00	7333577.00
	शिक्षुता प्रशिक्षार्थियों का वृत्तिका	39203.00	40177.00
	दीर्घावधि प्रशिक्षार्थियों का वृत्तिका		
	भवन अनुरक्षण (योजना)	11623975.00	4421416.00
	विकास व्यय	1257914.00	1425662.00
	विकास व्यय (हिन्दी सलाहकार)		
	जीएसआई मान चित्रण औजार		
	शिक्षक संकाय को सदस्यता शुल्क		
	फर्नीचर अनुरक्षण	2625.00	
	पत्रिकाएँ	109347.00	78407.00
	मुद्रण और लेखन सामग्री	301609.00	371993.00
	प्रयो.शा/कार्यालय उपस्कर व्यय	955275.00	1356738.00
	अनुसंधान अधिसदस्यता	45000.00	213000.00
	समुदाय पालिटेकनीक संस्था		
	प्रशिक्षार्थियों को आकस्मिक अनुदान		
	खा.भ. और म.थ राष्ट्रीय सम्मेलन		
	अतिथि वक्ताओं को पारिश्रमिक	213500.00	158750.00
	पुनरीक्षण समिति बैठक		
	प्रयो. के लिए उपभोज्य सामग्री		5296.00
	राष्ट्रीय संगोष्ठी		
	राष्ट्रीय परिचर्या		
	डब्ल्यूआईडीडीएस	109750.00	426090.00
	प्राप्य पाठ्यक्रम शुल्क		
	वीएनआईटीटीटीआर एडयूसाइट		
	वेब प्रभार	109551.00	184328.00
	आईडीडीएस	124800.00	526175.00
	अंतः खेल कूद प्रतियोगिता	166131.00	149625.00
	एनएमईआईसीटी पर कार्यशाला	967089.00	
	योग	24164056.00	16691234.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

अनुसूची - 24 - उल्लेखतीय लेखाकरण नीतियाँ

1. इस संस्थान के वित्तीय विवरण (यथा तुलन पत्र और आय व्यय लेखा) मा.सं.वि.मं. द्वारा निर्छारित नए संरूप पर तैयार किए जाते है।

2. तुलन पत्र और आय व्यय लेखे की तैयारी और प्रस्तुति में अपना सभी उल्लेखनीय लेखा नीतियों का विवरण तुलन पत्र में शामिल है।

3. यह संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास द्वारा वित्त पोषित है, अनुदान प्राप्त करता है और निम्नलिखित तीन लेखा समूह समुचित अनुसूचियों के साथ एन आई टी टी टी आर, ओटीसी, परियोजना, सो.भ.नि. और के लिए पृथक पृयक संकलन करता है।

   - तुलन पत्र
   - आय-व्यय लेखा
   - प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा

4. मूल्यह्रास:

   आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर के अनुसार मूल्यह्रासित मूल्य विधि पर मूल्यह्रास्ति का प्रावधान है।

5. पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए प्राधान वास्तविक और आधारित है। फिर भी वर्ष 2015-16 से उसका प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाएगा।

6. चूँकि राज्य सरकार ने संस्थान को भूमि सुपुर्द नहीं की है भूमि का मूल्य ज्ञात नहीं है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

अनुसूची - 25 - लेखे पर टिप्पणी

1. निम्न के संबंध में:

   1.1 बैंक गॉरटी / संस्थान द्वारा / की ओर से प्रदत्त एल सी रु.2,00,000/-

2. कराधान :

   आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर योग्य आय के न होने से आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया।

   इस संस्थान को पक्षों से प्राप्त शुल्क / प्रभार सहित आयकर पर टीडीएम से छूट प्राप्त है। इस संबंध में आयकर अधिनियम, 1961 की संबंधित 10(23c) (iii ab) की धारा नीचे उद्घृत है।

   "कोई विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षिक संस्थान केवल शैक्षिक कार्य के लिए हो और लाभार्जन के लिए न हो और जो सरकार से पूर्णत: अथवा ठोस रूप से वित्त पोषित हो वह आयकर से छूट प्राप्त है"।

3. गत वर्ष के अनुरुपी आँकड़े अवश्यकतानुसार पुन: समूहित/पुन: व्यवस्थित किए गए हैं।

4. 1 से 25 तक की अनुसूचियाँ 31.03.2015 के तुलन पत्र और आय-व्यय के साथ संलग्नित है या उसके अविभाज्य अंग है।

5. एनपीएस ब्याज सहित राशि अपलोड़ की गई है और एन एस डी एल लेखे में जमा की गई है।

6. वित्तीय विवरण रोकड़ आधार पर तैयार किया जाता है।

7. जमा राशि पर ब्याज रोकड़ आधार पर तैयार किया जाता है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

2014-15 के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र
गैर - योजना (वेतन)

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	प्रमाणित किया जाता है कि हाशिए में दिए गए इस मंत्रालय/विभाग के पत्र सं. के अधीन 2014-15 के दौरान निदेशक, एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम स्वीकृत सहायता अनुदान 7,77,05,000/- रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि 54,20,616/- रु. में से गैर-योजना (वेतन) के व्यय को चुकाने के उद्देश्य से 6,74,30,645/- रु. की राशि का उपयोग, जिसके लिए वह स्वीकृत हुई, किया गया और अप्रयुक्त गैर-योजना अनुदान (वेतन) की शेष राशि 1,56,94,971/- रु.वर्ष 2015-16 के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित किए की जाएँगी।
1.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 10.06.2013	1,78,20,000	
2.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 08.09.2014	1,78,20,000	
3.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 03.11.2014	1,78,20,000	
4.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 20.03.2014	2,42,45,000	
	योग	7,77,05,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नै - 600 113

फार्म जी एफ आर 19A
(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

2014-15 - के लिए उपयोगिता प्रभाव पत्र
गैर-योजना (सामान्य)

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	
1.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 10.06.2013	1,20,93,000	प्रमाणित किया जाता है कि हाशिए में दिए गए इस मंत्रालय/विभाग के पत्र सं. के अधीन 2014-15 के दौरान निदेशक, एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम स्वीकृत सहायता अनुदान 4,14,95,000/- रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि 88,83,965/-रु. में से गैर-योजना (सामान्य) के व्यय को चुकाने के उद्देश्य से 4,87,51,590/- रु. की राशि का उपयोग, जिसके लिए वह स्वीकृत हुई, किया गया और अप्रयुक्त गैर-योजना अनुदान (सामान्य) की शेष राशि 16,27,375/- रु. वर्ष 2015-16 के दौरान देय सहायता अनुदान में समायोजित किए की जाएँगी।
2.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 08.09.2014	1,20,93,000	
3.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 03.11.2014	1,20,93,000	
4.	Lr. No.6-6/2014 TS.IV, dt: 18.03.2014	52,16,000	
	योग	4,14,95,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - 600 113

फार्म जी एफ आर 19A

(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

2014-15 - के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र

योजना (सामान्य)

(आवर्ती)

अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	प्रमाणित किया जाता है कि हाशिए में दिए गए इस मंत्रालय/विभाग के पत्र सं. के अधीन 2014-15 के दौरान निदेशक, एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम स्वीकृत सहायता अनुदान 2,83,10,000/- रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि 2,39,945/- रु. में से योजना (सामान्य) के व्यय को चुकाने के उद्देश्य से 2,41,64,056/- रु. की राशि का उपयोग, जिसके लिए वह स्वीकृत हुई, किया गया और अप्रयुक्त योजना अनुदान (सामान्य) की शेष राशि 43,85,889/- रु. वर्ष 2015-16 के दौरान समायोजित किए जाएँगे।
1.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 20.06.2012 (सामान्य) रु.54,84,000 (एस सी) रु.10,61,000 (एस टी) रु. 5,31,000	70,76,000	
2.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 10.09.2014 (सामान्य) रु.54,84,000 (एस सी) रु.10,61,000 (एस टी) रु. 5,31,000	70,76,000	
3.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 10.12.2014 (सामान्य) रु.54,84,000 (एस सी) रु.10,61,000 (एस टी) रु. 5,31,000	70,76,000	
4.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 18.03.2015 (सामान्य) रु.54,84,000 (एस सी) रु.10,64,000 (एस टी) रु. 5,38,000	70,82,000	
	योग	2,83,10,000	

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - 600 113

फार्म जी एफ आर 19A

(जी एफ आर 2005 का नियम 212(1) देखें)

2014-15- के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र
(योजना पूँजीगत आस्त्यिाँ अनावर्ती)
अंतिम

क्रम सं.	पत्र सं. व दिनांक	रकम रु.	प्रमाणित किया जाता है कि हाशिए में दिए गए इस मंत्रालय/विभाग के पत्र सं. के अधीन 2014-15 के दौरान निदेशक, एनआईटीटीटीआर, चेन्नई के नाम स्वीकृत सहायता अनुदान 5,72,99,000/- रु. और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि 7,90,523/- रु. में से योजना (पूँजीगत आस्तियाँ) के व्यय को चुकाने के उद्देश्य से 5,23,72,154/- रु. की राशि का उपयोग, जिसके लिए वह स्वीकृत हुई, किया गया और अप्रयुक्त योजना अनुदान (पूँजीगत आस्तियाँ) की शेष राशि 57,17,369/- रु. वर्ष 2015-16 के दौरान समायोजित किए जाएँगे।
1.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 20.06.2014 (सामान्य) रु.1,10,99,000 (एस सी) रु.21,49,000 (एस टी) रु.10,77,000	1,43,25,000	
2.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 10.09.2014 (सामान्य) रु.1,10,99,000 (एस सी) रु.21,49,000 (एस टी) रु.10,77,000	1,43,25,000	
3.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 10.09.2014 (सामान्य) रु.1,10,99,000 (एस सी) रु.21,49,000 (एस टी) रु.10,77,000	1,43,25,000	
4.	Lr. No.6-7/2014 TS.IV, dt: 18.03.2015 (सामान्य) रु.1,10,94,000 (एस सी) रु.21,42,000 (एस टी) रु.10,88,000	1,43,24,000	
	योग	5,72,99,000	

पूँजीगत व्यय - 93,72,154/-

ले नि वि को कक्षा काम्प्लेक्स के निर्माण के लिए - 4,30,00,000/-

मैं पूर्णत: संतुष्ट होकर प्रमाणित करता हूँ कि जिन शर्तों पर सहायता अनुदान मंजूर किया गया उनका विधिवत पालन हुआ है और यह पता लगाने के लिए कि रुपए इसी उद्देश्य के लिए खर्च किए गए मैने निम्नलिखित जाँच की।

जाँच किये गये प्रकार

1. मासिक व्यय
2. त्रैमिसिक व्यय
3. बैंक समाधान

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - ६०० ११३।

प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

फार्म ऑफ पिनियन्शिल स्टेटमेन्टस (केन्द्रीय उच्चतर शिक्षक संस्थान)
राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - 600 113

31.03.2015 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

राशि रु.में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14	अदायगियाँ	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
I. अथ शेष			**I.व्यय**		
अ) रोकड़ शेष	434,100.00	405,100.00	अ) स्थापना व्यय	109,268,058.00	67,827,255.80
आ) बैंक शेष			आ) शैक्षिक व्यय		
i) चालू खाता			इ) प्रशासनिक व्यय	11,984,219.00	7,764,431.83
ii) जमा खाता			ई) परिवहन व्यय		
iii) बचत खाता	56,879,206.00	69,139,906.00	उ) मरम्मत और अनुरक्षण		
			ऊ) पूर्वावधि व्यय		
II. प्राप्त अनुदान			**II. उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियों के लिए अदायगियाँ**		
अ) भारत सरकार से					
आ) राज्य सरकार से					
राजस्व व्यय के लिए	96,643,000.00	75,941,183.00			
पूँजीगत व्यय के लिए	57,299,000.00	30,739,000.00			
इ) अन्य स्रोतों से (विवरण)					
(पूँजीगत व राजस्व व्यय के लिए अनुदान, यदि उपलब्ध हो तो पृथक रूप से दिखाना चाहिए)					
III. शैक्षिक प्राप्तियाँ			**III. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं को अदायगियाँ**		
IV. उद्दिष्ट/धर्मस्व निधि से प्राप्तियाँ		41,739,000.00	IV.प्रायोजित अधिसदस्यता/छात्रवृत्ति को अदायगियाँ		
V. प्रायोजित/परियोजना/योजनाओं ने प्राप्तियाँ	6,897,106.00	4,533,613.00	V. निम्न से बने निवेश/जमा		
			अ) उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियाँ में से		
			आ) अपनी निधियों में से (निवेश - अन्य में से)		
VI. प्रायोजित अधि सदस्यता और छात्रवृतियों से प्राप्तियाँ			VI. अनुसूचित बैंकों में जमा		
VII. निम्न निवेशों से आय			VII. अचल आस्तियों/पूँजीगत क्रियमाण कामों पर व्यय		
अ) उद्दिष्ट/धर्मस्व निधियाँ			अ) अचल आस्तियाँ	9,678,945.00	8,481,267.00
आ) अन्य निवेश	2,493,431.00	174,833.24	आ) क्रियमाण पूँजीगत कार्य	24,217,711.00	8,892,224.00

VIII. प्राप्त ब्याज			VIII. सांविधिक अदायगियाँ सहित अन्य अदायगियाँ		
अ) बैंक जमा			बकाया व्यय	6,880,534.00	6,713,090.00
आ) ऋण व अग्रिम		1,728,811.00			
इ) बचत खाता	42,507.00				
IX. नकदीकृत निवेश			IX. अनुदानों की वापसी		
X. नकदीकृत अनुसूचित्त बैंक मीयादी जमा			X. जमा और अग्रिम	53,258.00	46,654,265.00
			के लो नि वि में जमा	43,000,000.00	
			वापसी यो.ण जमा		118,566.00
XI. अन्य आय (पूर्वावधि आय सहित)			XI.अन्य अदायगियाँ/देखताएँ		77,191,318.41
i) शुल्क और कर	105,090.00	494,001.00	i) विविध देनदार		33,774,866.20
			ii) शुल्क और कर		6,640,877.00
XII. जमा और अग्रिम	785,023.00	7,679,948.00	XII. इति शेष		
i) अन्य देयताएँ	7,235,005.00	88,373,347.00	अ) हाथ रोकड़	833,352.00	434,100.00
ii) विविध देनदार	224,755.00	31,524.00	आ) बैंक शेष		
			चालू खाता		
			बचत खाता	23,379,771.33	56,852,370.00
			जमा खाता		
XIII. सांविधिक प्राप्तियाँ सहित फुटकर प्राप्तियाँ					
XIV. और कोई प्राप्तियाँ	257,625.00	364,365.00			
योग	**229,295,848.00**	**321,344,631.24**	**योग**	**229,295,848.33**	**321,344,631.24**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

सा.भ.नि. और न.पें.यो. लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - 600 113

भविष्यि निधि लेखा

मार्च 31, 2015 को तुलनपत्र

	देयताएँ		2014-15	अस्तियाँ	2014-15
	सा.भ.नि.			निवेश ब्याज	
	अथ शेष	29,315,872.76		31/03/15 का उपचित	
	घटाइए: मार्च 2014 में अभिदान			मार्च 2015 के लिए बकाया अंशदान	
	जोडिए: वर्ष में अभिदान	7,660,520.00		सा.भ.नि.	
	जोडिए: मार्च 2015 में अभिदान			अं.भ.नि. को अ.भ.नि. यू.सी बकाया	6,816.00
	जोडिए: जमा किया ब्याज	1,869,316.00	38,845,708.76	न.पे.यो.-II	
	घटाइए: अग्रिम/आंशिक/अंतिम निकासी		8,336,471.00		
	इति शेष अं.भ.नि.		30,509,237.76	अस्थाथी अग्रिम	4,165,810.30
	अदावी शेष		11,170.00	निवेशों पर ब्याज की वसूली जिसकी धन वापसी आय कर विभाग से बकाया है	
	कर्मचारी अभिदान		(231,862.00)		
	अथ शेष		3,286.45	बैंक में रोकड़	5,939,066.41
	घटाइए: मार्च 2014 में अभिदान				
	जोडिए: वर्ष में अभिदान			सावधि जमा	26,797,459.00
	जोडिए: मार्च 2015 में अभिदान				
	जोडिए: जमा किया ब्याज				
	घटाइए: अग्रिम/आंशिक/अंतिम निकासी				
	एनपीए कान्ट्रा		1,469,721.00		
	इति शेष				

	<u>विश्वविद्यालय अंशदान</u>				
	अथ शेष				
	घटाइए: मार्च 2014 में अभिदान				
	जोडिए: वर्ष में अंशदान				
	जोडिए: मार्च 15 में अंशदान				
	जोडिए: जमा किया ब्याज				
	घटाइए: अग्रिम/निकासी				
	इति शेष				
	<u>एनएफएस टियर-II लेखा</u>				
	अथ शेष				
	घटाइए: मार्च 2014 में अभिदान				
	जोडिए: वर्ष में अभिदान				
	जोडिए: मार्च 2015 में अभिदान				
	जोडिए: जमा किया ब्याज				
	घटाइए: अग्रिम/निकासी				
	इति शेष				
	<u>आरक्षित ब्याज</u>				
	अथ शेष	4,230,534.50			
	जोडिए: व्यय से अधिक आय	917,064.00	5,147,598.50		
	इति शेष				
	योग		36,909,151.71		36,909,151.71

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

भविष्यि निधि लेखा
31/03/15 को समाप्त आय व्यय लेखा

राशि रु.में

	व्यय	रु.		आय	रु.
		31 मार्च 15			**31 मार्च 15**
	निम्न में जमा ब्याज			**निवेशों पर अर्जित ब्याज**	2,786,380.00
	सा म नि लेखा	1,869,316.00		जोडिए: 03/15 को उपचित ब्याज	
	अं भ नि लेखा			जोडिए: ब्याज पर वसूल किया गया कर जिसकी धन वापसी की जानी	
	वि.वि अंशदान (सी पी एफ)				
	एनपीएस टियर-II लेखा			घटाएँ: मार्च 14 के लिए उपचित ब्याज	
	व्यय से अधिक आय	917,064.00		आय से अधिक व्यय	
	योग	**2,786,380.00**		**योग**	**2,786,380.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

भविष्य निधि लेखा

वित्तीय वर्ष **2014-15** के लिए प्राप्तियाँ और अदायगी लेखा

राशि रु.में

प्राप्तियाँ	रु.	अदायगियाँ	रु.
आईओबी अथ शेष	4,047,509.41	सा भ नि अग्रि./आंशिक/अंतिम निकासी	10,183,009.00
सावधि जमा	28,425,125.00		
एसबीआई, शाखा-I		अं.भ नि अग्रि./आंशिक	
एसबीआई, शाखा-II		एनपीएस टीयर-II	
बैंक		वि. अंशदान निकासी	
सा भ नि अभिदान	7,660,520.00	वर्ष के दौरान निवेश	
अं भ नि अभिदान		**इति शेष:-**	
अं भ नि विश्वविद्यालय अभिदान		एसबीआई, शाख- 1	
एनपीएस टीयर-II लेखा		सा.जमा	26,797,459.00
नकदीकृत निवेश	2,636,810.00	आईओबी	5,939,066.41
बखा से प्राप्त ब्याज	149,570.00		
योग	**42,919,534.41**	**योग**	**42,919,534.41**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - 600 113

एनपीएस टियरा-I लेखा

मार्च 31, 2015 को तुलन पत्र

राशि रु.में

रु.	देयताएँ	रु.	रु.	अस्तियाँ	रु.
	एनपीएस स्तर-I लेखा			एनपीएस स्तर-I लेखा	
	अथ शेष	5,978,270.00		3/15 को देय अभिदान और अंशदान	
	घटाइए: एनएसडीएल विप्रेषण	8,796,489.00			
	घटाइए: अभिदान 3/2014 के लिए				
		(2,818,219.00)			
				निवेश	
	जोड़िए: अभि+विवि अंशदान	6,028,979.00		उपचित ब्याज लेकिन देय नहीं	
		3,210,760.00		जीपीएफ अंश.	1,469,721.00
	जोडिए: जमा ब्याज			बैंक में शेष	2,138,000.00
	घटाइए: एनएसडीएल को स्थानांतरित				
	जोड़िए: 3/2015 के लिए अभि+विवि अंशदान				
	व्यय से अधिक आय	396,961.00			
	1.4.2014 को शेष				
	जोडिए: वर्ष के दौरान				
	योग	**3,607,721.00**		योग	**3,607,721.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

एन पी एस स्तर-I लेखा
वित वर्ष 2014-15 के लिए आय-व्यय लेखा

राशि रु.में

रु.	व्यय	रु.	रु.	आय	रु.
	अभिदाताओं के लेखों में जमा ब्याज			निवेश पर अर्जित ब्याज	310,474.00
	बैंक प्रभार			सामान्य ब्याज	86,487.00
				घटाइए: 31.3.14 उपचित ब्याज	
	व्यय से अधिक आय	396,961.00		उपचित ब्याज किंतु देय नही	
-	योग	396,961.00	-	योग	396,961.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - 600 113

एन पी एस स्तर-I लेखा

वित्त वर्ष 2014-15 के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा

राशि रु.में

प्राप्तियाँ	रु.	अदायगियाँ	रु.
1/04/2014 को अथ शेष	5,978,270.00	**निवेश**	
एनपीएस स्तर-I लेखा		निकासी/एनएसडीएल को धन वापसी	8,796,489.00
अपना अभिदान	741,934.00	सा भ नि	1,469,721.00
वि.वि. अंशदान	5,287,045.00		
निवेश पर प्राप्त ब्याज	310,474.00		
बचत खाते पर ब्याज	86,487.00		
नकदीकृत निवेश			
		इति शेष	2,138,000.00
योग	**12,404,210.00**	योग	**12,404,210.00**

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स प्र पा)
31.03.2015 से तुलन पत्र

	देयताएँ	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14		अस्तियाँ	चालू वर्ष 2014-15	गत वर्ष 2013-14
	पूँजी निधि:	43142388.00	43142388.00		जमा:		
	जोड़िए: अधिक राशि	8960069.00			एसडीआर	28000000.00	33000000.00
					ऋण व अग्रिम		
	शुल्क और कर	759.00			अस्थायी अग्रिम	825650.00	1109190.00
					एनआईटीटीटीआर अभिदान	2919985.00	2919985.00
					इति शेष		
					ऐक्सिस बैंक	20357581.00	6113213.00
	योग	52103216.00	43142388.00		योग	52103216.00	43142388.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,

तरमणि, चेन्नै - 600 113

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स प्र पा)

31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा

	व्यय	2014-15	2013-14		आय	2014-15	2013-14
	पुस्तकें व पत्रिकाएँ				परियोजना प्राप्तियाँ	20196661.00	27658854.00
	स.प्र.पा. व्यय	8797099.00	706757.00		बैंक ब्याज	3848761.00	1298065.00
	सीडीआईएमडी - XXIX बैच						
	सीडीआईएमडी - XXXII बैच	36780.00	761951.00				
	विविध देनदार	9273.00					
	डीटीईएमडीजी		2902555.00				
	निर्वाह भत्ता	3223545.00	-70719.00				
	जीआईएसएआरपी						
	आईसीटी-III	26978.00	707809.00				
	एमएलपी स.प्र.पा						
	एमएलपीएम-VI		2283619.00				
	अतिथि गृह भोजन तथा आवास	2802750.00	521200.00				
	कमरा बाड़ा	69300.00					
	स.प्र.पा. डब्लयूईटीई कार्यक्रम						
	परियोजना भत्ता	33419.00					
	एकडीईएम बैच		1753006.00				
	पुस्तक भत्ता	71989.00					
	यात्रा व सवारी	14220.00	315243.00				
	डब्लयूईटीटीवीई		1265868.00				
	डब्लयूक्यूए-1 बैच		1075888.00				
	व्यय से अधिक आय	8960069.00	16733742.00				
	योग	24045422.00	28956919.00		योग	24045422.00	28956919.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

समुद्रपार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स प्र पा)
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ

	प्राप्तियाँ	2014-15	2013-14		अदायगियाँ	2014-15	2013-14
	अथ शेष:				शुल्क व कर		2789.00
	बैंक में रोकड़	39113213.00	23114640.00		विविध देनदार	9273.00	327843.00
	हाथ में रोकड़	1109190.00	373530.00		अस्थायी अग्रिम		
					स.प्र.पा. व्यय	8797099.00	10141513.00
	शुल्क व कर	759.00	3280.00		यात्रा व सवारी	14220.00	
	स.प्र.पा. अनुदान प्राप्तियाँ	20196661.00	24719744.00		पुस्तक भत्ता	71989.00	
	बैंक ब्याज ऐक्सिस	662886.00	1298065.00		परियोजना भत्ता	33419.00	
	एसडीआर ब्याज ऐक्सिस	3185875.00			आईसीटी-III	26978.00	
	एनआईटीटीटीआर अभिदान		1114570.00		सीडीआईएमडी - XXXII	36780.00	
			70719.00		कमरा बाड़ा	69300.00	
					अतिथि गृह व्यय	2802750.00	
					निर्वाह भत्ता	3223545.00	
					इति शेष		
					बैंक	48357581.00	39113213.00
					रोकड़	825650.00	1109190.00
	योग	64268584.00	50694548.00		योग	64268584.00	50694548.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
तरमणि, चेन्नई - 600 113

परियोजना लेखा

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, तरमणि, चेन्नै - 600 113

परियोजना लेखा

31.03.2015 को तुलन पत्र

देयताएँ	2014-15		आस्तियाँ	2014-15	
परियोजना निधि: अथ शेष	178064.00				
घटाइए: आय से अधिक व्यय	51291.00	126773.00	आरक्षित निधि और अधिशेष		14512.00
परियोजना डब्लयूआईपी			40/सीईएम/आरएवाई/टीवीएल/एसएमओएच/2011-12	566792.00	
वि व 2009-10	999032.00		41/सीईएम/आरएवाई/टीआरवाई/एसएमओएच/2011-12	891147.00	1457939.00
वि व 2010-11	2411197.00				
वि व 2011-12	4825819.00				
वि व 2012-13	304711.00				
वि व 2013-14	395006.00				
वि व 2014-15	713358.00	9649123.00			
शुल्क व कर		4231.00			
			इति शेष		
			हाथ में रोकड़		39000.00
			बैंक में रोकड़		8268676.00
		9780127.00			9780127.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

परियोजना लेखा
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा

	व्यय	2014-15		आय	2014-15
	शुल्क व कर	81776.00			
	एलसी प्रभार	2209.00			
				एसडीआर ब्याज	18694.00
				अन्य आय	14000.00
				आय से अधिक व्यय	51291.00
	योग	83985.00		योग	83985.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

परियोजना लेखा
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और अदायगियाँ

	प्राप्तियाँ		2014-15		अदायगियाँ		2014-15
	अथ शेष:				शुल्क व कर		81776.00
	बैंक में रोकड़	6763607.00			एलसी प्रभार		2209.00
	हाथ में रोकड़	68500.00	6832107.00				
	वि व 2010-11	349375.00			वि व 2009-10	219587.00	
	वि व 2011-12	2681412.00			वि व 2010-11	741512.00	
	वि व 2014-15	804789.00	3835576.00		वि व 2011-12	1112583.00	
					वि व 2012-13	23096.00	
	एसडीआर ब्याज		18694.00		वि व 2013-14	106507.00	
					वि व 2014-15	91431.00	2294716.00
					इति शेष		
					हाथ में रोकड़		39000.00
					बैंक में रोकड़		8268676.00
	योग		10686377.00		योग		10686377.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

आधारभूत निधि लेखा
31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय लेखा

		2014-15			2014-15
	निवल लाभ	190588.00		**प्रत्यक्ष आय**	
				आईडीडीएस	
				आधारभूत निधि	
				10%	44000.00
				15%	0.00
				20%	70400.00
				सामान्य ब्याज	50333.00
				परियोजना लेखा	25855.00
	योग	190588.00		योग	190588.00

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान,
तरमणि, चेन्नै - 600 113

आधारभूत निधि लेखा
31.03.2015 को समाप्त प्राप्तियाँ और अदायगियाँ लेखा

	प्राप्तियाँ	2014-15		अदायगियाँ	2014-15
	अथ शेष				
	आईओबी 30101	1388256.00			
	आईडीडीएस आधार भूत निधि 10%	44000.00			
	आईडीडीएस आधार भूत निधि 20%	70400.00			
	परियोजना लेखा	25855.00			
	सामान्य ब्याज	50333.00			
				इति शेष आईओबी 30101	1578844.00
	योग	1578844.00		योग	1578844.00